रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:65 | रविवार,09 नवम्बर

ब्रीफ न्यूज

घाटी के कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश की गई नाकाम

एजेंसी

श्रीनगर (एजेंसी)। ज्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया। साथ ही, जवानों ने 2 अज्ञात आतंकवादियों को मारा गिराया है। सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिला था। इसके आधार पर कुपवाड़ा के केरन से ?टर में घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए अभियान शुरू किया गया। सेना ने ए ?स पर पोस्ट में कहा, सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी। इस दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। फिलहाल इलाके की तलाशी जारी है।

राज्य में अगले तीन दिनों में तापमान में 3-5 डिग्री की होगी गिरावट

संवाददाता

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को दी। विभाग के अनुसार अगले हफ्ते से ठंड में और वृद्धि होने की संभावना है। इस वजह से न्यूनतम तापमान में कमी आएगी। विभाग के अनुसार ठंड में बढ़ोतरी झारखंड के निचले स्तर के वायुमंडल में उत्तरी पश्चिमी और उत्तरी हवा चलने के कारण होगी। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 32.9 डिग्री और सबसे कम तापमान 12.6 डिग्रीसेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पीएफआई की 67 करोड़ की संपत्ति जब्त

संवाददाता

रांची। झारखंड के विभिन्न जिलों में अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट दर्ज होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को दी। विभाग के अनुसार अगले हफ्ते से ठंड में और वृद्धि होने की संभावना है। इस वजह से न्यूनतम तापमान में कमी आएगी। विभाग के अनुसार ठंड में बढ़ोतरी झारखंड के निचले स्तर के वायुमंडल में उत्तरी पश्चिमी और उत्तरी हवा चलने के कारण होगी। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 32.9 डिग्री और सबसे कम तापमान 12.6 डिग्रीसेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

राष्ट्रपति छह दिवसीय विदेश दौरे पर हुई रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली:राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अफ्रीकी देश अंगोला और बोत्सवाना की छह दिवसीय राजकीय यात्रा पर शनिवार कोरवाना हुईं।

मुख्यमंत्री के प्रयासों से ट्यूनीशिया में फंसे 48 कामगारों की हुई वापसी

बीते तीन महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे थे सभी कामगार

संवाददाता

रांची:मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक बार फिर प्रवासी कामगारों के मसीहा साबित हुए हैं। उनकी संवेदनशीलता और त्वरित पहल के कारण अफ्रीकी देश ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 प्रवासी कामगारों की सुरक्षित वापसी संभव हो पाई है। बीते तीन महीनों से वेतन न मिलने और आर्थिक संकट से जूझ रहे इन कामगारों की मदद के लिए मुख्यमंत्री ने तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया था। जैसे ही मुख्यमंत्री को कामगारों की परेशानी की जानकारी मिली, उन्होंने इसे गंभीरता से लेते हुए श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के अधीन राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष को सक्रिय किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभाग ने तत्परता दिखाते हुए भारतीय दूतावास और संबंधित एजेंसियों के सहयोग से पूरी प्रक्रिया को अंजाम दिया।

- हजारीबाग के 19, गिरिडीह के 14 और बोकारो के 15 कामगार 'पीसीएल' (प्रेम पावर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड) में थे कार्यरत
- बीते तीन महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे थे सभी कामगार
- मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद श्रम विभाग के धिकारियों ने कामगारों को लौटने की पूरी प्रक्रिया को दिया अंजाम

इनमेंहजारीबाग (19), गिरिडीह (14) और बोकारो से (15) कामगार शामिल थे, जो पीसीएल प्रेम पावर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड में कार्यरत थे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद श्रम विभाग के अधिकारियों ने कामगारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को विस्तार से जाना। अब सरकार इन कामगारों और उनके परिवारोंको विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित करने की दिशा में कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सदैव यह सिद्ध किया है कि झारखंड का हर श्रमिक, चाहे वह देश में हो या विदेश में, सरकार की जिम्मेदारी है। ट्यूनीशिया में फंसे कामगारों की वापसी इसी सोच और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह सफलता न केवल झारखंड सरकार की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की मिसाल है, बल्कि प्रवासी कामगारों के प्रति राज्य सरकार की गहरी चिंता और मानवीय दृष्टिकोण को भी उजागर करती है। मुख्यमंत्री के प्रयासों से एक बार फिर यह संदेश गया है कि झारखंड सरकार अपने नागरिकों के साथ हमेशा खड़ी है।

हजारीबाग के 19, गिरिडीह के 14 और बोकारो के 15 कामगार 'पीसीएल' (प्रेम पावर कंस्ट्रक्शन लिमिटेड) में थे कार्यरत

बीते तीन महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे थे सभी कामगार ।

जब्त करने की बजाय कनेक्टेड रोड में करा दिया दुकानों को शिफ्ट

झारखंड की कंपनियों को बेचने की तैयारी, नहीं होने देंगे सफल

संवादाता

घाटशिला :मऊभंडार के ताम्र प्रतिभा मंच मैदान में शनिवार को झामुमो के स्टार प्रचारक- सह- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व उनकी पत्नी-सह- गांडेय की विधायक कल्पना सोरेन ने चुनावी सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की एक कंपनी जो एचईसी के नाम से जानी जाती है, जो उद्योगों की मां के रूप में थी, उस पर भी केंद्र सरकार ने ताला लगा दिया है। भारत सरकार के कई उपक्रम हैं, जिसे बंद करके अंदर ही अंदर उद्योगपतियों को बेचने की तैयारी चल रही है, परंतु झारखंड में ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई एवं बीमार होने पर इलाज के लिए महाजनों से कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी, इसके लिए मंईयां सम्मान

योजना की शुरूआत की गई, जिसके तहत प्रत्येक महीना ढाई हजार रुपये दे रही है। भाजपा की कई राज्यों में सरकार बनी, परंतु कहीं भी इस तरह की योजना नहीं

जेएमएम में तो सबको खूंटा से बांधकर रख दिया : चम्पाई

चली। इस राज्य पर कब्जा करने के लिए उन लोगों ने हमें जेल में डालने का काम किया, परंतु हमने समझौता नहीं किया और आपलोगों का सहयोग मिला तो मैं जेल से बाहर आया। उन्होंने कहा कि गांव के लोगों ने कभी डीसी, एसपी, एसडीओ, बीडीओ को नहीं देखा था। हमारी सरकार बनी तो सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत लोगों की समस्याओं का समाधान उनके घर पर जाकर किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद शायद ही यहां का कोई बूढ़े या बच्चे को भूखे मरने की नौबत नही आई। यह सरकार सभी के लिए खड़ी रहती है। हेमंत ने कहा कि यह दुर्भाग्य ही रहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के बाद वैसे लोगों के हाथ में चला गया, जो आदिवासी-मूलवासी का शोषण करते थे। आज भी शोषण कर रहे हैं। 16-17 वर्ष तक वैसे लोगों के हाथ में सत्ता रही, जहां लोग राशन कार्ड हाथ में लेकर घूमते रहे, पर अनाज नहीं मिलता था।।टशिला उपचुनाव में भाजपा का उम्मीदवार जेएमएम का बैल था, आज जोत रहा है बीजेपी का खेत। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में ।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया से जीती टी-20 सीरीज

एजेंसी

नई दिल्ली:शनिवार को बारिश के कारण पांचवा और अंतिम मैच कैंसिल होने के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी- 20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर लिया। गौरतलब है कि पहला मैच भी बेनतीजा हुआ था। सीरीज का चौथा और तीसरा मैच भारत ने जीता था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच जीता था। ब्रिस्बेन के द गाबा मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत ने 4.5 ओवर में बगैर नुकसान के 52 रन ही बनाए थे कि मौसम खराब हो गया और खेल रोक दिया गया। ओपनर अभिषेक शर्मा 23 और शुभमन गिल 29 रन पर नाबाद लौटे। बिजली कड़कने के कारण कुछ सीटें भी खाली करानी पड़ी। थोड़ी देर बाद बारिश भी शुरू हो गई। करीब दो घंटे की बारिश के बाद मैच कैंसिल कर दिया गया। इस प्रकार यह मैच भी बेनतीजा रहा। भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा प्लेयर ऑफ द सीरीजचुने गए हैं। उन्होंने 5 मैचों में 161.38 के स्ट्राइक रेट से 163 रन बनाए।

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में चार नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखा कर कहा,

विकास को नई गति देंगी ये आधुनिक ट्रेनें

एजेंसी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वाराणसी से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनमें बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस शामिल हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने विकसित भारत के संकल्प के साथ अपने संसाधनों को सशक्त करने का मिशन शुरू किया है और ये ट्रेनें उस यात्रा में मील का पत्थर साबित होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदेभारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी ट्रेनें भारतीय रेल की अगली पीढ़ी की नींव रख रही हैं। यह सिर्फ नई ट्रेनों की शुरूआत नहीं है, बल्कि

देश के इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री ने इसे भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए और भारतीयों की ट्रेन बताया, जिसने विदेशी यात्रियों तक को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि भारत की धार्मिक यात्राएं सदियों से राष्ट्रीय चेतना का माध्यम रही हैं। अब जब वंदे भारत नेटवर्क के जरिए प्रयागराज, अयोध्या, हरिद्वार, चित्रकूट और खजुराहो जैसे पवित्र तीर्थस्थल जोड़े जा रहे हैं तो यह भारत की आस्था, संस्कृति और विकास का एक साथ चलना दशार्ता है। यह पहल तीर्थनगरीयों को केवल आध्यात्मिक केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के प्रतीक के रूप में स्थापित करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में उत्तर प्रदेश में तीर्थ पर्यटन ने न केवल भक्ति को नया आयाम दिया है बल्कि अर्थव्यवस्था को भी मजबूत किया है। पिछले वर्ष वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए 11 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे, जबकि अयोध्या में रामलला के दर्शन के लिए छह करोड़ लोग आए। इस दौरान होटल, व्यापारी, परिवहन, नाविकों और स्थानीय कलाकारों को निरंतर आयके नए अवसर मिले हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र 1 से 19 दिसंबर तक, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र इस साल 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। संसद के दोनों सदनों की कुल मिला कर इस सत्र में 15 बैठकें आयोजित की जाएंगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को संसद के शीतकालीन सत्र को बुलाने की मंजूरी दे दी है। शनिवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर जानकारी दी कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुमुर्ने 1 दिसंबर 2025 से 19 दिसंबर, 2025 तक (संसदीय कार्य की अनिवार्यताओं के अधीन) संसद का शीतकालीन सत्र आयोजित करने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सत्र

रचनात्मक और सार्थक सत्रहोगा जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करे और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करे। वहीं संसद के शीतकालीन सत्र की घोषणा होते ही इस राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता, सांसद जयराम रमेश ने इस सत्र के छोटे और देर से बुलाए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा यह शीतकालीन सत्र इतनी देर से क्यों बुलाया गया। यह आमतौर पर 20 से 23 नवंबर और 24 दिसंबर के बीच आयोजित होता है और तीन से चार हफ़्ते तक चलता है। आश्चर्य है कि इस बार सत्र 1 दिसंबर से शुरू होगा और सिर्फ.15 दिन चलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार किस बात से भाग रही है। क्या दिल्ली के प्रदूषण के कारण सत्र छोटा किया जा रहा है? क्या कोई कानून या विधेयक नहीं है? क्या बहस का कोई विषय नहीं है?वे इसे बस एक औपचारिकता के तौर पर जल्द से जल्द खत्म करना चाहते हैं। ऐसा हमने पहली बार देखा है। उन्होंने कहा कि चुनावों से पहले सत्र छोटा किया जाता है, तो क्या इसका मतलब है कि लोकसभा चुनाव आ रहे हैं?

सम्मान

पचमढ़ी रवाना होने से पहले एमपी सरकार पर बोला हमला

एमपी में बच्चों की थाली तक चुरा ली गई है:राहुल

एजेंसी

पचमढ़ी (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिन पचमढ़ी में रहेंगे। राहुल गांधी पचमढ़ी के रविशंकर भवन में एमपी कांग्रेस के चुनिंदा नेताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद होटल हाईलैंड में जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में एक सत्र को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी ने दिल्ली से रवाना होने पहले अपने ए ?स अकाउंट पर श्योपुर के विजयपुर में बच्चों के रद्दी पर मिड-डे मील खाने वाला वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- ये वही मासूम बच्चे हैं जिनके सपनों पर देश का भविष्य टिका है, और उन्हें इज्जत की थाली तक नसीब नहीं। राहुल ने आगे लिखा- 20 साल से ज्यादा की बीजेपी सरकार...और बच्चों की थाली तक चुरा ली गई। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान संपन्न होने और दूसरे चरण की तैयारी के बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। एक निजी चैनल को दिए खास इंटरव्यू में मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा

किया कि बीजेपी और जेडीयू का रिश्ता सिर्फ संाा के लिए है। चुनाव के बाद नीतिश कुमार को 'किनारेङ्कर दिया जाएगा। पहले चरण के मतदान के बाद महागठबंधन की स्थिति पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि एनडीए की लहर है, यह सिर्फ उनका भ्रम है। उन्होंने दावा किया कि इस बार एनडीए और महागठबंधन में टक्कर कांटे की है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और गठबंधनमजबूती से लड़ रहे हैं, और ग्राउंड रिपोर्ट भी यही कहती है।

बिहार में एनडीए की लहर नहीं, कांटे की है टक्कर

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान संपन्न होने और दूसरे चरण की तैयारी के बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। एक निजी चैनल को दिए खास इंटरव्यू में मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि बीजेपी और जेडीयू का रिश्ता सिर्फ संाा के लिए है। चुनाव के बाद नीतिश कुमार को 'किनारेङ्कर दिया जाएगा। पहले चरण के मतदान के बाद महागठबंधन की स्थिति पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि एनडीए की लहर है, यह सिर्फ उनका भ्रम है। उन्होंने दावा किया कि इस बार एनडीए और महागठबंधन में टक्कर कांटे की है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और गठबंधन मजबूती से लड़ रहे हैं, और ग्राउंड रिपोर्ट भी यही कहती है।

हेमंत ने जेल जाना स्वीकार किया, पर समझौता नहीं किया: कल्पना सोरेन

संवादाता

घाटशिला :झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्टार प्रचारक एवं विधायक कल्पना सोरेन ने घाटशिला उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी सोमेश चंद्र सोरेन के समर्थन में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। अपने भावनात्मक संबोधन की शुरूआत करते हुए कल्पना सोरेन जी ने कहा कि वे स्वर्गीय रामदास सोरेन को नमन करती हैं –जो इस क्षेत्र के आपके भाई, दादा, और मांझी बाबा थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया, क्योंकि उन्होंने झारखंड के आदिवासी-मूलवासी, दलित, और पिछड़े वर्गों के लिए निःस्वार्थ भाव से काम किया। उन्होंने सर्वजन पेंशन योजना के

माध्यम से बुजुर्गों को सम्मान दिया, किशोरी समृद्धि योजना से झारखंड की बेटियों को शिक्षा और आत्मनिर्भरता से जोड़ा – जिसके अंतर्गत 40 हजार बच्चियों को पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता दी गई। उन्होंने अबुआ आवास योजना के माध्यम से झारखंड के गरीब परिवारों को अपना घर देने का संकल्प पूरा किया। कल्पना सोरेन ने कहा हेमंत के रगों में, उनकी संस्कृति और इतिहास में यह लिखा है –लड़ जाएँगे, मर जाएँगे, लेकिन झुकेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि गुरुजी (श्री शिबू सोरेन) ने हमें केवल शारीरिक रूप से छोड़ा है, उनके सपनों को हेमंत सोरेन जी निरंतर पूरा कर रहे हैं। अलग राज्य बनने के बाद वैसे लोगों के हाथ में चला गया, जो आदिवासी-मूलवासी का शोषण करते थे। आज भी शोषण कर रहे हैं। 16-17 वर्ष तक वैसे लोगों के हाथ में सत्ता रही, जहां लोग राशन कार्ड हाथ में लेकर घूमते रहे, पर अनाज नहीं मिलता था।।टशिला उपचुनाव में भाजपा का उम्मीदवार जेएमएम का बैल था, आज जोत रहा है बीजेपी का खेत। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में ।

नवजात शिशुओं में संक्रमण व इनसेप्सनस पर चर्चा, विशेषज्ञों ने कहा- शिशु मृत्यु दर में कमी लाना सबसे बड़ी चुनौती

रांची, संवाददाता ।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स रांची की ओर से आयोजित 24वें झारखंड पेडिकॉन के दूसरे दिन शनिवार को ओरमांझी स्थित विनायक इको रिसोर्ट में बाल चिकित्सा विशेषज्ञों ने नवजात शिशुओं में संक्रमण, इनसेप्सनस और शिशु मृत्यु दर पर गहन चर्चा की. कार्यक्रम में जयपुर, एम्स नई दिल्ली, जम्मू, कोलकाता, विशाखापटनम, हैदराबाद, नागपुर सहित देशभर से आए डॉक्टरों ने भाग लिया. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ राजेश कुमार (बालपन) ने कहा कि नवजात शिशुओं की मृत्यु दर में कमी लाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है. उन्होंने बताया कि भारत में प्रत्येक 1000 जन्म पर लगभग 14 नवजात शिशुओं की मृत्यु हो जाती है, जो चिंता का विषय है. उन्होंने कहा कि जन्म के तुरंत बाद शिशु को गर्म रखना, नाभि की साफ-सफाई करना, स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करना और मातृत्व के प्रथम दूध का सेवन कराना अत्यंत आवश्यक है. डॉ कृष्ण कुमार ने बताया कि समय के साथ नवजातों के इलाज में तकनीकी प्रगति ने चिकित्सा व्यवस्था को नया आयाम दिया है. पहले जहां दवाओं को चूर्ण बनाकर दिया जाता था, वहीं अब वेंटिलेशन जैसी आधुनिक तकनीक से इलाज किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नवजात देखभाल के लिए प्रशिक्षित नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है.

सम्मेलन में डॉ श्याम सुंदर सिडाना ने कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस नई क्रांति ला रहा है. लेकिन उन्होंने चेताया कि यदि डॉक्टर की निगरानी और सटीक निर्देश न हों तो एआई गलत दिशा में परिणाम दे सकता है. उन्होंने एआई आधारित डायग्नोसिस सिस्टम को केवल सहायक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने पर जोर दिया. हैदराबाद की डॉ अपर्णा ने नवजात शिशुओं में संक्रमण और इनसेप्सनस के लक्षणों पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने कहा कि नवजात में बुखार, सुस्ती, दूध न पीना और सांस लेने में कठिनाई संक्रमण के शुरूआती संकेत हैं. उन्होंने अनावश्यक एंटीबायोटिक के उपयोग से बचने की सलाह दी, ताकि दवाओं के प्रति प्रतिरोध को रोका जा सके. वहीं, डॉ अभिषेक रंजन ने थैलेसीमिया पर प्रस्तुति दी और कहा कि आनुवांशिक जांच और समय पर निदान से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है. डॉ केएस दास ने संक्रमण नियंत्रण के उपायों पर जोर दिया और कहा कि अस्पतालों में संक्रमण रोकथाम की सख्त व्यवस्था होनी चाहिए.

झारखंड के 25 साल : कृषि, डेयरी और फिशरीज के क्षेत्र में राज्य ने की खूब तरक्की, पर बेहतर सिंचाई व्यवस्था की जरूरत

रांची, संवाददाता ।

प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण झारखंड जब अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया, तब यह सवाल लोगों के जेहन में थे कि कि खान-खनिज से परिपूर्ण इस पठारी राज्य में खेती-बाड़ी, मत्स्य पालन, पशुपालन का क्या भविष्य होगा, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि भले ही राज्य में कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में कई समस्याएं मौजूद हो, लेकिन पिछले 25 वर्षों में झारखंड में कृषि के क्षेत्र में तरक्की भी खूब हुई है.

दलहन के औसत उत्पादन में झारखंड बेहतर

झारखंड में एक समय ऐसा था जब दलहन की खेती महज एक लाख हेक्टेयर तक में सीमित थी, जो अब आठ गुणा बढ़कर 08 लाख हेक्टेयर हो गई है. आज झारखंड राज्य दलहन उत्पादन में देश में नौवें स्थान पर है और हमारी प्रति हेक्टेयर औसत दलहन उत्पादन 1069 केजी जबकि वैश्विक औसत 1000 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर ही है.

धान की खेती में भी आगे बढ़ा है राज्य

15 नवम्बर 2000 को बिहार से अलग होकर नए राज्य के रूप में उदित हुआ झारखंड धान की खेती में भी आगे बढ़ा है. यह यहां के अन्नदाताओं की मेहनत का ही परिणाम है कि राज्य गठन के समय जहां करीब 10 लाख हेक्टेयर में धान की खेती की जाती थी, वह अब बढ़कर 18 लाख हेक्टेयर हो गई है. राज्य में धान की औसत उपज में भी इन 25 वर्षों में काफी बढ़ोतरी हुई है. राज्य में प्रति हेक्टेयर औसत धान उत्पादन एक टन से बढ़कर 03 टन हो चुका है. रबी के क्षेत्र में अभी भी और बेहतर करने की संभावनाओं के बावजूद पिछला 25 वर्ष उम्मीदों और संभावनाओं वाला रहा है. राज्य बनने के समय झारखंड में रबी फसल के रूप में गेहूं की खेती का रकबा महज 50 हजार हेक्टेयर था, जो अब बढ़कर 03 लाख हेक्टेयर हो गया है. इसी तरह तिलहन की खेती का रकबा बढ़कर 02 लाख हेक्टेयर हो गया है. रबी फसलों की खेती में विकास का ही परिणाम है कि राज्य में अब रबी फसल का कुल रकबा 11 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है.

दूध उत्पादन में भी लगातार आगे बढ़ता झारखंड

अलग राज्य बनने के समय झारखंड में पशुपालन की स्थिति अच्छी नहीं थी, तब राज्य में दूध का उत्पादन 10 लाख टन से भी कम था. अब यह बढ़कर 34 लाख टन हो गया है. राज्य हर दिन 2.5 लाख लीटर दूध का उत्पादन करता है. राज्य गठन के समय दूध के क्षेत्र में अपना कोई ब्रांड नहीं था. संयुक्त बिहार का ब्रांड ₹सुधार हुआ करता था. उसी का एक प्लांट झारखंड में था. राज्य बनने के 25 वर्षों के इस सफर में ₹मेधार आज झारखंड का अपना डेयरी ब्रांड बन चुका है और यह अन्य ब्रांडों को टक्कर दे रहा है. राज्य भर में मेधा की छह डेयरी प्लांट हैं. रांची में 80 करोड़ की लागत से 20 मीट्रिक टन क्षमता वाले मिल्क पाउडर प्लांट लगाने का शिलान्यास हो चुका है. राज्य के पशुपालकों को प्रति लीटर दूध पर 05 रु की अतिरिक्त राशि देने की योजना से पशुपालन को बढ़ावा मिला है.

मत्स्य पालन में झारखंड की तरक्की क्रांति जैसी

झारखंड राज्य ने मछली यानी मत्स्य पालन में विकास मानो राज्य के लिए नीली क्रांति से कम नहीं है.राज्य गठन के बाद जिस राज्य में सिर्फ 14000 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन होता था, वह राज्य आज 3.63 लाख मीट्रिक टन मछली का उत्पादन कर अपनी आवश्यकताओं का 95% खुद पूरी कर रहा है. मछली के लिए कभी आंध्र और पश्चिम बंगाल पर निर्भर राज्य अब आत्मनिर्भर बनने के करीब पहुंच गया है. झारखंड के किसानों के आर्थिक उन्नयन में बागवानी भी अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है. राज्य बनने के समय सूबे में बागवानी का कोई बड़ा आंकड़ा तक मौजूद नहीं है।

रांची में बेड़ो के महादानी मैदान के आसपास निषेधाज्ञा लागू !

रांची, संवाददाता ।

निषेधाज्ञा लागू कर दिया है. बीएनएस की धारा-163 के तहत मैदान के 500 मीटर की परिधि में 8 अक्टूबर से निषेधाज्ञा लागू किया गया है. सदर एसडीओ ने इस बाबत आदेश जारी कर दिया है. दरअसल, बेड़ो का महादानी मैदान बहुत पुराना है. यहां वर्षों से रामनवमी का झंडा लगता आ रहा है. साथ ही सरहुल की शोभायात्रा भी निकलती है. इस मैदान में महेंद्र सिंह धोनी भी क्रिकेट टूर्नामेंट खेल चुके हैं. लेकिन कुछ समय से मैदान के एक हिस्से में सरना स्थल की घेराबंदी को लेकर विवाद चल रहा है. कुछ माह पहले इस मसले को लेकर बेड़ो थाना में भी हंगामा हुआ था. जानकारी के मुताबिक 9 अक्टूबर को इस मैदान में एक संगठन का एक सम्मेलन होना था. वहीं सरना धर्मावलंबी सरना स्थल की घेराबंदी की तैयारी में थे. आदिवासी संगठनों ने 1 एकड़ 5 डिसमिल क्षेत्र में बिना प्रशासनिक स्वीकृति के घेराबंदी की तैयारी की थी. लिहाजा, विधि व्यवस्था को बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने पूरे क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दिया है. खास बात है कि महादानी मैदान के आसपास कई स्कूल भी हैं. इनमें एसएस प्लस-टू स्कूल, कस्तूरबा आवासीय विद्यालय, प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय, मध्य विद्यालय शामिल हैं. यहां के लोगों का कहना है कि मैदान की घेराबंदी होने से सभी को दिक्कत होगी. इसलिए मैदान खुला रहना चाहिए. इसी वजह से विवाद हो रहा है. लिहाजा, जिला प्रशासन ने निषेधाज्ञा लागू कर विधि व्यवस्था को बनाए रखने की कवायद शुरू कर दी है.

झारखंड कैबिनेट में पेसा नियमों पर नहीं हुआ विचार

रांची, संवाददाता ।

हेमंत कैबिनेट की सोमवार यानी 3 नवंबर 2025 को हुई बैठक के दौरान पेसा नियमों के ड्राफ्ट पर विचार नहीं किया गया. जबकि 30 अक्टूबर को राज्य सरकार की ओर से झारखंड हाईकोर्ट को बताया गया था कि ढएरअ नियमों का ड्राफ्ट अब मुख्यमंत्री को भेज दिया गया है और इसे जल्द ही कैबिनेट के सामने रखा जाएगा. इसपर आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के संयोजक विक्टर मालतो ने कहा है कि कोर्ट में सरकार की ओर से रखे गए पक्ष से लगा था कि सोमवार को कैबिनेट मीटिंग में चर्चा होगी, लेकिन ढएरअ नियम न तो एजेंडा में था और न ही उस पर कोई बात हुई. इधर, झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य के अनुसूचित क्षेत्रों की ग्राम सभाओं को संसाधनों पर नियंत्रण देने के नियमों के लागू होने तक बालू और छोटे खनिजों के आवंटन पर रोक के फैसले को जारी रखा है. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की बेंच ने 9 सितंबर को ढएरअ नियमों को नोटिफाई करने के हाईकोर्ट के आदेश का पालन न करने पर गंभीर रुख अपनाते हुए बालू घाटों के आवंटन पर रोक लगा दी थी.

हाईकोर्ट में राज्य सरकार की दलील

वहीं, राज्य सरकार लगातार कमर्शियल इस्तेमाल के लिए बालू घाटों के आवंटन पर लगी रोक को हटाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि इससे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर असर पड़ रहा था, लेकिन कोर्ट टस से मस नहीं हुआ. एडवोकेट जनरल राजीव रंजन ने कोर्ट को यह समझाने की कोशिश की कि मौजूदा कानूनी ढांचा भी बालू घाटों के आवंटन से पहले पंचायतों की सहमति का प्रावधान करता है, लेकिन बेंच 1996 में संसद द्वारा बनाए गये ढएरअ एक्ट के आदेश को लागू करने के लिए नियम बनाने के अपने आदेश का पालन कराने पर जोर दे रही है.

13 नवंबर की सुनवाई होगी बेहद खास

खास बात है कि बालू खनन पर बना गतिरोध तबतक खत्म होने की संभावना नहीं दिख रही है, जबतक 13 नवंबर को हाईकोर्ट की अगली सुनवाई से पहले कैबिनेट की मीटिंग नहीं बुलाई जाती. इधर, ढएरअ नियमों की अधिसूचना तक बालू घाटों के आवंटन पर रोक हटाने का विरोध करते हुए आदिवासी बुद्धिजीवी मंच ने खंडपीठ को बताया है कि बालू की नीलामी करने का राज्य सरकार का फैसला गैरकानूनी था, क्योंकि संसद द्वारा 1996 में बनाए गये ढएरअ एक्ट की वजह से मौजूदा नियम लागू नहीं होते. ढएरअ एक्ट में ग्राम सभाओं की सहमति जरूरी है और ग्राम सभाएं राज्य सरकार द्वारा ढएरअ नियम लागू करने के बाद ही बनाई जा सकती है.

याचिकाकर्ता की दलील

याचिकाकर्ता के मुताबिक पेसा नियम लागू नहीं किए जाते हैं तो राज्य सरकार के लिए समस्या और बढ़ सकती है. जवाब में दिए गए एफिडेविट में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि डीएमएफटी फंड खर्च करना और बालू घाटों की नीलामी दोनों ही गैर-कानूनी थे और गलती करने वाले अधिकारियों पर जिम्मेदारी तय करने के लिए जांच का आदेश दिया जाना चाहिए. राज्य सरकार PESA एक्ट के तहत बनाई जाने वाली ग्राम सभा की मंजूरी के बिना न तो बालू घाट अलॉट कर सकती है और न ही DMFT फंड खर्च कर सकती है. एफिडेविट में बताया गया है कि राज्य सरकार के DMFT नियमों में खुद माना गया है कि PESA एक्ट से जुड़ी ग्राम सभा और मौजूदा ग्राम सभाओं से अलग है.

सीसीएल में सतर्कता महोत्सव संपन्न, छात्रों को मिला सम्मान

रांची, संवाददाता ।

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) में दो दिवसीय सतर्कता महोत्सव-2025 का समापन हुआ. इस मौके पर रांची के कई स्कूलों और कॉलेजों के छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लिया. अंतिम दिन फेस पेंटिंग और सोलो सॉन्ग प्रतियोगिताएं हुईं. बच्चों ने देशभक्ति गीत गाए और अपने चेहरों पर सुंदर कलाकृति बनाकर ईमानदारी और सतर्कता का संदेश दिया. मुख्य अतिथि सीवीओ पंकज कुमार ने कहा कि हम चाहते हैं कि बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिले. हर पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह आने वाली पीढ़ी को अच्छा माहौल दे. सतर्कता और ईमानदारी का संदेश सब तक पहुंचना चाहिए. कार्यक्रम में लाइव पेंटिंग वर्कशॉप भी हुई, जिसमें कई राज्यों से आए कलाकारों को सम्मानित किया गया. इसके साथ ही सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र, मेडल और ट्रॉफी दी गई.

न्यू स्वर्णरेखा पब्लिक स्कूल गुडू में प्रखंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता संपन्न

रांची, संवाददाता ।

ओरमांझी प्रखंड के न्यू स्वर्णरेख पब्लिक स्कूल गुडू पांचा में मेरा युवा भारत राँची युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रखंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता के दूसरा दिन बालिका वर्ग में 200 मी दौड़ में प्रथम सुलेखा कुमारी, द्वितीय संजू कुमारी, तृतीय डोली कुमारी, स्किपींग में प्रथम श्वेता कुमारी, द्वितीय काजल कुमारी, तृतीय सपना कुमारी, बालक वर्ग में 400 मी दौड़ में प्रथम प्रशांत कुमार, द्वितीय सुरज कुमार राम, तृतीय सनु कुमार महतो लम्बी कूद में प्रथम कृष्णा कुमार महतो, द्वितीय सुरज कुमार राम, तृतीय कुनाल कुमार महतो विजय रही ।बालिका कबड्डी मे प्रथम सध्या क्लब मुटा, द्वितीय एन एस पी एस गुडु रही। बालक फुटबॉल मे बंटी बोदर्श बनाम एन एस पी एस 9 गुडु के बीच खेला गया। जिसमें गुडू ने बंटी बर्दश को 5-3 से पराजित किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित न्यू स्वर्णरेखा पब्लिक स्कूल गुडू पांचा के प्राचार्य कामेश्वर महतो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का उद्घाटन किया । वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मारूति मंगल परिवार के रामगढ़ जिला प्रभारी अमरनाथ भोगता, गुमला जिला प्रभारी कामेश्वर बेदिया ने कबड्डी के फाइनल मैच का उद्घाटन किया। वहीं न्यू स्वर्णरेखा पब्लिक स्कूल गुडू पांचा के प्रधानाचार्य कामेश्वर महतो ने कहा कि खेलकूद शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने, हृदय रोगों के जोखिम को कम करने, सहनशक्ति बढ़ाने, और तनाव को दूर करने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, खेल अनुशासन, सहयोग, आत्मविश्वास, और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक गुण विकसित करते हैं। विजेता एवं उप विजेता टीम को टी शर्ट, मेड, जर्सी, बेडमिंटन रेकेट सेट, फुटबॉल के साथ प्रमाण पत्र दिया गया।

जीईएल चर्च में 1990 के बाद शुरू हुआ मॉडरेटर युग

रांची, संवाददाता ।

मेनरोड स्थित गोस्सनर एवेंजिकल लूथरन इन छोटानागपुर एंड असम चर्च ने एक सदी पूरी की है. इस दौरान कई बार सर्वोच्च (आसीन) पदों के नाम में परिवर्तन हुए. जीईएल चर्च में शुरूआत में सर्वोच्च पदों पर आसीन मुख्य व्यक्ति प्रेसिडेंट कहलाते थे. इसके बाद से प्रमुख अध्यक्ष हुए. वर्तमान में मॉडरेटर कहलाए. इस गौरवशाली यात्रा में समाज, शिक्षा और आस्था के क्षेत्र में गहरी छाप छोड़ी है. 1919 में पहले प्रेसिडेंट के चयन के साथ शुरू हुई. यह संस्था आज भी ईश्वरीय सेवा और सामाजिक विकास में कार्य कर रही है. गोस्सनर चर्च की बुनियाद रखने वाले पहले प्रेसिडेंट रेव्ह हनुक्काह लकड़ा थे, जिन्होंने 1919 से 1924 तक सेवा दी. उनके बाद रेव्ह जॉहन टोपनो (1924-1935), दाऊद कुजूर (1935-1939), रेव्ह लीक जोंसनोस (1939-1942), रेव्ह जुएल लकड़ा (1945-1954), रेव्ह हबील टोपनो (1954-1955) और रेव्ह जेम्स पॉल तिग्गा (1955-1960) ने चर्च का नेतृत्व संभाला. यह वह दौर था, जब चर्च के अध्यक्ष को प्रेसिडेंट कहा जाता था, जिन्होंने धर्मप्रचार और शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी कार्य किए. 1960 से 1990 के बीच चर्च के सर्वोच्च पद को प्रमुख अध्यक्ष कहा जाने लगा. इस समय में चर्च ने ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में कार्य किए गए इस दौर के पहले प्रमुख अध्यक्ष रेव्ह जूएल लकड़ा बने, जिन्होंने संगठन को नई दिशा प्रदान किए.

तमाड़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय का उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने किया औचक निरीक्षण

रांची, संवाददाता ।

रांची के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने आज तमाड़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय का अचानक निरीक्षण किया.निरीक्षण के दौरान उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति, फाइलें, योजनाओं की स्थिति और लोगों की शिकायतों की समीक्षा की. उन्होंने कहा कि पूरे जिले में ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी होते रहेंगे. उपायुक्त ने कहा कि कार्यालय में किसी भी बिचौलिये की भूमिका नहीं होनी चाहिए. अगर कोई व्यक्ति जनता और अधिकारियों के बीच बिचौलिये का काम करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

भूमि मामलों का जल्दी निपटारा

उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिया कि भूमि से जुड़े मामलों का समय पर निपटारा करें, ताकि आम लोगों को बार-बार दफ्तर के चक्कर न लगाने पड़ें. अगर शिकायत मिली तो तुरंत कार्रवाई की जाएगी. निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय आए लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं.

अबुआ आवास योजना की राशि समय पर दें

उपायुक्त ने कहा कि अबुआ आवास योजना के लाभुकों को समय पर पैसा दिया जाए, ताकि वे जल्द अपना घर बना सकें. उन्होंने कार्यालय परिसर का निरीक्षण करते हुए कहा कि सरकारी कार्यालय साफ-सुथरे और व्यवस्थित होने चाहिए. तमाड़ कार्यालय में सफाई पर खास ध्यान देने को कहा गया. उपायुक्त ने हाईवे निर्माण के लिए ली गई जमीन का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए. निरीक्षण के दौरान एसडीओ किस्टो बेसरा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी के.के. राजहंस, उप समाहर्ता भूमि सुधार छवि बाला बारला, अंचल अधिकारी बुण्डू हंस हेमरोम, प्रखंड विकास पदाधिकारी सावित्री कुमारी, अंचल अधिकारी तमाड़ समरेश भंडारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे.

श्री श्याम मित्र मंडल ने हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में 177वां श्री श्याम भंडारा का किया भव्य आयोजन

रांची, संवाददाता ।

श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 177वां श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा एवं राकेश रंजन कुमारी मधु सौरभ राज सृष्टि प्रिया ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया । उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया।

राकेश रंजन कुमारी मधु ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। श्री श्याम मंदिर में निर्मित प्रसाद में आज के भंडारे में इडली चटनी वेज उपमा केसरिया जलेबी और टॉफी का प्रसाद वितरण किया गया।

खीर चूरमा का भोग हर भंडारे में महाप्रसाद के रूप में श्याम मंदिर में निर्मित किया जाता है एवं सर्वप्रथम भोग लगाया जाता है। भोग लगने के बाद हर भंडारे में मंडल के वरिष्ठ सदस्य रतन शर्मा एवं मंदिर के सहयोगी रांची गौशाला में जाकर गौमाता को भोजन कराते हैं। लगभग 2500 से ज्यादा भक्तजनों ने प्रसाद प्राप्त किया। श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर परिसर में निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी के देख रेख में शुद्धता के साथ निर्मित किया गया था। श्री श्याम भंडारे में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया अशोक लड़ियां कोषाध्यक्ष मनोज खेतान निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी निवर्तमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया श्यामसुंदर शर्मा राजेश ढांढनीया अनुज मोदी कमलेश सावा वेद भूषण जैन अंकित कुमार कृष्णा कुमार संकेत चौधरी मनोज खेतावत सहित 50 से ज्यादा कार्यकताओं ने सहयोग दिया। उपरोक्त सभी जानकारी मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने दी।

आर एम एस पेंशनर्स एसोसियेशन झारखंड की बैठक संपन्न

संवादाता

रांची । रांची जीपीओ में ऑल इंडिया पोस्टल/ आर एम एस पेंशनर्स एसोसिएशन झारखंड की बैठक के डी राय व्यथित की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई.

बैठक में 25 मार्च को संसद में वित्त विधेयक के माध्यम से पेंशन अधिनियम में संशोधन पारित किए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए आशंका जताई गई कि आठवें वेतन आयोग के लाभ से पेंशनर्स को वंचित किया जा सकता है और इसके अलावा टर्म ऑफ रेफरेंस में भी पेंशनर्स की चर्चा नहीं है . जिसका मतलब है ओल्ड पेंशन स्कीम(डढर)भी सरकार के निशाने पर है . वो इस व्यवस्था को समाप्त करने की योजना बना रही है.

तथाकथित संशोधन को लेकर देश भर में जुलाई माह में मानव श्रृंखला बनाई गई और अगस्त में राज्य स्तरीय कन्वेंशन आयोजित किया गया तथा राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया और 10 अक्तूबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर संशोधन निरस्त किए जाने को लेकर धरना दिया गया जिसमें झारखंड के भी एक दर्जन प्रतिनिधि शामिल हुए.

झारखंड में वर्षों से फैमिली पेंशन का मुद्दा प्रशासनिक अकर्मण्यता के कारण लंबित चला आ रहा है . मई माह से यू पी एस के मामले की प्रोसेसिंग नहीं होने के कारण दर्जनों पेंशनर्स महीनों से भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं.

झारखंड में 500 से अधिक पोस्टमैन का जनवरी 96 से बढ़े हुए वेतन भुगतान का मामला 7साल से लंबित चला आ रहा है. इसको लेकर एसोसिएशन ने तीन बार राज्य स्तरीय धरना आयोजित किया तथा दर्जनों बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल उच्च अधिकारियों से मिला फिर भी कोई सार्थक पहल नहीं हुई.

आज की बैठक में आम सहमति से निर्णय लिया गया कि डाक निदेशक झारखंड परिमंडल से भेंट कर उचित करवाई हेतु दबाव बनाया जाय . प्रतिनिधिमंडल 10 नवंबर को डाक निदेशक से मिलेगा . इसके बावजूद भी कार्रवाई नहीं हुई तो राज्य स्तरीय धरना का आयोजन किया जाएगा.

2. 7 दिसंबर को रांची जीपीओ में तृतीय मंडलीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.

विदित हो कि एसोसिएशन का राष्ट्रीय सम्मेलन गुवाहाटी में मार्च 2026 में होने जा रहा है .

राज्य सचिव ने जिला सचिवों का आह्वान करते हुए कहा कि मार्च से पूर्व जिला सम्मेलन करा लें.

आज की बैठक को एम जेड खान सहित साधन कुमार सिंहा, बिपिन चौधरी, त्रिवेणी ठाकुर, हरि राम तिवारी ,रमेश सिंह,के डी राय व्यथित ने संबोधित किया.

उत्कृष्ट विद्यालय खूंटी सर्वश्रेष्ठ बैंड टीम बनी

ब्रास बैंड बालिका वर्ग में जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय खूंटी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 74 अंक प्राप्त किए और प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य की सर्वश्रेष्ठ बैंड टीम बनी। इसके साथ ही विद्यालय ने आगामी जोनल स्तरीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई कर राज्य का प्रतिनिधित्व करने का गौरव भी हासिल किया। उल्लेखनीय है कि विद्यालय ने वर्ष 2024-25 में भी इसी वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया था और इस वर्ष लगातार दूसरी बार विजेता बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

संक्षिप्त

इटकी में प्रदेश युवा कांग्रेस कॉ-आर्डिनेटर 15 नवम्बर को लगायेंगे जनता दरबार

इटकी। इटकी मौसी बाड़ी स्थित हील अली फार्म हाउस में आगामी 15 नवम्बर दिन शनिवार को प्रदेश युवा कांग्रेस कॉ- आर्डिनेटर आरीफ रजा आमजनों की समस्याओं को लेकर जनता दरबार लगायेंगे। एक ज्ञापन जारी कर जानकारी देते आरीफ रजा ने कहा कि इटकी के नागरीक कई बुनियादी समस्याओं से झुझ रहे हैं। जनता दरबार में आमजनों की सभी प्रकार के समस्या को सुनी जायेगी इसके बाद एक रूप रेखा तैयार कर लोगों के समस्या का निदान करने पर पहल किया जायेगा। उन्होंने लोगों से जनता दरबार में पहुंच कर अपनी समस्याओं को रखने की अपील की है।

अफीम की खेती की रोकथाम को लेकर एसडीएम ने की बैठक

सोनाहातू। अफीम की अवैध खेती पर रोक लगाने के उद्देश्य से बुंडू एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा ने शनिवार को प्रखंड सभागार में ग्राम प्रधान, मुखिया, वार्ड सदस्य आदि के साथ संयुक्त बैठक की। बैठक में प्रमुख विक्टोरिया देवी, सीओ सह बीडीओ मनोज महथा, उपप्रमुख सविता देवी, पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीएम ने निर्देश दिए कि अफीम की अवैध खेती करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और गांव-गांव जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। लोगों को अफीम को छोड़ वैकल्पिक कृषि से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। जनप्रतिनिधियों से अवैध अफीम खेती को रोकने के लिया सहयोग करने की अपील की गई। इस क्रम में बाल विवाह और डायन प्रथा के खिलाफ जागरूक करने की बात कही गई। इस दौरान हर पंचायत के जनप्रतिनिधियों से अवैध खेती की रोकथाम के लिए सुझाव लिए गए।

नीति आयोग की टीम ने किया रामगढ़ जिले का दौरा

संवाददाता

रामगढ़। नीति आयोग की टीम ने शनिवार को रामगढ़ जिले का दौरा किया। इस दौरान टीम में एडिशनल डायरेक्टर नीति आयोग आनंद शेखर, उड़ीसा, छत्तीसगढ़, झारखंड एवं मध्य प्रदेश राज्य के वरीय अधिकारी, आकांक्षी जिला, प्रखंड फेलो, जिला योजना पदाधिकारी आदि शामिल थे। नीति आयोग की टीम के द्वारा पतरातू प्रखंड अंतर्गत कोतो पंचायत के बिरहोर टोला में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया गया। सर्वप्रथम टीम का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इसके बाद विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान एडिशनल डायरेक्टर ने सभी को संबोधित करते हुए सरकार की ओर से आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम के तहत किए जा रहे हैं कार्यों की जानकारी दी। मौके पर उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए किए जाने वाले कार्यों को लेकर विस्तृत जानकारी सभी को दी। डीडीसी शौच अग्रवाल ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन कार्यक्रम के तहत चयनित पतरातू प्रखंड के योजनाबद्ध विकास के तहत कार्य कर रहा हैं। इसके लिए जिला प्रशासन एवं प्रखंड प्रशासन आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहा है। मौके पर उन्होंने सरकार के कई महत्वाकांक्षी योजनाओं एवं योजनाओं के तहत हुए कार्यों की जानकारी सभी को दी। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पतरातू मनोज कुमार गुप्ता के द्वारा आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत चयनित पतरातू प्रखंड में चल रहे विकास कार्यों एवं योजनावार लक्ष्य एवं प्राप्ति की विस्तृत जानकारी सभी को दी। मौके पर नीति आयोग की टीम के द्वारा बिरहोर समूह के लोगों से सीधा संवाद किया गया। उनसे सरकार की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई। टीम के द्वारा बिरहोर टोला में कई योजनाओं का निरीक्षण किया गया। वहीं बिरसा आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवास में श्रमदान किया गया। साथ ही टीम की ओर से जिला समाज कल्याण कार्यालय की ओर से आयोजित अन्नप्राशन कार्यक्रम सहित अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने का निर्देश जारी करे सरकारः अली

संवादाता

रांचीः 11 नवम्बर 2025 को स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलान अबुल कलाम आजाद की जयंती है, जिसे राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में हर वर्ष मनाने का निर्देश भारत सरकार द्वारा सितम्बर 2008 में सभी राज्य को अपने शैक्षणिक संस्थानों में मनाने का निर्देश दिया गया है, लेकिन झारखंड राज्य को छोड़कर देश के हर राज्य में 11 नवम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया जाता है, इस संदर्भ में वर्ष 2016 एवं 2017 में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास विभाग द्वारा बार-बार निर्देश भी जारी किया गया है उसके बावजूद अनुपालन के नाम पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग द्वाराकेवल खानापूर्ति किया जाता है।झारखंड छात्र संघ के अध्यक्ष एस अली ने मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री, अल्पसंख्यक आयोग, विभागीय सचिव एवं निदेशक, विश्विद्यालय के कुलपति और रांची जिला के डीईओ, डीएसई को पत्र भेजकर 11 नवम्बर 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस सभी शैक्षाणिक संस्थानों में मनाने के लिए निर्देश जारी करने की मांग किया है, ताकि छात्र एवं युवा पीढ़ी देश के प्रथम शिक्षा मंत्री द्वारा शिक्षा के क्षेत्र किए गए उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी हो सके, उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी भी राष्ट्रीय शिक्षा दिवस कार्यक्रम में शामिल होते है और पिछले वर्ष 2024 दिल्ली में धूमधाम से मनाया गया था।

राहे के खिलाड़ी ने मलेशिया में जीता सिल्वर मेडल

संवाददाता

राहे। मलेशिया के क्वालालमपुर में आयोजित प्रथम लॉन बॉल वर्ल्ड कप मुकाबला में शनिवार को सिल्ली विधानसभा के राहे प्रखंड का खिलाड़ी दिनेश कुमार ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इस वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल देकर इन्हें पुरस्कृत किया है। इनका मुकाबला इंग्लैंड के टीम के साथ था। दिनेश कुमार भारत का नेतृत्व करते हुए सिल्वर मेडल जीता है। इनके सफलता पर पूर्व विधायक सुदेश महतो, पूर्व जिप अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, सुनील सिंह, जयपाल सिंह, श्याम महतो, रंग बहादुर महतो, मायूकभूषण महतो, सुनील महली, आदि ने बधाई दिया है।

राज्य स्तरीय स्कूली बैंड प्रतियोगिता में रामगढ़ जिला का शानदार प्रदर्शन, बना दूसरा विजेता

संवाददाता

रामगढ़। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग आयोजित राज्यस्तरीय स्कूली बैंड प्रतियोगिता में सीएम एसओई कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय कैथा की टीम ने भाग लिया। जिसमें बैंड के ग्रुप कैप्टन रानी कुमारी की नेतृत्व में 25 सदस्य टीम ने पाईप बैंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य भर में दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रदर्शन के दौरान टीम ने कई अलग अलग देश भक्ति गीतो के धुन पर शानदार बैंड का प्रदर्शन करते हुए विजेता बनीं।

वहीं शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमारी नीलम ने बधाई देते हुए कहा कि खेलो झारखंड राज्य स्तरीय स्कूली बैंड प्रतियोगिता में रामगढ़ दूसरा विजेता बना हैं। यह गौरव का क्षण है। इसके लिए हमारे शिक्षा विभाग के सभी पदाधिकारी, शारीरिक शिक्षा शिक्षक और कस्तूरबा की पूरी टीम का कड़ी मेहनत का परिणाम है। जिला शिक्षा अधीक्षक संजीत कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि बैंड का प्रदर्शन से आने वाले लगातार अच्छा परिणाम हो रहा है। खेलो के बहुत आगे बढ़ रहे हैं। हमारे जिला के स्कूली बच्चियों ने स्कूली बैंड प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीतकर पूरे राज्य में दूसरा विजेता बनीं है। इससे आने वाले बच्चे भी प्रेरित होकर आगे जाएंगे। वहीं एडीपीओ नलिनी रंजन ने बधाई देते कहा कि बैंड को टीम को सिख रेजिमेंट सेंटर रामगढ़ के सूबेदार मेजर कुलवंत सिंह के जरिये विशेष प्रशिक्षण लगातार दिया गया। रामगढ़ जिला के लिए बैंड में सफलता की शुरुवात है। आने वाले समय में हमारे बच्चे गोल्ड मेडल भी जीतेंगे। अभी कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बैंड की टीम है। आने वाले समय में जिले के हर विद्यालय में बैंड की टीम बने इसके लिए विभागीय तौर पर प्रयास किया जा रहा हैं।

सिल्ली कॉलेज में नये सत्र के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सिल्ली। सिल्ली कॉलेज सिल्ली मे इतिहास विभाग की ओर से आईक्यूएसी तत्वाधान मे बीए सत्र 2025-2029 के सेमेस्टर वन के नये विद्यार्थियो के स्वागत सह ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेमेस्टर 3 की छात्राओं ने तिलक और पुष्प वर्षा कर नये विद्यार्थियों का स्वागत किय। मौके पर सेमेस्टर 02 के छात्राओ ने स्वागत गान प्रस्तुत किया। नये छात्र-छात्राओं के परिचय के साथ ?कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्राचार्य डॉ अनंत कुमार महतो ने कहा कि आज से आप सभी इस कॉलेज का हिस्सा बन रहे है,आपका अनुशासन एवं आत्मविश्वास कॉलेज के प्रति बना रहे, अगले 4 सालों मे आपका परफॉर्मेंस अच्छा होगा,कॉलेज मे यूजी से पीजी तक की पढ़ाई होती है, इसके अलावा एनएसएस/एनसीसी की भी कोर्स चलती है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओंको अनुशासन का पालन करने तथा शिक्षकों के मार्ग दर्शन मे मेहनत और लगन से पढ़ाई करने की बात कही। इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो विश्वनाथ मुंडा ने कहा कि यह कार्यक्रम आप सभी नये छात्र छात्राओं को कॉलेज जीवन मे स्वागत कर और अकादमिक वातावरण से परिचित कराने के लिए आयोजित किया गया है उन्होंने विभाग की गतिविधियो, पाठ्यक्रम और भविष्य की योजनाओ के बारे मे जानकारी दी। इस दौरान कार्यक्रम मे छात्रो को कॉलेज के नियमों, सुविधाओ समेत विभिन्न योजनाओ के बारे मे भी बताया गया। कार्यक्रम को प्रो नकुल चंद महतो, प्रो योगेन्द महतो, डॉ सुकल्याण महतो, प्रो पवन कुमार भगत प्रो,विपिन कुमार महतो, प्रो दुर्गेश कुमार सिन्हा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सेमेस्टर 3 की छात्रा दीपिका साहू और धन्यवाद ज्ञापन इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो विश्वनाथ मुंडा ने किया। इस मौके पर प्रो सावित्री बाला, सुबोध कुमार महतो, केशव कुमार राय, सुमीत कुमार महतो, मंजुलता कुमारी, कविता कुमारी, तुलसी कुमारी, ऋचा कुमारी श्यामल कुमार दे आदि उपस्थित थे।

सरकार की लाभकारी योजनाओं के प्रति लाभुक किसान रहें सजग : बीडीओ

इटकी। प्रखण्ड मुख्यालय मे शनिवार को आयोजित कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत किसानों के बीच सुकर और मुर्गे की चूजा वितरण की गई। कार्यक्रम मे सुकर पालक किसान जुनस प्रदीप केरकेट्टा, अमरदीप केरकेट्टा, सिम्मी केरकेट्टा, बुधराम मिंज और अनूप करकेट्टा को सुकर जबकि ब्रायलर कुक्कुट पालन योजना के लाभुक रेहान अरशद को 500 चूजा दी गई। प्रत्येक सुकर पालन लाभुक किसानो को चार चार मादा सुकर और एक एक नर सुकर वितरण किया गया। प्रत्येक यूनिट को करीब 57000 हजार की दर से 2,85000 लाख खर्च कर लाभुक किसानों को सुकर प्रदान की गई। मौके पर बीडीओ मो० अनीश ने कहा कि सरकार किसानो के लिए कई लाभकारी योजना चला रखी है। लाभुक किसान महत्वकांक्षी योजनाओ के प्रति सजग रह कर लाभ उठाएं। कार्यक्रम मे प्रखण्ड प्रमुख किरण उरांव, बीडीओ मो० अनीश, प्रखण्ड पशु चिकित्सक डा० शिवानंद काशी, विधायक प्रतिनिधि रमेश महली, संजय कुमार, अमन मुंडा, प्रदीप महतो, सुशीला, रिक्की कुजूर सहित कई किसान मौजूद थे।

रामगढ़ में कोयला मजदूरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल समाप्त

प्रबंधन के आश्वासन के बाद प्रदर्शन किया खत्म

संवाददाता

रामगढ़। अरगड्डा एरिया स्थित गिद्दी ए, रैलीगढ़ा और गिद्दी सी लोकल सेल में कोयला मजदूरों ने अपने रोजगार हक अधिकार को लेकर शनिवार सुबह से अनिश्चितकालीन हड़ताल की थी। इसके कारण तीनों कोलियरी में कोयला ट्रांसपोर्टिंग और डिस्पैच पूरी तरह ठप हो गया था। प्रबंधन से आश्वासन मिलने के बाद दोपहर 3 बजे हड़ताल समाप्त कर दी गई।

विस्थापित प्रभावित सेल संचालन समिति ने रोड सेल में कोयला नीलामी (ऑक्शन) में मजदूरों के हक अधिकार की मांग को लेकर यह कदम उठाया था। समिति के सदस्यों का कहना था कि स्थानीय लोगों को रोजगार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। गिद्दी ए के परियोजना अधिकारी (पीओ) आरके सिन्हा ने ग्रामीणों से बातचीत की और एक सप्ताह के भीतर सेल में कोयला ऑक्शन शुरू करने का आश्वासन दिया। इसी तरह, गिद्दी सी और रैली गढ़ा कोलियरी के पीओ ने भी दो दिन में सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिलाया। इन आश्वासनों के बाद ही हड़ताल खत्म करने का निर्णय लिया गया। हड़ताल पर बैठे रैयत विस्थापितों ने सीसीएल प्रबंधन को बताया कि सीसीएल ने 1984 में उनकी जमीन का अधिग्रहण किया था। इसके बदले में विस्थापित प्रभावितों को वैकल्पिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रोड सेल संचालित किए गए थे, ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके। हालांकि 2018 से सीसीएल ने अचानक मैनुअल लोडिंग बंद कर दी और उसकी जगह पेलोडर लोडिंग शुरू कर दी। इसके बाद से रोड सेल पर कोयला ऑक्शन मिलने में लगातार समस्या आ रही है, साथ ही डीओ होल्डर और लिफ्टर की मनमानी भी बढ़ गई है। इन समस्याओं के कारण लगभग 8,000 मजदूर रोजगार से वंचित हो रहे हैं और उन्हें पलायन करने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

गर्भावस्था के दौरान उच्च जोखिम वाली महिलाओं की पहचान और देखभाल बेहद जरूरी : संगीता

संवाददाता

खूंटी। खूंटी में सदर अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मरंगहादा में शनिवार को ग्रामीण स्वास्थ्य एवं पोषण परियोजना के तहत स्वास्थ्य विभाग ने चाइल्ड इन नीड इंस्टीट्यूट (सीनी) संस्था के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सहिया दीदियों को उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था और गर्भकाल तथा प्रसव के दौरान खतरों के निशान विषय पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान सीनी संस्था की प्रशिक्षक संगीता मिश्रा ने सहिया दीदियों को विस्तारपूर्वक

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गर्भावस्था के दौरान उच्च जोखिम वाली महिलाओं की पहचान करना और उनकी विशेष निगरानी एवं देखभाल करना बेहद जरूरी है। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के दिन सदर अस्पताल या निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रेफर करने के लिए सहिया दीदियों को प्रेरित करना चाहिए, ताकि समय पर उचित जांच और इलाज हो सके। इससे पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. कुमार आलोक बिहारी ने किया। यह प्रशिक्षण अलग-अलग क्लस्टर के अनुसार तीन दिनों तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाना तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस अवसर पर सीनी संस्था सदर के जिला समन्वयक रोहित राज, अमरनाथ, वशिष्ठ, अल्पना, अंकिता, प्रियंका, किरण, अनिरुद्ध सहित खूंटी सदर की सभी बीटीटी सहिया साथी और सहिया टीम उपस्थित थी।

दिसंबर तक व्यवस्था न हुई तो एमजीएम अस्पताल और कॉलेज के सामने जल संकट : सरयू राय

चुनाव में लाभ लेने के लिए तत्कालीन मंत्री ने सीएम को अंधेरे में रख कर करवा लिया था उद्घाटन

जमशेदपुर, संवाददाता

पश्चिमी विधायक सरयू राय ने कहा कि एमजीएम अस्पताल के डिमना स्थित नये भवन में पानी की समस्या गंभीर हो गई है। कॉलेज में सीटें बढ़ने के बाद अस्पताल के साथ ही हॉस्टल एवं अस्पताल के रिहायशी भवनों में पानी की खपत बढ़ गई है। अस्पताल परिसर में 5 डीप बोरिंग कराकर उनसे होने वाली जलापूर्ति अस्पताल एवं कॉलेज के लिए अपर्याप्त सिद्ध हो रही है। अस्पताल के लिए स्वर्णरेखा नदी से पानी लेने की परियोजना का काम अत्यंत धीमा है। अस्पताल के अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से बात करने के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि यदि दिसंबर तक पानी की व्यवस्था नहीं हुई तो अस्पताल और कॉलेज के सामने पानी का संकट खड़ा हो जाएगा।

यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि जनहित एवं जनस्वास्थ्य से जुड़ी विकास परियोजनाओं में राजनीतिक आधार पर निहित स्वार्थी हस्तक्षेप होता है और विभाग के वरीय अधिकारी राजनीतिक दबाव में आकर उचित-अनुचित का विवेक भूल जाते हैं तो विकास परियोजनाओं की वही दुर्गति होती है जैसा एमजीएम अस्पताल का हो रहा है। उन्होंने कहा कि एक साल पहले विधानसभा चुनाव के समय राजनीतिक लाभ लेने के लिए तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्री को अंधेरे में रख कर एमजीएम अस्पताल का अधकचरा उद्घाटन करा लिया। उस समय न तो नया भवन हस्तांतरित हुआ था और न ही उसमें पानी की व्यवस्था हुई थी। कई ओपीडी को नए भवन में लाने की घोषणा हो गई।

ताकि विधानसभा चुनाव में इसका लाभ लिया जा सके, पर वैसा हो नहीं पाया। आश्चर्य है कि स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को वस्तुस्थिति से अवगत कराने की जगह विभागीय मंत्री के दबाव में बिना तैयारी के अस्पताल को पुराने भवन से नए भवन में स्थानांतरित करने में सक्रिय हो गए। उन्होंने कहा कि जिला के उपायुक्त को निर्देश देकर उन्होंने (पूर्व मंत्री ने) पानी के लिए 5 डीप बोरिंग करवा दिया जबकि पर्यावरण नियमों के अनुसार इसकी मनाही है।

उस समय उन्होंने (सरयू राय ने) एवं अन्य जानकार लोगों ने कहा था कि बोरिंग के पानी से इतना बड़ा अस्पताल नहीं चलाया जा सकता। अब अस्पताल के अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य पानी की कमी पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं को इसके लिए दोषी वे अधिकारी और नेता हैं जो विकास कार्यों में राजनीतिक हस्तक्षेप करने के आदी हो गए हैं।उन्होंने आशंका जताई कि दिसंबर के बाद भूगर्भ जल का स्तर नीचे जाएगा तो डीप बोरिंग भी जवाब दे देंगे। इनकी क्षमता घटती चली जाएगी और अस्पताल के समीपवर्ती इलाकों का जलस्तर नीचे जाने से वहां भी पेयजल का संकट खड़ा हो सकता है। एक बार फिर एमजीएम अस्पताल प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ज़िला प्रशासन पर दबाव डाल सकते हैं कि नागरिकों के लिए पेयजल आपूर्ति करने वाली एमजीएम की पानी टंकी से अस्पताल को पानी दिया जाए। वस्तुस्थिति यह है कि इस पानी की टंकी से नागरिक उपभोक्ताओं को ही पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने सुझाव दिया है कि टाटा स्टील के डिमना लेक से जमशेदपुर पानी ले जा रहे पाइपलाइन से एमजीएम अस्पताल के लिए तैयार हो रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में अस्पताल की जरूरत के हिसाब से पानी लिया जाए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के सचिव स्तर से टाटा स्टील प्रबंधन से वार्ता किया जाना ही एमजीएम अस्पताल को पर्याप्त पानी देने का एकमात्र उपाय है।

विधायक पूर्णिमा साहू ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को लिखा पत्र

कहा तांती समाज को मिले न्याय, अनुसूचित जाति में शामिल करने की उठाई मांग

जमशेदपुर, संवाददाता

पूर्वी विधायक पूर्णिमा साहू ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर 'तांती' समुदाय को अत्यंत पिछड़ा वर्ग की सूची से विलोपित कर अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग की है। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि यह कदम तांती समाज के साथ वर्षों से हो रहे सामाजिक व संवैधानिक अन्याय को समाप्त करेगा। उन्होंने पत्र में झारखंड प्रदेश पान-तांती-स्वांसी कल्याण समिति से प्राप्त दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया कि विभिन्न संवैधानिक, आयोगीय और शासकीय अभिलेखों में यह स्पष्ट प्रमाणित है कि 'तांती' वास्तव में पान/स्वांसी जाति का ही पर्यायवाची नाम है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि काका कालेलकर आयोग, मुंगेरी लाल आयोग तथा बिहार-झारखंड जनजातीय कल्याण शोध संस्थान की रिपोर्टें भी इस तथ्य की पुष्टि करती हैं कि तांती समुदाय, पान/स्वांसी समाज का ही अंग है और इन्हें अनुसूचित जाति के सभी अधिकारों का लाभ मिलना चाहिए। इस पत्र में उन्होंने झारखंड प्रदेश पान-तांती-स्वांसी कल्याण समिति, झारखंड के चार पन्नों के प्राप्त पत्रों की प्रतिलिपि भी मुख्यमंत्री को भेजी है।

पत्र में उन्होंने यह भी याद दिलाया कि वर्ष 2004 में झारखंड राज्य मंत्रिमंडल ने पान और स्वांसी के पर्यायवाची के रूप में 'तांती'नाम को जोड़ने का निर्णय लिया था और जो आज भी सरकारी अभिलेखों में विद्यमान है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि इस मामले में सहानुभूतिपूर्वक व न्यायसंगत विचार करते हुए तांती समुदाय को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल करने का शीघ्र निर्णय लिया जाए। जिससे इस समाज को संविधान प्रदत्त सामाजिक समानता और सम्मानजनक जीवन का अधिकार मिल सके।

श्रीराम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह का गौ रक्षा आंदोलन को समर्थन

धनबाद, संवाददाता

रणधीर वर्मा चौक पर चल रहे गौ रक्षा आंदोलन को शनिवार को नई ऊर्जा मिली जब श्रीराम सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह आंदोलन स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियों का उत्साह बढ़ाया। श्री सिंह ने कहा कि गाय केवल एक पशु नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, आस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आत्मा है। गाय की सेवा और संरक्षण भारतीय जीवन दर्शन का अभिन्न अंग है। उन्होंने आंदोलनकारियों के संयम और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि गौ माता की रक्षा केवल कुछ लोगों का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का दायित्व है। साथ ही, उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि आंदोलन की भावनाओं को समझते हुए उचित निर्णय लिया जाए। इस मौके पर आंदोलन के संयोजक समेत बड़ी संख्या में गौ-सेवक, समाजसेवी और नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि गौ माता की रक्षा और सम्मान के लिए संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। गौरक्षा आंदोलन अब धनबाद में जन-आंदोलन का रूप ले चुका है, और समाज के हर वर्ग से इसमें जुड़ने की अपील की जा रही है।उपस्थित प्रमुखः संजीव चौहान, अविनाश पाण्डेय, गौरी शंकर मिश्रा, कथावाचक गोविंद महाराज, दीनानाथ सिंह, प्रीतम सिंह, दिनेश मिश्रा, सरिता देवी, कल्याणी देवी, पुष्पा देवी।

कुमारधुबी हॉस्पिटल एवं तालडांगा मस्जिद कमिटी के संयुक्त तत्वाधान में मुफ्त स्वास्थ्य एवं रक्त जांच शिविर का आयोजन

शिविर में कुल 126 मरीजों ने पहुंचकर अपनी जांच करवाई, साथ मुफ्त दवाएं भी वितरित की गई

धनबाद, संवाददाता

शनिवार को कुमारधुबी हॉस्पिटल एग्यारकुंड और तालडांगा मस्जिद कमिटी के संयुक्त तत्वाधान में मुफ्त स्वास्थ्य एवं रक्त जांच शिविर का आयोजन तालडांगा मस्जिद परिसर में आयोजित की गई, जहां मरीजों के लिए मुफ्त जांच और रक्त जांच के साथ साथ मुफ्त दवाएं भी वितरित की गई। वही हृदय रोग मरीजों के लिए मुफ्त ईसीजी भी किया गया । शिविर में कुल 126 मरीजों ने पहुंचकर अपनी जांच करवाई, शिविर में पहुंचे चिकित्सक डॉक्टर आई एम सिंह और डॉक्टर पिंकू कुमार ने मरीजों का जांच किया । इधर तालडांगा मस्जिद के इमाम मौलाना तनवीर इमाम ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कुमारधुबी हॉस्पिटल ने समाज के आम लोगों के बीच एक अच्छी पहल की है जहां सब कुछ मुफ्त में किया जा रहा है उन्होंने कहा कि आज कई ऐसे गरीब परिवार है जो पैसे के अभाव में अपना इलाज अच्छे डाक्टर से नहीं करा पाते है जहां हॉस्पिटल ने समाज के लिए एक अच्छी पहल की है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है उन्होंने कहा कि तालडांगा मस्जिद कमिटी के सभी मेंबर ने बढ़ चढ़कर इसमें हिस्सा लिया और इसे कामयाब बनाया। वही अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर पिंकू कुमार ने कहा कि अस्पताल की ओर से ये शिविर लगाया गया है जहां स्थानीय लोग बढ़ चढ़कर इसका लाभ लेने का काम कर रहे है अस्पताल आगे भी इस तरह का आयोजन निरसा के विभिन्न क्षेत्रोंमें करने का काम करेगा। शिविर को सफल बनाने वालों में चिकित्सक आई एम सिंह के साथ डाक्टर पिंकू कुमार, शुभेंदु हल्दर, सुदीप्ता, अर्वंतिका, संदीप शर्मा, शिवम् कुमार के साथ मस्जिद कमिटी के अध्यक्ष गुड्डू अंसारी, सचिव मोहम्मद इरफान,सरमद खान, डब्लू, आमिर उर्वा, आदि की सराहनीय भूमिका रही।

टाटा बिल्डिंग इंडिया के सौजन्य से निबंध प्रतियोगिता आयोजित, आदित्य राज ने पाया प्रथम स्थान

धनबाद, संवाददाता

टाटा बिल्डिंग इंडिया के सौजन्य से राजेंद्र कन्या मध्य विद्यालय कतरास में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा षष्टम, सप्तम एवं अष्टम के लगभग 350 छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। टाटा बिल्डिंग इंडिया के नीतीश कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को निबंध लिखने से संबंधित सभी नियमों की जानकारी दी। विद्यालय के प्राचार्य राकेश कुमार मुरली ने बताया कि बच्चों के ज्ञानवर्धन करने के लिए इस प्रकार का आयोजन रखा गया था। निबंध का थीम आत्मनिर्भर भारत था जिसके तहत छात्र-छात्राओं को पांच ऐसे कार्य लिखने थे जिसके करने से भारत आत्मनिर्भर बन सकता है। इसके लिए बच्चों को 30 मिनट में 200 शब्दों में निबंध लिखना था। इस प्रतियोगिता में अष्टम कक्षा के आदित्य राज सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं द्वितीय और तृतीय स्थान पर सृष्टि मोदक तथा स्नेहा कुमारी रही। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में विजेता प्रतिभागी को स्वर्ण पदक, रजत पदक एवं कांस्य पदक तथा प्रशस्ति पत्र दिया गया। वहीं मौके पर उपस्थित विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने सभी प्रतिभागियों को आगामी सभी तरह के प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए जी तोड़ मेहनत करने का सलाह देते हुए सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक राकेश कुमार मुरली, शिक्षक ईश्वर चन्द्र दुबे, राजकुमार ठाकुर, हरिशंकर प्रसाद, महेश्वर प्रसाद दास, सोनी कुमारी, अनिल रवानी, मोहम्मद असलम, मोहम्मद अरशद, कविता कुमारी, मंजीत कुमार सिंह, बी एड प्रशिक्षु श्रद्धा सिंह आदि कई शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थे ।

धोनी क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ी जामताड़ा के लिए रवाना, खेलेंगे फ्रेंडली मैच

पलामू, संवाददाता

पांकी रोड स्थित धोनी क्रिकेट एकेडमी के खिलाड़ी जामताड़ा में आयोजित होने वाले फ्रेंडली क्रिकेट मैच में भाग लेने के लिए सोमवार को शक्तिपुंज एक्सप्रेस से रवाना हुए। मैत्रीपूर्ण मुकाबला विद्यासागर क्रिकेट एकेडमी जामताड़ा के साथ खेला जाएगा। टीम के साथ एकेडमी के कोच रविंद्र सिंह भी मौजूद थे। धोनी क्रिकेट एकेडमी के निदेशक सुमित बर्मन ने कहा कि पलामू क्रिकेट संघ द्वारा जल्द ही लीग प्रारंभ होने वाला है। ऐसे में खिलाड़ियों को बेहतर अभ्यास व अनुभव दिलाने के लिए इस प्रकार के इन्विटेशनल मैच बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य पलामू के खिलाड़ियों को आगे बढ़ाना है। अन्य जिलों की मजबूत टीमों के साथ मुकाबला करने से खिलाड़ियों के खेल, तकनीक व आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। उम्मीद है कि मैच के अनुभव से हमारे खिलाड़ी आने वाले लीग में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

खिलाड़ियों के रवाना होने से पूर्व अमरेश कुमार मेहता, दीपक तिवारी व दीपेन्द्र सिंह ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाए दी व उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की।रवाना होने वाले खिलाड़ियों में पीयूष कुमार, हर्षा गुप्ता, प्रियांशु दुबे, कुमार सुषांत देव, ईशान सिंह, प्रकाश कुमार, सुधीर कुमार, निशांत पासवान, आशीष जायसवाल, नॉतिक शेखर, आसिफ अहमद, आर्यन राज, कार्तिक कुमार के नाम शामिल है। खिलाड़ियों के रवाना होने के दौरान एकेडमी परिसर में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। परिजनों, प्रशिक्षकों व खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया व सफलता की शुभकामनाएं दी।

रांची रोड पर उड़ती धूल से लोगों का जीना दूभर, पैदल और बाइक सवारों की बढ़ी परेशानी

पलामू, संवाददाता

रांची रोड स्थित भगवती अस्पताल से लेकर चियांकी हवाई अड्डा तक सड़क पर धूल और गर्द का आलम ऐसा है कि लोगों का पैदल या बाइक से चलना मुश्किल हो गया है। लगातार उड़ती धूल से राहगीरों की सांस लेने में दिक्कत, आंखों में जलन और खांसी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना हजारों लोग गुजरते हैं, लेकिन सड़क की खराब स्थिति और उड़ती धूल के कारण अब यह मार्ग स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गया है। लोगों ने नगर निगम, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भावी प्रत्याशियों से आग्रह किया है कि जब तक सड़क की मरम्मत नहीं हो जाती, तब तक टैंकर से नियमित पानी का छिड़काव कराया जाए ताकि धूल उड़ने पर रोक लग सके। नागरिकों का कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो लोगों में सांस संबंधी बीमारियों का खतरा और बढ़ जाएगा।

चार महीने का बकाया राशि भुगतान को लेकर 54 मजदूरों ने किया बैठक

बोकारो, संवाददाता

डीवीसी बोकारो थर्मल नूरीनगर स्थित ऐश पौंड में कार्यरत 54 मजदूरों ने शुक्रवार को डीवीसी ऐश पौंड में एक बैठक हुआ। कार्यरत 54 मजदूरों ने बताया कि बेरमो कोयलांचल हाईवा ऑनर एसोसिएशन ने डीवीसी छाई ट्रांसपोर्टिंग कार्य को 15 जुलाई से अनिश्चित कालीन बंद कर दिया गया था। 54 मजदूरों ने बताया कि डीवीसी चार माह छाई ट्रांसपोर्टिंग कार्य बंद होने के कारण 54 मजदूरों की आर्थिक स्थिति दायनीय हो गया है। घर के आर्थिक स्थिति के साथ-साथ बच्चों की शिक्षा पर काफी प्रभाव पड़ा है। मजदूरों ने साथ ही यह भी कहा कि मजदूरों के द्वारा पूर्व में छाई ट्रांसपोर्टिंग कार्य को बंद किया था।

जिसको देखते हुए डीवीसी प्रबंधन और बेरमो सीओ संजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में वार्ता हुई कि 54 मजदूरों को केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुसार मजदूरों को उनकी मजदूरी और पहचान पत्र, ईपीएफ, डीवीसी टेंडर में 54 मजदूरों को अंकित करना आदि पहलुओं पर सहमति जताई। लेकिन डीवीसी प्रबंधन और कंपनी के तरफ से कोई पहल नहीं किया गया। गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने 54 मजदूरों की समस्या को पहल करते हुए कोलकात्ता डीवीसी चेयरमैन एस सुरेश से मिलकर 54 मजदूरों की समस्या को विस्तार पूर्वक रखा। डीवीसी चेयरमैन एस सुरेश ने आश्वाशन दिया कि 54 मजदूरों को एमसी आरसी में रखा जाए। लेकिन डीवीसी प्रबंधन और कंपनी ने मजदूरों को अभी तक कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। जिसके कारण मजदूरों में आक्रोश है। मजदूरों का चार महीना का बकाया राशि का भुगतान डीवीसी प्रबंधन व कंपनी मिलकर पहल करें और जल्द बकाया राशि का भुगतान करें।

देश की 'प्रगति में बाधक है भ्रष्टाचार : जीएम

बोकारो, संवाददाता

बीएंडके मे सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत ऑफिसर क्लब करगली मे स्कूली बच्चों क लिए सांस्कृतिक और नाटक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय कुमार झा ने दीप प्रज्वलित कर किया. जीएम ने कहा कि देश की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक प्रगति मे भ्रष्टाचार एक बाधक है. इसके समाप्त करने के लिए सभी को मिल जुलकर कार्य करना चाहिए. इसमें शिशु विकास विधालय संडेबाजार, चिल्ड्रेन राईज स्कूल कुरपनीया एवं संत अन्ना बालिका उच्च विद्यालय कुरपनीया के विद्यार्थियों भाग लिया, सभी प्रतिभागियों को शील्ड, मेडल तथा प्रशस्त पत्र देकर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम का संचालन नोडल आफिसर प्रेक्षा मिश्रा और घन्यवाद ज्ञापन कार्मिक प्रबंधक पी एन सिंह ने किया. इस अवसर पर एसओ माइनिंग के एस गैवाल, एसओपी विनय रंजन टुडु, एरिया भू-राजस्व पदाधिकारी शंकर कुमार, सेफ्टी ऑफिसर भविष्य भारती, स्कल के प्रिसिपल राम अयोध्या सिंह, टीजन करमाली व सिस्टर सलोनी व यूनियन प्रतिनिधि गजेंद्र प्रसाद सिंह व गणेश महतो, शशि सिंह आदि कई लोग मौजूद हुए ।

डीपीएस बोकारो में 'वित्तीय साक्षरता व डिजिटल उपकरणों के उपयोग' पर सीबीएसई का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बोकारो, संवाददाता

शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक समय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की ओर से डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल), बोकारो में शिक्षकों के लिए वित्तीय साक्षरता और डिजिटल उपकरणों का उपयोग पर एक महत्वपूर्ण संवेदीकरण कार्यक्रम (सेंसिटाइजेशन प्रोग्राम) आयोजित किया गया। इस ज्ञानवर्धक सत्र में बोकारो जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से लगभग 75 शिक्षकों को सशक्त बनाया गया। रिसोर्स पर्सन के रूप में राष्ट्रीय स्तर की सॉफ्ट स्किल ट्रेनर निशा सिंह ने वित्तीय कौशल के गुर सिखाए। उन्होंने मनी प्लान, मनी मैनेजमेंट, फाइनेंशियल गोल, बीमा में निवेश, बीमा के प्रकार, सतर्कता, सजगता, इससे संबंधित जागरुकता आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शुरूआत उन्होंने वित्तीय अनुशासन के गहन परिचय से की, जिसमें उन्होंने बताया कि व्यक्तियों को अपने धन को समझदारी से कैसे खर्च करना चाहिए, बचाना चाहिए और निवेश करना चाहिए। प्रशिक्षण का एक मुख्य भाग मुद्रास्फीति और बचत पर इसके प्रभाव को समझने पर केंद्रित रहा, जिसके बाद सुरक्षित भविष्य के लिए वित्तीय योजना के महत्व पर जोर दिया गया।

उन्होंने लक्ष्य-आधारित निवेश और उचित परिसंपत्ति आवंटन की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि निवेश की रणनीतियां वित्तीय लक्ष्यों के साथ पूरी तरह से मेल खा सकें। संसाधन व्यक्ति ने म्यूचुअल फंड (उनके कार्य और प्रकार), इक्विटी फंड, ईएलएसएस, डेट फंड और हाइब्रिड स्कीम्स सहित विभिन्न निवेश विकल्पों का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने एसआईपी (एसआईपी) और चक्रवृद्धि की शक्ति को भी समझाया। अंत में उन्होंने शिक्षकों को जोखिमों, विशेषकर डिजिटल क्षेत्र में धोखाधड़ी से बचाने में मदद करने के लिए वित्तीय मामलों में सतर्कता, जागरूकता और निरंतर संवेदीकरण के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम ने उपस्थित शिक्षकों को आधुनिक आर्थिक परिदृश्य से निपटने के लिए आवश्यक वित्तीय ज्ञान और उपकरणों से प्रभावी ढंग से लैस किया। डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इस प्रकार के कार्यक्रम की अनिवार्यता पर बल दिया।

न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल फुसरो में क्राफ्ट और ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो, संवाददाता

फुसरो के शास्त्रीनगर स्थित न्यू दिल्ली पब्लिक स्कूल में क्राफ्ट और ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। स्कूल की निदेशिका सुषमा सिंह और सचिव महारूद्र नारायण सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बच्चो और अभिभावक शामिल हुए। इस प्रतियोगिता में अभिवादक और बच्चों एक से बढ़कर एक मनमोहक, पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण, सुंदर पतंग, स्माइली, गेंदा फूल से सूर्य - चंद्रमा आदि कई पेंटिंग बनाया, जो काफी आकर्षक था. उपस्थित हुए सभी लोगो ने इसकी सराहना की. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को टॉफी व पुरस्कार देकर उत्साहित किया जा रहा है. कार्यक्रम मे अभिभावक सह सीए सोनम वंशल सहित विनीत चौरसिया, रिमी चौरसिया, पलक वंशल, इन्दु देवी, श्यामली कुमारी, सुघा जलान, पुष्पा कुमारी, खुशबू कुमारी, अनुराघा कुमारी, गोपी डे, निखट बाबु आदि शामिल हुए. प्रतियोगिता को सफल बनाने मे शिक्षिका उन्नति महारुद्रा, पूजा सिंह, नेहा मल्होत्रा, अलका देवी, बिन्दू गुलाटी, बबीता कुमारी और युक्ता कुमारी आदि ने भूमिका निभाया।

न्यूज ब्रीफ

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखंड में बच्चों को नाव दुर्घटना से बचाव की जानकारी दी गई

खगड़िया (एजेंसी) : जिले के परबत्ता प्रखंड के मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखंड में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव के संदर्भ में जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य संजय कुमार पासवान ने किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने किया। प्रधानाचार्य संजय कुमार पासवान ने बताया कि नाव दुर्घटना से बचने के लिए यात्रियों को लाइफ जैकेट पहनना, क्षमता से अधिक नाव में न बैठना और खराब मौसम में यात्रा नहीं यात्रा करना चाहिए सिद्धार्थ कुमार ने बच्चों को नाव दुर्घटना एवं पानी में डूबने से बचाव की जानकारी देते हुए बताया कि बरसात के उफनती नदियों में नाव डूबने की दुर्घटना में बहुमूल्य जिंदगियां चली जाती है। सुरक्षा रहकर ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है। नाव चलने से देख लें कि लदान क्षमता दर्शाने वाला सफेद पट्टी का निशान डूबा तो नहीं है यानि नाव ओवरलोडेड तो नहीं है। यदि ऐसा है तो नाव से तुरंत उतर जाएं। शिक्षक सिद्धार्थ ने यह भी बताया कि जब बारिश हो रही हो तो नाव की यात्रा ना करें तथा छोटे बच्चों को अकेले नाव की यात्रा ना करने दें। जर्जर नाव पर सवारी ना करें, यह जानलेवा हो सकता है। नाव पर मवेशी नहीं ले जाना चाहिए। नाव पर चढ़ते उतरते समय पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद नाव की यात्रा ना करें यह खतरनाक हो सकती है। इसके अलावा पानी में डूबने से होनेवाले खतरे के बचाव को लेकर उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति पानी में डूब जाए तो तत्काल उसे पूरी सावधानी के साथ पानी से बाहर निकालें व प्राथमिक उपचार के अस्पताल पहुंचाएं। मौके पर प्रधानाचार्य संजय कुमार पासवान, शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, निरंजन कुमार, रामविनोद सह, रामलाल पंडित, मीनाक्षी कुमारी, लवकवत आफरीन, उत्कर्ष कुमार, सार्थक कुमार, शिवानी कुमारी, प्रीतम, अनुष्का, देवराज, पलतवी, वंदना भारती, सोनम कुमारी सैकड़ों छात्र और छात्राएं मौजूद थे।

बिहार की जनता इस चुनाव में करेगी एनडीए का पिंड दानः जिग्नेश मेवाणी

पटना (एजेंसी) : गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष व विधायक जिग्नेश मेवाणी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा बिहार की जनता इस चुनाव में एनडीए का पिंड दान कर देगी। उन्होंने गुजरात के श्रम कानूनों पर कड़ा प्रहार करते हुए भाजपा को मजदूर विरोधी बताया और कहा कि जो भाजपा सरकार गुजरात में अपने दस लाख सरकारी नौकरी का वादा नहीं पूरा कर सकी वो बिहार में एक करोड़ सरकारी नौकरी देने का झूठा वादा कर रही है। जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि जहां विश्व में काम के घंटों को घटाकर 7 घंटे करने की बहस चल रही है वहीं गुजरात मॉडल के नाम पर श्रमिकों से 12 घंटे काम लेने का कानून बनाया गया है जो राष्ट्रीय स्तर पर 8 घंटे के काम से कहीं ज्यादा है। जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि बिहार में रोजी रोजगार की कमी के कारण बिहार के युवा, नौजवान, महिलाएं और सभी वर्ग के लोग पलायन कर वहां काम करने जाते है और यह भाजपा सरकार उनका शोषण कर रही है। संवाददाता सम्मेलन में एआईसीसी कार्यसमिति सदस्य और मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा, राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़, प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पाण्डेय सहित अन्य नेतागण मौजूद रहे।

घोड़ासहन में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने दिया विवादास्पद बयान, कहा

लालू सरकार की सड़कें ओम पुरी के गाल जैसी थीं

एजेंसी

पूर्वी चंपारण : बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार का दौर अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसी कड़ी में शनिवार को ढाका विधानसभा क्षेत्र के टीनवा हाई स्कूल मैदान में एनडीए प्रत्याशी पवन जायसवाल के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। सम्राट चौधरी ने कहा, लालू यादव ने कहा था कि बिहार की सड़कें हेमा मालिनी के गाल जैसी होंगी, लेकिन उनकी सरकार में सड़कें ओम पुरी के गाल जैसी बन गई थीं। पता ही नहीं चलता था कि सड़क में गड्ढा है या गड्ढे में सड़क है। उन्होंने कहा कि एनडीए की वह तस्वीर पेश की है, जिसकी कल्पना पहले संभव नहीं थी। सम्राट चौधरी ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के हर घर नौकरी के वादे पर तंज कसते हुए कहा कि, जब उनके पिता को 15 साल का मौका मिला तब एक भी नौकरी नहीं दे पाए, तो बेटा 20 महीने में क्या कर लेगा? केवल घोटाला ही कर सकता है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए, कहा, तेजस्वी यादव को बताना चाहिए वह महज डेढ़ साल की उम्र में करोड़पति कैसे बन गये। यह फॉर्मूला क्या था, ताकि आम जनता भी उसका लाभ उठा सके। डिप्टी सीएम ने कहा, लालटेन का मतलब है लालू प्लस टेन यानी लालू, राबड़ी और उनके नौ बच्चे। ये लोग सिर्फ अपने परिवार के विकास के बारे में सोचते हैं, जनता के बारे में नहीं। उन्होंने लोगों से अपील की कि ढाका की जनता इस बार एनडीए प्रत्याशी पवन जायसवाल को भारी मतों से विजयी बनाए, ताकि क्षेत्र का विकास और तेजी से हो सके। सभा में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। सम्राट चौधरी के भाषण के दौरान सम्राट चौधरी जिंदाबाद और फिर एक बार, एनडीए सरकार के नारों से पूरा मैदान गूंज रहा था।

बिहार ने बना लिया है सरकार परिवर्तन का मन : अजय राय

एजेंसी

पटना : उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि बिहार में महिलाएं, युवा और आम जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और अब राज्य में इंडिया महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है। अजय राय ने कहा कि बिहार में शराबबंदी कानून पूरी तरीके से फेल है और उन्होंने गया की एक महिला का वीडियो दिखा कर बताया कि शराबबंदी कानून की धज्जियां उड़ रही है और प्रशासन मौन है। उक्त वीडियो में महिला द्वारा शराबबंदी के बावजूद खुलेआम बिक रही शराब की कीमत तक बता रही है। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार की सीमा उत्तर प्रदेश से लगती है और सीमावर्ती क्षेत्रों में घूमने के दौरान उन्होंने महसूस किया कि आम जनता ने परिवर्तन का मन बना लिया है और अपनी वोट की ताकत से इस वोट चोरी करने वाली सरकार को सबक सिखाने को तैयार है। उन्होंने वाराणसी लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के वोट चोरी का पहला शिकार मैं स्वयं हूं क्योंकि रात राउंड तक पीएम मोदी पर बढ़त बनाने के बाद अचानक इलेक्शन कमीशन का वेबसाइट आंकड़े देना बंद करता है और फजर सीधे मुझे पीछे कर दिया जाता है।

बिहार में एनडीए की बनेगी सरकार : रघुवर दास

एजेंसी

भागलपुर : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता रघुवर दास शनिवार को भागलपुर पहुंचे थे। उन्होंने एक निजी होटल में पत्रकारों को संबोधित करते हुए महागठबंधन पर जमकर हमला बोला और कहा कि बिहार की जनता ने परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति को बहुत करीब से देखा है। इसलिए बिहार के लोगों ने 2005 से ही एनडीए को मौका दिया है। विकास की राजनीति करने वाली एनडीए सरकार को ही इसबार मौका देंगी। रघुवर दास ने दावा किया कि पहले चरण की वोटिंग में जनता ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया है। उन्होंने कहा, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि पहले चरण में एनडीए को 80 सीटों से अधिक सफलता मिलेगी। जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और एनडीए सरकार के विकास कार्यों से संतुष्ट है। बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो विकास की राजनीति हुई है, उससे जनता खुश है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 में बिहार की जनता ने जिस 'असुरी शक्तियों' और 'अराजक शासन' को हटाने का काम किया था, वही संकल्प इस बार भी दोहराया जाएगा। उन्होंने कहा, 2005 से पहले बिहार में अपहरण उद्योग, अपराध और विनाश की राजनीति हावी थी। लेकिन आज बिहार विकास के रास्ते पर है और जनता इसे बनाए रखना चाहती है।

बिहार को जंगलराज के दलदल में धकेलना चाहता है विपक्ष : उमेश

पटना (एजेंसी) : जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने शनिवार को कदवा से एनडीए प्रत्याशी दुलालचंद गोस्वामी, रुपौली से कलाधर मंडल एवं बरारी से विजय सिंह निषाद के समर्थन में आयोजित जनसभाओं और रोड शो में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय मतदाताओं से एनडीए उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर एवं सांसद राजीव प्रताप रूडी भी उपस्थित रहे। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि 11 नवंबर का चुनाव विकास बनाम विनाश के बीच का चुनाव है, इसलिए एनडीए को मिला प्रत्येक वोट न केवल बिहार के सशक्त और स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए विकास और समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के रोजगार पर होना चाहिए ध्यान : प्रियंका

एजेंसी

पूर्णिया : कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्णिया के झील टोला, जनता चौक में शनिवार को आयोजित महागठबंधन की चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के रोजगार की स्थिति चिंताजनक है, जिस पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाएं हैं, और जब वे परिवर्तन का मन बना लेती हैं, तो नतीजा तय होता है। उन्होंने बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और भ्रष्टाचार के मुद्दों को भी उठाया और कहा कि इन समस्याओं का समाधान ही राज्य के विकास की कुंजी है। इस अवसर पर पूर्णिया विधानसभा क्षेत्र के महागठबंधन समर्थित उम्मीदवार जितेंद्र कुमार यादव ने भी सभा में भाग लिया।

पीएम मंच से रोजगार, पुल, कॉलेज और विकास की करें बात

कटिहार (एजेंसी) : कटिहार के बरारी विधानसभा में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने महागठबंधन से कांग्रेस प्रत्याशी तौकीर आलम के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। प्रियंका ने कहा कि जो लोग महिलाओं को 10,000 रुपए देने की बात कर रहे है यह एक चुनावी चाल है। महिलाओं को सम्मान सिर्फ पैसों से नहीं मिलता। वो सुबह से रात तक पूरे घर को संभालती हैं, बच्चों की पढ़ाई देखती हैं, सबकुछ खिलाकर खुद आखिर में खाती है। प्रियंका गांधी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री को मंच से रोजगार, पुल, कॉलेज और विकास की बात करनी चाहिए, लेकिन वे 'कट्टा, दुनाली और अपहरण' जैसी बातें कर रहे हैं। डर और धर्म के नाम पर वोट मांगना लोकतंत्र के साथ धोखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

कारोबार

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आस्ट्रेलिया के मंत्रियों से की मुलाकात, कहा

आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर जोर

एजेंसी

मेलबर्न/नई दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को मेलबर्न में आस्ट्रेलिया के व्यापार एवं पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल तथा कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जे. जाइल्स से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान गोयल ने भारत तथा आस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। गोयल ने पड़ोसी देश न्यूजीलैंड की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि आज मेलबर्न में अपने प्रिय मित्र और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार एवं पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल और कौशल एवं प्रशिक्षण मंत्री एंड्रयू जे. जाइल्स के साथ बैठक करके अपनी दो देशों की यात्रा का समापन किया। उन्होंने आगे लिखा, 'हमारी रचनात्मक चर्चा भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता को उजागर करने पर केंद्रित थी, जिसमें एक महत्वाकांक्षी और संतुलित व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता भी शामिल है।'

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मजबूत व्यापारिक संबंध हैं, जो 2022 में आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) के लागू होने के बाद और भी मजबूत हो रहे हैं। भारत द्वारा ऑस्ट्रेलिया को किए जाने वाले मुख्य निर्यातों में पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद और दवाइयां शामिल हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत को किए जाने वाले मुख्य निर्यात कोयला, सोना और तांबा हैं। दोनों देश 2030 तक अपने व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देश के बीच द्विपक्षीय व्यापार 24.1 अरब डॉलर का था, जिसमें भारत का वस्तु निर्यात 8.58 अरब डॉलर और आयात 15.52 अरब डॉलर था। दिसंबर 2022 में लागू हुए ईसीटीए ने दोनों देशों के बीच व्यापार को गति दी है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के लिए अपनी 100 फीसदी टैरिफ लाइनों पर तरजीही बाजार पहुंच प्रदान की है, जिसमें कपड़ा, आभूषण और चमड़ा उत्पाद जैसे उत्पाद शामिल हैं।

रूस से तेल खरीदने की हंगरी को मिली छूट

नई दिल्ली (एजेंसी) : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान को रूस से तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों से छूट दी है। दोनों दक्षिणपंथी नेताओं की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान ट्रंप और ओरबान ने एक-दूसरे की खुलकर प्रशंसा की। बता दें कि ट्रंप के दोबारा सत्ता में लौटने के बाद व्हाइट हाउस में यह ओरबान की पहली मुलाकात है। बैठक में ओरबान ने कहा कि यूक्रेन के लिए रूस को हराना एक चमत्कार होगा, जिससे उनके रुख और अन्य यूरोपीय नेताओं के बीच स्पष्ट मतभेद दिखा। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस मुलाकात को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने ने एक्स पर बताया कि यह फैसला उनके देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद अहम है।

भारतीय सेना और आईसीएआई के बीच हुआ समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) अब भारतीय सेना की मदद करेगा, ताकि सेना के खरीद संगठन (एपीओ) में पंजीकृत विक्रेताओं की ओर से जमा किए गए दस्तावेजों की रियल-टाइम जांच की जा सके। इसके लिए दोनों संस्थाओं के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस पहल के तहत आईसीएआई का विशिष्ट दस्तावेज पहचान संख्या (यूडीआईएन) सिस्टम अब सेना के वेंडर रजिस्ट्रेशन प्रोसेस में एक एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस के जरिए जोड़ा जाएगा। यूडीआईएन सिस्टम चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की ओर से प्रमाणित दस्तावेजों की सत्यता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है।

पीएफसी को दूसरी तिमाही में 7,834 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली (एजेंसी) : सरकारी कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) को दूसरी तिमाही में 7,834 करोड़ का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 9 फीसदी अधिक है। मुनाफे में वृद्धि राजस्व बढ़ने से हुई। आय बढ़कर 28,901 करोड़ रही। कंपनी कुल 7.35 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश देगी। पहली छमाही में 16,816 करोड़ का लाभ रहा।

नायका के मुनाफे में तीन गुना की वृद्धि

नई दिल्ली (एजेंसी) : फैशन और ब्यूटी रिटेलर नायका की मूल कंपनी एफएसएन ई-कॉमर्स को सितंबर तिमाही में 34.4 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि के 10.04 करोड़ की तुलना में यह तीन गुना अधिक है। राजस्व 25 फीसदी बढ़कर 2,345.98 करोड़ रुपये रहा। तिमाही आधार पर लाभ और राजस्व क्रमशः 47.64 और 8.86 फीसदी बढ़ा है।

10,000 करोड़ रुपये जुटा सकती है स्विगी

नई दिल्ली (एजेंसी) : स्विगी के बोर्ड ने योग्य संस्थागत प्लेसमेंट या किसी अन्य माध्यम से एक या एक से अधिक किस्तों में 10,000 करोड़ रुपये तक की धनराशि जुटाने को मंजूरी दे दी है। खाद्य वितरण और त्वरित वाणिज्य व्यवसायों वाली स्विगी ने हाल ही में कहा था कि बाहरी वातावरण प्रतिस्पर्धी और गतिशील है। इसलिए कंपनी का बोर्ड अतिरिक्त धन जुटाने पर विचार करेगा।

नाल्को के फायदे में 37 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी) : सरकारी कंपनी नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लि. (नाल्को) को सितंबर तिमाही में 1,429.94 करोड़ का फायदा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 36.7 फीसदी अधिक है। राजस्व बढ़कर 4,292 करोड़ रहा। कंपनी पांच वर्षों में 30,000 करोड़ का निवेश करेगी।

असम को मिला पहला टेक्निकल और वोकेशनल विश्वविद्यालय

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रखी नींव

एजेंसी

गुवाहाटी : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को असम के पहले तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा पर केंद्रित विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी। इस विश्वविद्यालय का नाम 'शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय' रखा गया है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि वित्त मंत्री ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ गोहपुर में शहीद कनकलता बरुआ स्टेट यूनिवर्सिटी के भूमि पूजन समारोह में भाग लिया। निर्मला सीतारमण ने इसका शिलान्यास भी किया। असम के गोहपुर में शहीद कनकलता बरुआ राज्य विश्वविद्यालय के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह विश्वविद्यालय असम के युवाओं को रोजगारमुखी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सीतारमण शुक्रवार से असम के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

उल्लेखनीय है कि इस विश्वविद्यालय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन, ड्रोन और नेविगेशन टेक्नोलॉजी, क्वांटम कंप्यूटिंग, ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, स्मार्ट सिटीज और स्मार्ट एनवायरनमेंट्स जैसे अत्याधुनिक विषयों पर पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

आईजीएआई पर सामान्य हो रहा परिचालन : डायल

एजेंसी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित देश के सबसे व्यस्ततम एयरपोर्ट इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) पर विमानों का परिचालन शनिवार सुबह से धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। इससे एक दिन पहले हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में गड़बड़ी के कारण इस एयरपोर्ट पर 800 से अधिक उड़ानों में देरी हुई थी। आईजीआई एयरपोर्ट की संचालक कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि एएमएसएस को प्रभावित करने वाली तकनीकी समस्या में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। डायल के मुताबिक "दिल्ली हवाई अड्डे पर विमानों का संचालन अब सामान्य हो रहा है। इससे संबंधित सभी अधिकारी हर प्रकार की असुविधा को कम करने के लिए पूरी लगन से काम कर रहे हैं।"

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने बताया कि शुक्रवार को 800 से अधिक उड़ानों में देरी के अलावा कुछ सेवाएं रद्द भी कर दी गई हैं जिससे सैकड़ों यात्री प्रभावित हुए। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की तरफ से 11:55 बजे जारी यात्री एडवाइजरी के अनुसार दिल्ली हवाई अड्डे पर सभी उड़ान परिचालन सामान्य है। जानकारी के मुताबिक हवाई यातायात नियंत्रण की उड़ान योजना प्रक्रिया में सहयोग करने वाले 'ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम' (एएमएसएस) में तकनीकी समस्या शुक्रवार सुबह लगभग पौने 6 बजे से 15 घंटे से अधिक समय तक जारी रही। वहीं, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शुक्रवार रात लगभग नौ बजे जारी बयान में कहा कि समस्या का समाधान कर लिया गया है।

इस बीच देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी 'इंडिगो' ने शनिवार सुबह जारी बयान में कहा कि हवाई अड्डा संचालक और वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी) के दल प्रणाली को पूरी तरह से बहाल करने और संचालन को स्थिर करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर काम कर रही हैं। उसने एक्स पोस्ट पर लिखा, "अगले कुछ घंटों में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। इस दौरान प्रस्थान और आगमन समय में कुछ समायोजन जारी रह सकता है।" एयरलाइनों की उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडारडॉटकॉम पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह हवाई अड्डे पर आगमन और प्रस्थान सहित 200 से अधिक उड़ानों के परिचालन में देरी हुई।

जॉब सिक्योरिटी युवाओं को एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्ही खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एनफोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

वेब पत्रकारिता का चमकता भविष्य

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। सूचना और संचार क्रांति के दौर में आज प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच वेब पत्रकारिता का चलन तेजी से बढ़ा है और अपनी पहचान बना ली है। अखबारों की तरह वेब पत्र और पत्रिकाओं का जाल, अंतरजाल पर पूरी तरह बिछ चुका है। छोटे-बड़े हर शहर से अमूमन वेब पत्रकारिता संचालित हो रही है। छोटे-बड़े सभी शहरों के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया भी वेब पर हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत में थोड़े ही समय में इसने बड़ा मुकाम पा लिया है। हालांकि समर अभी शेष है और भविष्य उज्जवल।

क्या होती है वेब पत्रकारिता

जिस प्रकार अखबारों, पत्रिकाओं में खबरों के चयन, संपादन या लेखन होते हैं। यही कार्य यदि इंटरनेट पर किया जाता है तो वेब पत्रकारिता कहलाता है।

खुबियाँ

वेब पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम जो अपने अंदर प्रिंट, टीवी और रेडियो को समेटे है। मीडिया का लोकतंत्रीकरण करने में वेब पत्रकारिता बड़ी भूमिका निभा रहा है। संचार माध्यम के रूप में इस प्लेटफार्म ने हर आदमी का आवाज बुलंद कर हजारों-करोड़ो लोगो तक पहुंचाया है। पहले जहां इंटरनेट कम्प्यूटर तक सीमित था, वहीं नई तकनीकों से लैस मोबाइलों, स्मार्ट फोन और टैब में भी इंटरनेट का चलन बढ़ता जा रहा। किसी भी जगह कहीं भी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह वेब पत्रकारिता का ही कमाल है कि आप दुनिया के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी भाषा में, किसी भी दिन और किसी भी देश का अखबार या खबरें पढ़ सकते हैं। यह खबरों का तीव्र माध्यम के रूप में भी स्वीकारा गया है।

चुनौती और समस्या

पहली बड़ी चुनौती कम्प्यूटर साक्षरता दर की है। दूसरी चुनौती भारत में अभी भी वेब पत्रकारिता की पहुंच अगली पंक्ति में खड़े लोगों तक ही सीमित है। इधर के दिनों में यह मध्यम वर्ग तक भी आया है। जहां तक अंतिम कतार में खड़े लोगों तक पहुंचने की बात है तो अभी यह कोसों दूर है। हालांकि अंतरजाल मुहैया कराने वाली कंपनियों ने मोबाइल फोन और ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा ध्यान दिया है और इंटरनेट अब गांवों तक पहुंच गया है। तीसरी चुनौती पत्रकारों के समक्ष तकनीकी ज्ञान की है। अन्य चुनौती के रूप में वेब पत्रकारिता में सबसे बड़ा सवाल विश्वसनीयता को लेकर भी है। आज लोगों को इतनी जगहों से समाचार मिल रहे हैं कि लोगों के लिए समाचारों की विश्वसनीयता एक बड़ा मुद्दा है। यह वेब पत्रकारिता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य

आज वेब-संस्करण चलाने वाली समाचार-पत्र और पत्रिकाओं की संख्या कम है। भविष्य में हर पत्र-पत्रिका ऑन-लाईन होगी। साथ ही साथ स्वतंत्र न्यूज पोर्टल की संख्या में भी वृद्धि होगी। यह आसार लगाया जा रहा है कि समाचार-पत्र घाटे से बचने के लिए प्रिंट संस्करण बंद कर ऑन-लाईन से अपनी सेवा जारी रखेगा। बात स्पष्ट है कि जिस पत्र का लक्षित समूह उच्च वर्ग है और जिनके पास इंटरनेट आसानी से उपलब्ध है, वह धीरे-धीरे प्रिंट संस्करण बंद कर पूर्ण रूप से ऑन-लाईन हो जायेगा।

विस्तृत दायरा

वेब पत्रकारिता की पहुंच एक निश्चित भौगोलिक सीमा तक नहीं है अपितु इसकी पहुंच वैश्विक है। वेब पत्रकारिता करने वालों का दायरा बहुत बड़ा हो जाता है। उनकी खबर एक पल में सारी दुनिया में पहुँच जाती है जो कि अन्य समाचार माध्यमों में संभव नहीं है।

वेब पत्रकारिता को पेशा बनाने वालों के लिए ध्यान रखने योग्य बातें

- हिंदी इनस्क्रिप्ट की बोर्ड की जानकारी हो।
- यूनिकोड फॉंट तकनीकि पर काम करें।
- वेब पत्रकारिता के समाचार सूचनापरक होना चाहिए, वाक्य छोटे होने चाहिए।
- सर्च इंजन का की-वर्ड समाचार में कम से कम दो-तीन बार जरूर लायें।
- कुछ की-वर्ड समाचार के हेड-लाईन में भी जरूर लायें।
- समय का ख्याल रखें- आज, कल और परसो से बचें ।
- संस्था का नाम भी समाचार में जरूर लायें।
- तीसरे या चौथे पेराग्राफ के बाद समाचार का बैक-ग्राउंड दें ।
- तस्वीरें और ग्राफिक से पेज को सजायें।
- संदर्भ और स्रोत का भरपूर उपयोग करें।

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस में स्कोप

जब पैकेज की बात आती है, तो एमबीए सबसे आकर्षक विकल्पों में से एक के रूप में सामने आता है। तेज गति से हो रहे विकास और आर्थिक परिदृश्य में आ रहे बदलावों को देखते हुए ऐसे पाठ्यक्रमों की जरूरत महसूस हो रही है, जो विद्यार्थियों को इन बदलते हालात के अनुसार तैयार कर सकें। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस जैसे कोर्स सामने आए हैं। यदि कोई विद्यार्थी मैनेजमेंट में रुचि रखता है और दुनिया भर में घूमने का इरादा भी रखता है, तो उसके लिए यह एक बेहतरीन कोर्स हो सकता है।

क्या है एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस?

बढ़ते भूमंडलीकरण और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए इंटरनेशनल बिजनेस से जुड़े पाठ्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। अनेक कंपनियां, जो विदेशों में अपना व्यवसाय फैलाना चाहती हैं, ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहती हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिजनेस संभालने में कुशल हों और साथ ही किसी बिजनेस के लिए उपयोगी सिद्धांतों व अवधारणाओं से अवगत हों। विदेशों में व्यवसाय फैलाने में कई तरह के जोखिम होते हैं। इसलिए कंपनियां ऐसे उम्मीदवारों को ही पसंद करती हैं, जिन्होंने इंटरनेशनल बिजनेस पढ़ा है। यह कोर्स ग्लोबल स्तर पर मौजूद संसाधनों की समझ विकसित करता है। इसमें यह सिखाया जाता है कि अंतरराष्ट्रीय फर्मों की क्या जरूरतें होती हैं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर से बेहतर इस्तेमाल कैसे किया जाए। करियर के लिहाज से इसमें उपलब्ध अवसर और एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस की डिग्री वाले उम्मीदवारों को मिलने वाला पैकेज इस फील्ड को बेहद आकर्षक बना देता है। साथ ही इसमें दुनिया के विभिन्न देशों में घूमने और जहां भी अच्छा ऑफर मिले, वहां बस जाने का मौका मिल सकता है। इंटरनेशनल बिजनेस में एमबीए करने के बाद आपके लिए विश्व की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों हेतु काम करने के द्वार खुल जाते हैं। आपको अंतरराष्ट्रीय बाजार और आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी तमाम जानकारी प्राप्त हो सकती है।

यहां से करें कोर्स

यह कोर्स कराने वाले प्रमुख भारतीय संस्थान हैं - इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, जेके बिजनेस स्कूल, एशियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, एशिया-पैसिफिक स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एंटरप्राइज, सिंबायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट आदि। इन भारतीय संस्थानों में प्रवेश पाने के लिए प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है। इसके अलावा यह डिग्री कराने वाले प्रमुख विदेशी संस्थान इस प्रकार है - आईएनएसईएडी (सिंगापुर), हारवर्ड बिजनेस स्कूल (अमेरिका), व्हार्टन स्कूल यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया (अमेरिका), लंदन बिजनेस स्कूल (ब्रिटेन) आदि।

कहां मिलेगी जॉब?

एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस कर चुके उम्मीदवारों को जॉब देने के मामले में अग्रणी भारतीय कंपनियां इस प्रकार है - कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, विप्रो, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस आदि। विदेशी संस्थानों की बात करें तो यहां आपको अच्छे ऑफर मिल सकते हैं- यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स, यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट, इंटरनेशनल ट्रेड कमिशन, बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, वॉलमार्ट, जेपी मॉर्गन, मर्क आदि।

क्या सिविल सर्विसेस आपका पैशन है?

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या ही सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहे हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

आईपीओ में ऊंचे भाव पर बेचे गए शेयरों का मामला पकड़ रहा तूल

नई दिल्ली, एजेंसी। नायका, पेटीएम और लेंसकार्ट जैसे आईपीओ में ऊंचे भाव पर बेचे गए शेयरों का मामला अब तूल पकड़ रहा है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने कहा, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्यांकन कोई नियामकीय कमी नहीं है। लेकिन हमें यह देखना होगा कि खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए हम किस तरह से और अधिक सुरक्षा उपाय कर सकते हैं।

बृहस्पतिवार को ही सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने भी आईपीओ में शेयरों के ऊंचे मूल्य को लेकर चिंता जताई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि आईपीओ मूल्यांकन में नियामक हस्तक्षेप नहीं करेगा।। इससे पहले विश्लेषकों और बड़े निवेशकों ने भी लेंसकार्ट आईपीओ के ऊंचे भाव को लेकर सवाल उठाया था। लेंसकार्ट का इश्यू 382-402 रुपये के भाव पर आया था। लिस्टिंग के बाद इसकी पूंजी 69,700 करोड़ रुपये होगी। यह 28.26 गुना भरा था।

कमलेश वार्ष्णेय ने मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा कि बाजार नियामक का पूंजीगत मुद्दे के नियंत्रण से दूर जाना एक सही कदम है, लेकिन एकर निवेशकों की ओर से मूल्यांकन उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह एक नियामक अंतर है, लेकिन यह विचार के लिए अच्छा है। चाहे इस समय किया जा रहा मूल्यांकन सही हो या नहीं। हमने देखा है कि बहुत सारे आईपीओ आ रहे हैं, जहां खुदरा निवेशक मूल्यांकन को लगातार चुनौती दे रहे हैं। वार्ष्णेय ने कहा, जब एकर निवेशक मूल्यांकन कर रहे हों, तो सेबी को खुद को इससे दूर रखना चाहिए। जो वह कर रहा है और जो शायद सही भी है, लेकिन इस स्थिति से समझौता किए बिना हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि एंकर निवेशकों द्वारा मूल्यांकन भी उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो रहा है। हमें अल्पसंख्यक शेयरधारकों से बहुत सारी शिकायतें मिल रही हैं कि उनके हितों से समझौता किया गया है। यह एक और नियामकीय कमी है और मेरी राय में शायद सेबी को भविष्य में इस पर काम करना होगा।

अमेरिका में एयरपोर्ट्स का दिल्ली से भी बुरा हाल, 1200 से अधिक फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन का असर अब आम लोगों पर भी पड़ने लगा है। शुक्रवार को इसकी वजह से 1,200 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। इससे यात्रियों को परेशानी हुई। फ्लैयरअवेयर हॉलिडे में अब कुछ ही हफ्ते रह गए हैं और अगर शटडाउन जल्दी खत्म नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में यह परेशानी और बढ़ सकती है। यह फ्लाइट कैंसिलेशन धीरे-धीरे होने वाली कटौती का पहला चरण है। यह 4 प्रतिशत से शुरू हुई है और अगले हफ्ते 10 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी अमेरिकन एयरलाइंस ने 220 फ्लाइट्स रद्द कीं। डेल्टा ने भी करीब 170 फ्लाइट्स कम कर दीं जबकि साउथवेस्ट एयरलाइंस ने लगभग 100 फ्लाइट्स कैंसिल कर दीं। फ्लाइट अवेयर के अनुसार गुरुवार को 6,800 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं और 200 फ्लाइट्स रद्द भी हुईं। शटडाउन के कारण कई कर्मचारी बिना सैलरी के काम कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स पर काम का बोझ कम करने के लिए फ्लाइट्स में कटौती करने को कहा था। अटलांटा, नेवार्क, डेनवर, शिकागो, ह्यूस्टन और लॉस एंजिल्स जैसे एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। सरकारी शटडाउन की वजह से कई सरकारी कर्मचारी या तो घर भेज दिए गए हैं या बिना तनख्वाह के काम कर रहे हैं।

वर्ल्ड बैंक ने भी माना, फाइनेंशियल सिस्टम पहले से ही मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनना है, तो उसे फाइनैंशल सेक्टर में सुधारों को और तेजी देनी होगी। साथ ही, निजी पूंजी जुटाने को भी बढ़ावा देना होगा। वर्ल्ड बैंक की फाइनेंस सेक्टर असेसमेंट रिपोर्ट में यह माना गया है कि भारत के वर्ल्ड क्लास डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकारी प्रोग्राम्स ने पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए वित्तीय सेवाओं की पहुंच को काफी बेहतर बनाया है।

रिपोर्ट में खास तौर पर महिलाओं के लिए बैंक खातों के इस्तेमाल को और बढ़ावा देने के लिए भी सुझाव दिए गए हैं। इसके अलावा आम लोगों और एमएसएमई (छोटे और मझोले कारोबार) के लिए अलग-अलग तरह के फाइनैंशल प्रोडक्ट्स तक पहुंच आसान बनाने की भी बात कही गई है।

पिटल मार्केट की बड़ी ताकत

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि 2017 के पिछले असेसमेंट के बाद से भारत का फाइनैंशल सिस्टम ज्यादा मजबूत, डायवर्सिफाइड और समावेशी हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तमाम सुधारों ने भारत को 2010 के दशक की मुश्किलों और कोरोना महामारी के असर से उबरने में मदद की। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत आईएमएफ वर्ल्ड बैंक की जॉइंट टीम द्वारा किए गए फाइनैंशल सेक्टर के इस मूल्यांकन का स्वागत करता है कि पिछले एफएसएपी के बाद से कैपिटल मार्केट (इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉरपोरेट बॉन्ड) जीडीपी के 144 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 175 प्रतिशत हो गया है।

अनिल अंबानी की एक साल पुरानी कंपनी में इस्तीफों की झड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनकी कंपनी रिलायंस पावर के रिन्यूएबल एनर्जी वेंचर रिलायंस एन यू एनर्जीज में हालात ठीक नहीं हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्च होने के करीब एक साल के अंदर ही कंपनी के सीईओ मयंक बंसल और सीओओ राकेश स्वरूप ने इस्तीफा दे दिया है। ये दोनों ही रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की बड़ी कंपनी नवीकरण से आए थे। इन दोनों बड़े अधिकारियों के अलावा, करीब एक दर्जन और एग्जीक्यूटिव्स ने भी कंपनी छोड़ दी है। यह सब तब हो रहा है जब अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई है। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 7,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति फ्रीज की थी। इसमें ऑफिस, घर और 132 एकड़ से ज्यादा जमीन शामिल है। इंडस्ट्री के एक सूत्र ने बताया कि अनिल अंबानी ग्रुप में चल रही उथल-पुथल के कारण एन यू एनर्जी यूनिट से कई लोगों ने नौकरी छोड़ दी है। ऐसे में नए लोगों को ढूंढने में थोड़ा समय लग सकता है। मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि रिलायंस पावर के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए बताया कि मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने 30 सितंबर को इस्तीफा दिया था ताकि वे अपने खुद के नए बिजनेस शुरू कर सकें।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा आए हैं खाने, न कोई बिजनेस डिग्री न कोई निवेशक

अनुभव के बिना खड़ा किया बेन्ने डोसा का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है फिल्म प्रोड्यूसर अखिल अय्यर और साइकॉलेजिस्ट श्रिया नारायण की। दोनों को डोसा कुछ ज्यादा ही पसंद था। वह काम्काज के सिलसिले में अपना घर छोड़ कर मुंबई शिफ्ट हुए। लेकिन वह अक्सर ऑथेंटिक अपने पसंदीदा डोसे के लिए भटकते रहते थे। उन्हें यह मिला नहीं। बस उन दोनों ने मिल कर मुंबई में ही एक ऐसा डोसा कैफे बना दिया जहां आप ऑथेंटिक बेंगलुरु डोसा का आनंद ले सकते हैं। उनका कैफे इतना फेमस हुआ कि वहां क्रिकेट विराट कोहली, रोहित शर्मा ही नहीं बल्कि फिल्म एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और दीपिका पदुकोण भी डोसा खाने पहुंचे हैं।

इस रेस्टोरेंट की कहानी के पीछे एक ऐसा कपल है जिनके पास मैनेजमेंट की कोई डिग्री नहीं थी, न ही कोई निवेशक उनके पीछे खड़ा था। यहां तक कि उनके पास रेस्टोरेंट चलाने का कोई अनुभव भी नहीं था। उनके पास बस एक ऐसी रेसिपी थी जिसका स्वाद घर जैसा था और एक ऐसा विश्वास था जो उनकी ज़िंदगी बदल सकता था। मुंबई के इस जोड़े ने, जो कभी शहर में अपने पसंदीदा दावणगेरे-स्टाइल डोसा को ढूंढने के लिए संघर्ष करते थे, एक ऐसा फूड ब्रांड बनाया है जो अब हर महीने लगभग 1 करोड़ कमाता है। बिना एमबीए, रेस्टोरेंट के अनुभव या किसी निवेशक की फंडिंग के, अखिल अय्यर और श्रिया नारायण ने अपनी अच्छी-खासी नौकरियां छोड़ीं और एक छोटा सा डोसा कैफे खोला, जो अब एक वायरल सक्सेस स्टोरी बन गया है।

स्वाद की चाहत जिसने एक आइडिया को जन्म दिया: शादी के तुरंत बाद, यह जोड़ा मुंबई आ गया। वहां उन्हें बचपन में खाये अपने घर के स्वादिष्ट, कुरकुरे डोसे की याद आने लगी। पूरे शहर में ढूंढने के बावजूद, उन्हें बेंगलुरु-स्टाइल का ऑथेंटिक स्वाद कहीं नहीं मिला। यह निराशा उनके लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने हार मानने के बजाय, खुद ही वह स्वाद बनाने का फैसला किया। अब सवाल उठा कि बचपन में खाये डोसा बनाना सिखाएगा कौन? तब अखिल ने बेंगलुरु का रुख किया। वहां के एवेन्यू रोड स्थित एक सीजंड डोसा मास्टर से इसे बनाने की ट्रेनिंग ली। उन्होंने वहां बेन्ने डोसा बनाने के लिए परफेक्ट बैटर बनाना सीखा, उसमें खमीर उठाने के लिए कितने समय तक रखना होगा, किस टैम्परेचर पर डोसा बनाएं तो करारा बनेगा आदि का लेसन सीखा। उसके बाद मुंबई लौट आए। इस सफलता के दम पर, जोड़े ने अपने पहले आउटलेट, बांद्रा में सफलता के बाद, जुहू में दूसरा आउटलेट भी खोला। इस बात का प्रमाण बन गई है कि साहस और निरंतरता औपचारिक योग्यता और बड़े पूंजी से ज्यादा मायने रखती है। संस्थापकों का कहना है कि उनकी सफलता एक साधारण विश्वास से आई- घर के स्वाद के प्रति सच्चे रहें और ग्राहक वापस ज़रूर आएंगे।

किचन के प्रयोगों से एक आरामदायक कैफे तक

मुंबई पहुंच कर तुरंत कैफे शुरू नहीं हो पाए। क्योंकि बिना किसी हॉस्पिटैलिटी अनुभव या औपचारिक ट्रेनिंग के, इस जोड़े ने अपने बैटर और चटनी को परफेक्ट बनाने में ही महीनों लगाए। उन्होंने कर्नाटक से खास भारी कास्ट-आयरन तवे मंगवाए ताकि उस पर डोसा सिंक कर वैसा ही कुरकुरा बन सके, जैसा वे बचपन में खाते थे। बहुत सारे ट्रायल और एरर के बाद, उन्होंने मई 2024 में बेन्ने नाम से 12 सीटों वाला एक कैफे खोला। उनका ध्यान सिर्फ सादे, ताजे डोसे पर था, बिना किसी फैंसी प्लेटिंग या फ्यूजन ट्विस्ट के। इस रेस्टोरेंट में मेनू छोटा रखा गया, खाना असली स्वाद वाला था, और ग्राहक लाइन लगाकर खड़े रहते थे। यह टेबल खाली होने का इंतजार शांति से करते थे। उनके ग्राहकों में ऑफिस जाने वाले लोग, विद्यार्थी और खाने के शौकीन सभी शामिल थे। ये लोग इस जगह पर उमड़ने लगे, जिससे यह छोटा सा काउंटर एक चर्चा का विषय बन गया। आज, यह कैफे हर दिन लगभग 800 डोसे बेचता है, जिनकी कीमत ?250 से ?300 है। उनकी मासिक कमाई ?1 करोड़ तक पहुंच जाती है। सेलिब्रिटीज ने भी इस कैफे पर ध्यान दिया। साल 2024 में, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा बेन्ने डोसा कैफे में आए। उनके आने से कैफे की लोकप्रियता और बढ़ गई। इसके बाद क्रिकेटर रोहित शर्मा, फिल्मी सितारे रणबीर सिंह, दीपिका पादुकोण जैसे सेलिब्रेटी की कतार लग गई।

कंपनी का रेवेन्यू पहली बार 15,000 करोड़ रुपये के पार

बजाज ऑटो का शेयर 53 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली, एजेंसी। दोपहिया और तिपहिया गाड़ियां बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो ने शुक्रवार को अपना दूसरी तिमाही का रिजल्ट घोषित कर दिया। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 53 प्रतिशत बढ़कर 2,122 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी अवधि में यह 1,385 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 19 प्रतिशत बढ़कर 15,735 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 13,247 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि उसका रेवेन्यू 15,000 करोड़ रुपये के पार जाकर एक नया रिकॉर्ड बना है। इस दौरान कंपनी की महंगी गाड़ियों की ज्यादा बिक्री हुई और साथ ही स्पेयर पार्ट्स की सेल भी सबसे अच्छी रही।

कंपनी ने कहा कि उसके सभी बिजनेस अच्छा कर रहे हैं। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 4 प्रतिशत कम हुआ है। पिछली तिमाही में मुनाफा 2,210 करोड़ रुपये था। वहीं, इस तिमाही में रेवेन्यू पिछली तिमाही से 20 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में यह 13,133 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि उसका

स्टैंडअलोन ईबीआईटीडीए पहली बार 3,000 करोड़ रुपये के पार गया है। ईबीआईटीडीए मार्जिन बढ़कर 20.5 प्रतिशत हो गया है।

घरेलू मोटरसाइकिल सेगमेंट खासकर स्पोर्ट्स सेगमेंट में कंपनी की बिक्री बढ़ी है। बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 5,96,576 यूनिट रही, जो पिछले साल की इसी अवधि के 6,36,801 यूनिट से 6 प्रतिशत कम है। हालांकि, पिछली तिमाही के मुकाबले यह 13 प्रतिशत ज्यादा है। कमर्शियल वाहनों की बिक्री 1,44,217 यूनिट रही, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1,39,910 यूनिट से 3 प्रतिशत ज्यादा है।

इस दौरान निर्यात में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने दूसरी तिमाही में 5,53,327 गाड़ियां एक्सपोर्ट कीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के 4,44,793 यूनिट से 24 प्रतिशत ज्यादा है। पिछली तिमाही के मुकाबले निर्यात में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 0.09 प्रतिशत तेजी के साथ 8724.20 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 10,189.95 रुपये और न्यूनतम स्तर 7,088.25 रुपये है।

2027 तक भारत कैसे बनेगा 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए कई कदम उठाने होंगे। इनमें प्रमुख रूप से वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और गति देने व निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत द्वारा सहकारी बैंकों पर नियामक प्राधिकरण का विस्तार करने की जरूरत है। प्रमुख नियमों को कड़ा करना व प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए नियामक और पर्यवेक्षी विभागों का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। एजेंसी ने एनबीएफसी के लिए पैमाना आधारित विनियमन का भी स्वागत किया है, जो इस विविध उद्योग की विभिन्न जरूरतों को पहचानता है। बैंकों और एनबीएफसी की बेहतर निगरानी के लिए ऋण जोखिम प्रबंधन ढांचे को और मजबूत करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एफएसएपी के बाद से पूंजी बाजार (इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉरपोरेट बॉन्ड) जीडीपी के 144 फीसदी से बढ़कर 175 फीसदी हो गए हैं। इन लाभों को एक मजबूत पूंजी बाजार बुनियादी ढांचे और विविध निवेशक आधार का समर्थन प्राप्त है। रिपोर्ट में अधिक पूंजी जुटाने के लिए ऋण वृद्धि तंत्र, जोखिम साझाकरण सुविधाएं और प्रतिभूतिकरण प्लेटफॉर्म विकसित करने का सुझाव दिया गया है।

विकास जरूरी, वित्तीय स्थिरता से समझौता नहीं, आरबीआई गवर्नर बोले- बैंकों के व्यवहार पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक सावधानी के साथ आगे बढ़ रहा है। लेकिन साहस दिखाने की जरूरत ने हाल में बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले नियमों को आसान बना दिया है। केंद्रीय बैंक के पास गलत व्यवहार पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त साधन हैं। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने स्पष्ट किया कि बैंकों पर बढ़ी हुई जिम्मेदारियां उनके बेहतर प्रदर्शन और गवर्नेंस के कारण हैं। मल्होत्रा ने मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा, आरबीआई सूक्ष्म प्रबंधन नहीं करना चाहता। कोई भी नियामक बोर्डरूम के फैसले का स्थान नहीं ले सकता और न ही लेना चाहिए। हर मामले को विनियमित संस्थान की योग्यता के आधार पर देखा जाना चाहिए। मल्होत्रा ने कहा, अल्पकालिक वृद्धि के पीछे भागते हुए वित्तीय स्थिरता से समझौता करने से विकास पर दीर्घकालिक प्रभाव के रूप में लागत बढ़ सकती है। आर्थिक हित के लिए दक्षता व नवाचार को बढ़ावा देना जरूरी है। यह आरबीआई का भी कर्तव्य है। जिस तरह कोई मुफ्त भोजन नहीं होता, उसी तरह स्थिरता बढ़ाने के लिए नियमन भी बिना लागत के नहीं हो सकता है। आरबीआई गवर्नर ने कहा, ये सभी उपाय संतुलित और उचित हैं। यह एक दशक में व्यवस्थित रूप से सुदृढ़ की गई बैंकिंग प्रणाली की नींव पर आधारित है, जिसमें वित्तीय स्थिरता नीतिगत ढांचे की अटूट आधारशिला बनी हुई है। शेक्सपियर के नाटक रोमियो एंड जूलियट का हवाला देते हुए मल्होत्रा ने संकेत दिया कि केंद्रीय बैंक बुद्धिमानी और धीमी गति से आगे बढ़ेगा, क्योंकि तेज चलने से ठोकर लग सकती है। आरबीआई बैंकों की अस्थिर वृद्धि को कम करने के लिए कार्रवाई भी कर सकता है। मसौदा तैयार है। फीडबैक लेने के बाद अंतिम रूप दिया जाएगा। मल्होत्रा ने कहा, नियामक की भूमिका माली के समान है।

2030 तक 35 अरब डॉलर का होगा क्विक कॉमर्स बाजार, फूड डिलीवरी बना रहेगा मुनाफे का इंजन

नई दिल्ली, एजेंसी। क्विक कॉमर्स आने वाले वर्षों में काफी प्रतिस्पर्धी बना रहेगा। वहीं फूड डिलीवरी सेगमेंट ऑनलाइन प्लेटफार्मों के लिए मुख्य लाभ का स्रोत बना रहेगा। बर्नस्टीन रिसर्च की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्विक कॉमर्स में प्रतिस्पर्धा तीव्र बनी रहे, जबकि फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स की कैश मशीन बनी रहेगी। बर्नस्टीन के मुताबिक, क्विक कॉमर्स मुख्य रूप से लगभग 7 करोड़ ऐसे उपभोक्ताओं को सेवा देता है, जो आर्थिक रूप से सक्षम हैं लेकिन समय की कमी से जूझते हैं। ये उपभोक्ता प्रमुख शहरी इलाकों में रहते हैं और सुविधा को प्राथमिकता देते हैं।

रिपोर्ट का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2030 तक क्विक कॉमर्स का बाजार 35 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। इसमें खासकर देश के शीर्ष 40 शहरों में पारंपरिक किराना दुकानों से हिस्सा कम होने की संभावना जताई गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टोर का स्थान, उपभोक्ता डेटा और परिचालन संबंधी कठोरता, क्विक कॉमर्स व्यवसाय के लिए प्रमुख मूल्य-संचालक बने हुए हैं। ये कारक मौजूदा कंपनियों को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ने का लाभ देता है। हालांकि, इस क्षेत्र की ग्रोथ अब 20 प्रतिशत से नीचे आ गई है, क्योंकि चैनल-शिफ्ट फेज यानी ऑफलाइन से ऑनलाइन डिलीवरी की ओर मांग बढ़ने वाला दौर अब लगभग खत्म हो चुका है। दूसरी ओर, क्विक कॉमर्स में ब्लिंकिट, इंस्टामार्ट और जेप्टो शीर्ष तीन कंपनियों के रूप में अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये तीनों कंपनियां प्रतिस्पर्धा बढ़ने के बावजूद लाभदायक बनी रह सकती हैं।

अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

ललित गर्ग

सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई।

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं।

सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है।

जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है।

निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निमार्ताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है। इस साल की शुरूआत में, विश्व बैंक ने भी बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। मोदी सरकार के जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने करोडों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। फिर भी देश में धन-संपत्ति की असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि असंतोष और हिंसा की जड़ है। जब परिश्रमी व्यक्ति को उसका उचित मूल्य नहीं मिलता, जब समाज में अवसर और सम्मान का समान वितरण नहीं होता, तब भीतर आक्रोश और विद्रोह जन्म लेता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने कहा है कि जब पूंजी की आय दर आर्थिक वृद्धि दर से अधिक हो जाती है, तब समाज में असमानता बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें हिल जाती हैं। आज यही हो रहा है। आर्थिक असंतुलन से सामाजिक असंतुलन उपज रहा है, अविश्वास और द्वेष का वातावरण बन रहा है।

कोरोना महामारी ने इस असमानता को और गहरा किया। जब करोड़ों लोग बेरोजगार और निर्धन हो गए, तब कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों और कंपनियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई। इसका अर्थ यह है कि संकट भी अब वर्ग विशेष के लिए अवसर बन गया है। युद्धों, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने गरीब देशों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया। अमीर देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इन संकटों से भी मुनाफा कमाया जबकि विकासशील देशों में भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता घटती गई। विकास का अर्थ हमने केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि तक सीमित कर दिया है। समाज में नैतिकता, समानता, सहानुभूति और पर्यावरणीय न्याय जैसे तत्व विकास की परिभाषा से गायब हो गए हैं। अमीर देशों की कंपनियां गरीब देशों के संसाधनों का दोहन करती हैं, और गरीब देशों के श्रमिक उनके उत्पादन का आधार बन जाते हैं। यह एक नया आर्थिक उपनिवेशवाद है, जहां अब सत्ता नहीं, पूंजी शासन करती है।

गरीबी उन्मूलन की तस्वीर को केवल संख्याएं ही पूरी तरह नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव भी नजर आना चाहिए, आम जीवनस्तर उन्नत होता हुआ भी दिखना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही नये भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है।

गरीबी-अमीरी के असंतुलन की स्थिति से निकलने का एक ही मार्ग है-धन का न्यायपूर्ण पुनर्वितरण, समान अवसर और समाजोपयोगी नीति। कर व्यवस्था ऐसी हो जो अमीरों से अधिक कर लेकर गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सुदृढ़ करे। अवसरों की समानता तभी संभव है जब शिक्षा और स्वास्थ्य सभी के लिए समान रूप से सुलभ हों। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है ताकि नीति पूंजी के लिए नहीं, नागरिक के लिए बने। परंतु केवल नीतियों से नहीं, दृष्टि से परिवर्तन आएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-ह्वगरीब पापी नहीं, जीवित देवता हैं। उनकी सेवा ही ईश्वर की सेवा है।ह्व दूसरी बड़ी बात है कि जब कुछ लोग सब कुछ पा लेते हैं, तो बाकी सब कुछ खो देते हैं। इसलिये सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहल करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक, समता एवं सतुलन के दृश्य स्थापित किये जा सकते हैं। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है।

संपादकीय

'सरकार बदलना' अपराध नहीं

यह कैसा न्याय और लोकतंत्र है? राजधानी दिल्ली में 2020 में दंगे हुए थे। उसके पांच आरोपितों में उमर खालिद, शरजील इमाम और तीन अन्य हैं, जो 'राक्षसी कानून' यूएपीए के तहत जेल में हैं। जेल के 5 साल बेहद लंबे और कष्टकारक होते हैं। यूएपीए आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का एक बेहद कड़ा और पेचीदा कानून है। टाडा और पोटा को समाप्त कर यूएपीए बनाया गया था। इन 5 लंबे सालों में दिल्ली पुलिस कैद नौजवानों को न तो आतंकवादी और न ही दंगई साबित कर पाई है। अदालत में आरोप तक तय नहीं हो पाए हैं। दिल्ली पुलिस ने सर्वोच्च अदालत में हलफनामा दाखिल कर इन नौजवान आरोपितों की जमानत का भी विरोध किया है। तर्क दिया गया है कि उन्होंने देश की सरकार बदलने की साजिश रची थी। कमोबेश अदालत के जरिए यह भी देश के सामने आना चाहिए था कि इन नौजवानों ने किस संगठन या आतंकियों के साथ साजिश रची थी? बेहद गंभीर सवाल है कि क्या लोकतंत्र में सरकार बदलना कोई 'अपराध' है अथवा यह 'अवैध' कवायद है? पांच साल काफी लंबा वक्त है। यूएपीए के प्रावधान बेहद कड़े हैं और उनमें जमानत मिलना लगभग असंभव है। यदि इन नौजवानों को, सजायाफ्ता घोषित हुए बिना ही, निरंतर जेल में रखना है, तो फिर मौलिक अधिकार, संविधान, लोकतंत्र की बातें करना या दावे करना फिजूल है। यदि पांच साल जेल काटने के बाद वे बेकसूर साबित हुए, तो इस सजा का हजार्ना कौन भरेगा? देश में ऐसा कोई ठोस कानून नहीं है, जो ऐसी स्थिति में दोषी व्यक्ति या सरकार तय कर सके। सर्वोच्च अदालत ही कई मौकों पर टिप्पणी कर चुकी है कि एक आरोपित को लंबे वक्त तक, महज आरोपों के आधार पर ही, जेल में कैद रखना भी 'अवैध' है। फिर ये शिक्षित नौजवान जमानत पाने से वंचित क्यों हैं? चूंकि वे मुसलमान हैं, लिहाजा आतंकी या दंगई भी होंगे, यह कोई मानदंड नहीं है। वे जेल में बंद रहेंगे, सिर्फ यूएपीए के प्रावधानों के कारणङ्क! दुर्भाग्य और विडंबना है। ऐसा कानून देश के नागरिक से बड़ा और महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। इसे संशोधित किया जाना चाहिए। बहरहाल लोकतंत्र में सरकार बदलना अथवा एक समानांतर जनमत तैयार करना कोई संवैधानिक गुनाह नहीं है। सरकार के साथ संसद सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' के मुताबिक, करीब 46 फीसदी, यानी 251, सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, लेकिन वे जेल के बजाय संसद में मौजूद हैं और देश के लिए कानून बना रहे हैं। उनमें से 170 सांसद ऐसे हैं, जिनके खिलाफ बलात्कार, हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण, फिरौती और महिला संबंधी गंभीर अपराध दर्ज हैं, अदालत में तारीखें पड़ रही हैं, लेकिन उन्हें तो साल-दर-साल जेल की सजा नहीं सुनाई गई! यह कैसा लोकतंत्र है? क्या देश में दोगली न्यायिक व्यवस्था है?

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए।

नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुईं। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं। सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

भारतीय रेल मानचित्र पर गति और आधुनिकता का नया युग

विनोद कुमार सिंह

8 नवंबर 2025 का दिन भारतीय रेल के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी(बनारस)से चार नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को राष्ट्र को समर्पित किया। बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस को उन्होंने स्वयं मंच से हरी झंडी दिखाई,जबकि एनार्कुलम-बेंगलुरु,लखनऊ-सहारनपुर और फिरोजपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रवाना किया।प्रधानमंत्री का यह आयोजन केवल चार नई ट्रेनों के उद्घाटन भर का समारोह नहीं था,बल्कि यह 'नया भारत-तेज भारत' की उस भावना का उत्सव था,जो देश की हर पटरी पर प्रगति की रफ्तार बन चुकी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा -'वंदे भारत ट्रेनें आज आत्मनिर्भर भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और नई पीढ़ी के आत्म विश्वास की मिसाल हैं। ये ट्रेनें न सिर्फ शहरों को जोड़ती हैं,बल्कि दिलों को जोड़ती हैं। अब भारत की रफ्तार किसी से कम नहीं,यह नया भारत अब ठहरने वाला नहीं है।' एनार्कुलम-बेंगलुरु : दक्षिण भारत की विकास यात्रा की गाथा चारों नई वंदे भारत ट्रेनों में से सबसे अधिक चर्चा में रही है-एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस,जो दक्षिण भारत में आधुनिकता,गति और सुविधा का नया प्रतीक बन चुकी है।यह ट्रेन केरल की सांस्कृतिक राजधानी एनार्कुलम(कोच्चि)को कर्नाटक की तकनीकी राजधानी बेंगलुरु से जोड़ती है। लगभग 575 किलोमीटर की दूरी यह मात्र 8 घंटे 40 मिनट में तय करती है,जो पारंपरिक एक्सप्रेस ट्रेनों से करीब दो घंटे कम है। यह ट्रेन प्रतिदिन दोनों दिशाओं में चलेगी,जिससे यात्रियों को 'वन डे ट्रिप' की सुविधा मिलती है-यानी सुबह रवाना होकर शाम तक वापसी संभव है।व्यावसायिक यात्रियों,आईटी सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनलों और पारिवारिक यात्राओं के लिए यह सुविधा क्रांतिकारी है।

ट्रेन सात प्रमुख स्टेशनों पर रुकती है -कोयंबटूर, तिरुपुर, इरोड, सलेम, पालक्काड, थ्रिस्सूर और एनार्कुलम। ये सभी स्टेशन दक्षिण भारत की औद्योगिक, कृषि और सामाजिक धड़कन हैं।इरोड और सलेम अपने लघु उद्योगों और कृषि उत्पादों के लिए प्रसिद्ध हैं,वहीं कोयंबटूर को 'दक्षिण भारत का मैनचेस्टर' कहा जाता है। अब इन शहरों के व्यापारी और उद्योगपति अपने माल को समय पर बड़े बाजारों तक पहुँचा सकेंगे।आधुनिक तकनीक,भारतीय निर्माण का अनुठा संगम- एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह भारतीय तकनीक और इंजीनियरिंग कौशल से निर्मित है। इसका निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (क्ळ्ऋ)में हुआ है।यह ट्रेन न केवल 'मेक इन इंडिया' की सफलता का प्रतीक है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की तकनीकी शक्ति को भी दशार्ती है।

इस ट्रेन की प्रमुख विशेषताएँ हैं –

एरोडायनामिक डिजाइन,जो गति और स्थिरता दोनों बनाए रखता है।

ऊर्जा-सक्षम प्रणालियाँ,जिससे ईंधन की खपत कम होती है।बायो- वैक्यूम शौचालय और स्वचालित दरवाजे, स्वच्छता और सुविधा दोनों का संगम।जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली,जिससे यात्रियों को हर स्टेशन और समय की जानकारी रीयल टाइम में मिलती है। रिक्लाइनिंग सीटें,जो लंबी यात्रा को थकानरहित और आरामदायक बनाती हैं। पर्यावरण और अर्थ व्यवस्था दोनों को लाभ -यह वंदे भारत एक्सप्रेस न केवल तेज और आरामदायक है,बल्कि पर्यावरण- अनुकूल भी है।इसके ऊर्जा-कुशल इंजन कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम रखते हैं।रेल मंत्रालय के अनुसार,नई पीढ़ी की वंदे भारत ट्रेनों से डीजल खपत में भारी कमी आएगी और देश के ग्रीन मोबिलिटी लक्ष्यों को गति मिलेगी। व्यापारिक दृष्टि से भी यह ट्रेन लाभदायक है। एनार्कुलम का पोर्ट-आधारित व्यापार,बेंगलुरु का आईटी सेक्टर,और कोयंबटूर का टेक्सटाइल उद्योग -इन तीनों के बीच संपर्क मजबूत होने से माल-परिवहन और श्रमिक- आवागमन को नई दिशा मिलेगी। परिवहन की लागत घटेगी और उत्पादकता बढ़ेगी। पर्यटन और संस्कृति का नया सेतु केरल और कर्नाटक न केवल आर्थिक रूप से,बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी समृद्ध राज्य हैं। एनार्कुलम के बैकवाटर्स,कोच्चि का ऐतिहासिक बंदरगाह,तिरुपुर के मंदिर,सलेम की पहाड़ियाँ और बेंगलुरु का तकनीकी आकर्षण -अब एक ही दिन में यात्रियों की पहुँच में होंगे।धार्मिक और सांस्कृतिक यात्राएँ भी सुगम होंगी।मोदी ने अपने संबोधन में विशेष रूप से कहा -'भारत में पर्यटन केवल आर्थिक गतिविधि नहीं,बल्कि भावना है।जब हमारी रेल सुविधाएँ आधुनिक होंगी,तो तीर्थ,पर्यटन और व्यापार -सबको समान रूप से बल मिलेगा।'

चार वंदे भारत,एक उद्देश्य -नया भारत,विकसित भारत एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत के साथ तीन अन्य ट्रेनें भी राष्ट्र को समर्पित की गईंः

1.बनारस-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस-उत्तर भारत के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ती है। 2. लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत एक्सप्रेस-उत्तर प्रदेश की औद्योगिक पट्टी को तीव्र कनेक्टिविटी देती है। 3.फिरोजपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस-पंजाब की सीमांत धरती को राष्ट्रीय राजधानी से जोड़ती है।

इन चारों ट्रेनों की शुरूआत के साथ अब देश में 80 से अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस परिचालित हैं। दक्षिणभारत में यह नेटवर्क और भी सशक्त हुआ है,जिससे भारतीय रेल मानचित्र पर गति और आधुनिकता का नया युग आरंभ हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा कि 'बीते दस वर्षों में भारत ने जो रेल क्रांति देखी है,वह किसी एक सरकार की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की सामूहिक शक्ति का परिणाम है। रेल मंत्रालय का उद्देश्य है कि वंदे भारत जैसी हाई-टेक ट्रेनों के माध्यम से देश के सभी प्रमुख शहरों को जोड़ा जाए। इससे यात्रा का समय घटेगा,ऊर्जा की खपत कम होगी और यात्रियों का अनुभव विश्वस्तरीय बनेगा। आधुनिक भारत की प्रगति की पटरियों पर -एनार्कुलम-बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस सिर्फ एक ट्रेन नहीं,बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता,आत्म निर्भरता और विकास यात्रा का जीवंत प्रतीक है।यह यात्रा को तेज ही नहीं,बल्कि सुरक्षित और आनंददायक बनाती है।8 नवंबर 2025 को जब यह ट्रेन अपनी पहली यात्रा पर रवाना हुई तो दक्षिण भारत ने देखा 'यह सिर्फ रेल नहीं, विकास की रफ्तार है।' नई वंदे भारत एक्सप्रेस न केवल यात्रियों के लिए सुविधा का प्रतीक है,बल्कि भारत की तकनीकी प्रगति, पर्यावरणीय संतुलन और आधुनिक रेल परिवहन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

(नोट-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार है।)

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस : न्याय की दीपशिखा हर घर - हर दिल

दिलीप कुमार पाठक

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे - किसी भी समाज की असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर सदस्यों के साथ कैसा व्यवहार करता है '

हर साल भारत में 9नवंबर को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया जाता है। इस दिन देश के सभी नागरिकों को उचित, निष्पक्ष और न्याय प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए जागरूक किया जाता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुरूआत पहली बार 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए की गई थी। इस दिन को विधिक सेवा के तहत प्राधिकरण अधिनियम और वादिकारियों के अधिकारों को विभिन्न प्रावधानों से अवगत कराने के लिए मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के लिए निःशुल्क, उच्च-स्तरीय कानूनी सेवाओं की पेशकश करना है। यह कमजोर वर्गों के लोगों को मुफ्त सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करने का प्रयास भी करता है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के इतिहास के बारे में जानने से पहले यह जानना आवश्यक है कि कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 क्या है, क्योंकि राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुरूआत के पीछे इस अधिनियम की महत्वपूर्ण भूमिका है।

भारत के संविधान के अनुच्छेद39-ए और उसकी समिति की सिफारिशों के अनुसार, केंद्र सरकार ने कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम,1987 को अधिनियमित किया था। इस अधिनियम को 1994 के संशोधन अधिनियम के बाद 9नवंबर 1995 को लागू किया गया, और तब से मुख्य अधिनियम में कई संशोधन किए गए हैं। इस अधिनियम के माध्यम से पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और दिव्यांग व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। अधिनियम के कारण किसी भी प्रकार से किसी दिव्यांग या आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को न्याय से वंचित नहीं रखा जा सकता। न्याय प्राप्त करने का अधिकार एक अमीर व्यक्ति या सामान्य वर्ग के व्यक्ति को जितना है, उतना ही अधिकार एक आम व्यक्ति को भी है। न्याय प्राप्त करने में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं है; सभी को समान अवसर प्रदान करना इस अधिनियम में निहित है। राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर, देश भर के राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता की उपलब्धता के बारे में जागरूक करने के लिए कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा, विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वर्ष2021 में 2अक्टूबर से 14नवंबर तक छह-सप्ताह का अखिल भारतीय कानूनी जागरूकता एवं आउटरीच अभियान चलाया गया। इस अभियान में घर-घर जाकर प्रचार, कानूनी जागरूकता कार्यक्रम, मोबाइल वैन के माध्यम से जागरूकता और कानूनी सहायता क्लीनिक शामिल थे। इसके अतिरिक्त, 8नवंबर से 14नवंबर2021 तक 'कानूनी सेवा सप्ताह' मनाया गया, जिसमें 38करोड़ से अधिक लोगों का सर्वेक्षण किया गया, उनसे बातचीत की गई और उन्हें उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया। कानूनी सेवा दिवस (9नवंबर2021) को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) ने राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कानूनी सेवा मोबाइल एप्लिकेशन का iOS संस्करण लॉन्च किया गया और कानूनी सहायता आवेदन दाखिल करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल को 10भाषाओं में सुगम बनाया गया । राज्य स्तर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाती है, जो इसके मुख्य संरक्षक भी होते हैं। उच्च न्यायालय के एक सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायाधीश को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नामांकित किया जाता है। जिला स्तर पर राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण का कार्यकारी अध्यक्ष जिला न्यायाधीश होता है। तालुका स्तर पर तालुका विधिक सेवा प्राधिकरण का नेतृत्व वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश करते हैं। साथ ही उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण भी होते हैं।

इस दिवस का महत्व बहुत खास है; यह समाज के कमजोर वर्गों के लिए कानूनी सुरक्षा और प्रावधानों का

वादा करता है। इससे विवादों के निपटारे में मदद मिलती है। जिस दिन यह अधिनियम पारित किया गया था, उसी दिन नागरिकों के बीच कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए इसे राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर, आइए हम सभी न्याय की उपलब्धता को सुनिश्चित करने की शपथ लें। समाज के हर वर्ग तक निःशुल्क कानूनी सहायता पहुँचाकर, हम एक अधिक समान और न्यायसंगत भारत का निर्माण कर सकते हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

फिल्म तेरे इश्क में का हिस्सा बनना मेरे करियर के लिए एक खास अवसर है

बॉलीवुड में इस साल दर्शकों के लिए रोमांचक खबर है। फिल्मकार आनंद एल राय अपनी नई फिल्म तेरे इश्क में के साथ फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाले हैं। इस फिल्म में अभिनेता धनुष और अभिनेत्री कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में हैं, और अब इसमें प्रियांशु पेन्युली भी शामिल हो गए हैं। प्रियांशु अपने अलग अंदाज और दमदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें काफी ज्यादा हैं।

इंटरव्यू में प्रियांशु पेन्युली ने अपने अनुभव के बारे में बात की और कहा, फिल्म तेरे इश्क में का हिस्सा बनना मेरे करियर के लिए एक खास अवसर है। मशहूर निर्देशक आनंद एल राय के साथ काम करना सौभाग्य की बात है। धनुष और कृति से अभिनय की बारीकियां समेत बहुत कुछ सीखने को मिला। वे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। इनके साथ स्क्रीन साझा करना बेहद रोमांचक अनुभव रहा। मैं इसे अपने जीवन के एक खास अध्याय के रूप में देख रहा हूं। ऐसे मौके हर किसी को नहीं मिलते और इसे पाने पर मुझे गर्व है। बता दें कि फिल्म तेरे इश्क में आनंद एल राय और धनुष की तीसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने एक साथ रांझणा और अतरंगी रे में काम किया था।

प्रियांशु ने आगे कहा, तेरे इश्क में का हिस्सा बनना मेरे लिए सिर्फ रोमांचक ही नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से भी बहुत खास है। फिल्म रांझणा ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी। अब मुझे उसी तरह की भावनाओं वाली कहानी में काम करने का अवसर मिला है। यह अनुभव रोमांचक लगता है। इस फिल्म में दर्शकों को प्यार, चाहत और भावनाओं की गहराई का एक नया अनुभव मिलेगा। आनंद एल राय और धनुष की यह जोड़ी पिछली फिल्मों में दर्शकों को बहुत पसंद आई थी, और अब नई कहानी के साथ यह जोड़ी फिर से पर्दे पर लौट रही है। फिल्म को आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा और भूषण कुमार ने प्रोड्यूस किया है।

अनन्या पांडे को रिप्लेस करने पर तान्या मानिकतला ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म में राजकुमार राव संग आएंगी नजर

फिल्म जगत में इन दिनों एक सवाल खूब चर्चा में है– क्या मीरा नायर की मच अवेटेड फिल्म 'अमरी' में तान्या मानिकलता ने अनन्या पांडे की जगह ले ली है? सोशल मीडिया पर खबरें फैलीं कि 'किल' फेम तान्या अब लीजेंडरी पेंटर अमृता शेरगिल की भूमिका निभाने जा रही हैं। लेकिन हाल ही में तान्या ने खुद सामने आकर इन अफवाहों पर रोक लगा दी और साफ कहा कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। तान्या ने कहा, मुझे नहीं पता ये खबर कहां से आई। हमारे पास इस फिल्म को लेकर कोई जानकारी नहीं है। इसलिए इस पर टिप्पणी करना सही नहीं होगा। उनके इस बयान के बाद यह लगभग तय हो गया कि 'अमरी' फिल्म के लिए अभी तक कास्टिंग को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। दूसरी ओर तान्या ने अपनी एक और फिल्म में राजकुमार राव संग काम करने की बात पर मुहर लगा दी है। हालांकि उन्होंने खुलकर प्रोजेक्ट पर बात नहीं की लेकिन राजकुमार के साथ काम करने की बात को स्वीकार लिया।

मीरा नायर का सपना– 'अमरी'

'अ सूटेबल बॉय' के बाद निर्देशक मीरा नायर अब एक ऐसी महिला कलाकार की कहानी पर काम कर रही हैं, जिसने भारतीय कला को नई दिशा दी। 'अमरी' नाम की यह फिल्म अमृता शेरगिल की जिंदगी पर आधारित है– एक ऐसी पेंटर जिनकी कलाकृतियों ने 20वीं सदी के शुरुआती दौर में भारतीय समाज की आत्मा को रंगों में पिरोया। फिल्म में उनकी कला, संघर्ष, और व्यक्तिगत रिश्तों की जटिल परतों को दिखाया जाएगा। मीरा नायर ने इस फिल्म की घोषणा तब की थी जब 'अ सूटेबल बॉय' की अंतरराष्ट्रीय सफलता मिली थी। उन्होंने कहा था कि वह अमृता शेरगिल की कहानी को एक महिला कलाकार की आज़ादी और अस्तित्व के संघर्ष के रूप में पेश करना चाहती हैं।

अमृता शेरगिल– भारत और यूरोप के बीच सेतु

अमृता शेरगिल न केवल भारतीय आधुनिक कला की अग्रदूत थीं, बल्कि उन्होंने भारतीय और यूरोपीय संस्कृति के बीच एक सेतु का काम किया। उनके ब्रश की हर रेखा में भारत की मिट्टी की सोंधापन और यूरोप की कलात्मक तकनीक का मेल नजर आता था। उन्होंने महिलाओं के जीवन, देहाती भारत, और सामाजिक यथार्थ को अपने कैनवास पर ऐसे उतारा कि उनकी हर पेंटिंग आज भी जीवंत लगती है। मात्र 28 वर्ष की उम्र में 1941 में उनका निधन हो गया, लेकिन उनके काम ने आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों को दिशा दी।

तीन देशों में शूट होगी कहानी

सूत्रों के मुताबिक, 'अमरी' की शूटिंग भारत, हंगरी और फ्रांस के विभिन्न हिस्सों में की जाएगी। वहीं जगहें जहां अमृता ने अपनी जिंदगी के सबसे अहम पल बिताए थे। कहानी उनके पिता उमराव सिंह शेरगिल, पति विक्टर एगन, मंगेतर यूसुफ अली खान और मित्र जवाहरलाल नेहरू जैसे लोगों से जुड़ी भावनात्मक कड़ियों को भी छुएगी। फिल्म के लिए निर्माता कुछ प्रतिष्ठित कलाकारों जैसे विक्की कौशल, जिम सर्भ और नसीरुद्दीन शाह से भी बातचीत कर चुके हैं।

तीन घंटे की मेहतन और कई सारे अवतार

कैसे धन पिशाचनी बनीं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी बहुचर्चित फिल्म जटाधरा को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म में सोनाक्षी एक धन पिशाचनी के किरदार में नजर आएंगी, जो प्राचीन खजाने की रक्षा करती है। जानिए सोनाक्षी का धन पिशाचनी का यह लुक कैसे तैयार हुआ।

यूट्यूब पर दिखाया कैसे बनीं धन पिशाचनी

सोनाक्षी ने अपने यूट्यूब व्लॉग पर दिखाया कि वह कैसे बनीं धन पिशाचनी। सबसे पहले सोनाक्षी अपनी पूरी टीम से मिली, जिसमें ड्रेस डिजाइनर से लेकर हेयर स्टाइलिस्ट और मेकअप आर्टिस्ट शामिल हैं। उनका यह किरदार हैवी मेकअप, घने लंबे बाल के साथ तैयार हुआ। मोहित राय हैं, जिन्होंने सोनाक्षी के पूरे लुक को डिजाइन और स्टाइल किया है। सोनाक्षी का मेकअप हेमा दत्तानी और हेयर माधुरी और कविता ने स्टाइल किए हैं।

यह सोनाक्षी की पहली तेलुगु फिल्म है जटाधरा

सोनाक्षी ने बताया कि वह इस रोल के लिए बेहद उत्साहित हैं। उनके लिए यह रोल करना काफी चैलेंजिंग रहा। जब सोनाक्षी को इस रोल के बारे में बतया गया, तब उन्होंने तुरंत तय कर लिया था कि वह यह किरदार जरूर करेंगी। सोनाक्षी ने धन पिशाचनी के पहले लुक के लिए लाल साड़ी, हैवी ज्वेलरी, हैवी मेकअप और खुले बालों में फोटोशूट कराया। जिसे अपने कैमरे में कशिश खान ने बड़ी ही खूबसूरती के साथ कैद किया। इस लुक में सोनाक्षी बेहद खूबसूरत दिखीं। लेकिन धन पिशाचनी का दूसरा लुक काफी भयानक रहा। दूसरे लुक में सोनक्षी हरे रंग की साड़ी में हैवी मेकअप और ज्वेलरी के साथ हाथ में खोपड़ी का कंकाल और तलवार लिए नजर आईं। उनके दोनों ही लुक एक–दूसरे से अलग, लेकिन शानदार हैं।

फिल्म जटाधरा के बारे में

जटाधरा फिल्म में धन पिशाचिनी सोनाक्षी सिन्हा द्वारा निभाया गया एक ऐसा किरदार है, जो प्राचीन खजाने की रक्षा करने वाली एक शक्तिशाली आत्मा है, जिसे एक लालची व्यक्ति के लालच के कारण जागृत किया जाता है। यह किरदार पौराणिक पिशाचों से प्रेरित है और यह फिल्म लालच और आस्था के विषयों की पड़ताल करती है। इस फिल्म में सोनाक्षी के अलावा शिल्पा शिरोडकर, वेंकट कल्याण, सुधीर बाबू और अभिषेक ने भी अहम रोल निभाया है।

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में सलमान की एंट्री

रितेश देशमुख के निर्देशन में ऐतिहासिक महाकाव्य फिल्म राजा शिवाजी बन रही है। खबर है कि इस फिल्म में सलमान खान और संजय दत्त भी नजर आएंगे। फिल्म में सलमान खान छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे भरोसेमंद सहयोगी जिवा महाला की भूमिका निभाएंगे, जबकि संजय दत्त अफजल खान के किरदार में दिखाई देंगे। शुक्रवार से सलमान खान फिल्म राजा शिवाजी की शूटिंग शुरू करेंगे। यह सीक्वेंस फिल्म के सबसे शानदार विजुअल अनुभवों में से एक होने वाला है। इतना ही नहीं, कहानी के लिहाज से भी फिल्म में एक्टर की भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। फिल्म में रितेश देशमुख छत्रपति शिवाजी महाराज का किरदार निभा रहे हैं।

रानी चटर्जी के हाथ लगी एक और फिल्म, पूजा-मुहूर्त के साथ शुरू की शूटिंग

भोजपुरी अदाकारा रानी चटर्जी ने एक नई भोजपुरी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का टाइटल है, यू पी वाली बिहार वाली। अभिनेत्री रानी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है, जो फिल्म के मुहूर्त का है। वीडियो में देखा जा सकता है कि रानी चटर्जी फिल्म की कास्ट और क्रू के साथ पूजा में हिस्सा ले रही हैं। इसके साथ उन्होंने कैप्शन लिखा है, नई फिल्म की शुरूआत मेरी पसंदीदा टीम के साथ। यू पी वाली बिहार वाली, बहुत प्यारी कहानी और किरदार, जिसमें मेरे सह कलाकार संजना प्रशांत आलोक हैं। फिल्म के निर्देशक मंजुल जी हैं और फिल्म के निर्माता है संदीप जी मंजुल जी।

रानी की इस फिल्म का टाइटल काफी दिलचस्प है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसमें यूपी और बिहार दोनों की संस्कृतियों की झलक देखने को मिलेगी। फिल्म की कहानी भी शायद इसी पर आधारित हो। फिल्म का निर्देशन मंजुल ठाकुर कर रहे हैं। रानी के अलावा इस फिल्म में संजय पांडे, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान नजर आएंगे। फिल्म के एलान पर रानी के फैंस उत्साहित हैं और अभिनेत्री को बधाई दे रहे हैं।

मैं किसी को गॉडफादर नहीं मानता

एक समय बेंगलुरू में स्टूडेंट्स को फैशन की पढ़ाई पढ़ाने वाले गुलशन देवैया ने डिजानर बनने के बाद जब अभिनय का रुख किया, तो ये रास्ता उनके लिए कत्तई आसान न था। दैट गर्ल इन येलो बूट्स, शैतान, हंटर, मर्द को दर्द नहीं होता जैसी कई फिल्मों में तारीफें बटोरने के बाद वे कांतारा चैप्टर वन में उनके रोल की काफी सराहना मिली है।

अपनी हालिया फिल्म कांतारा- चैप्टर 1 की अभूतपूर्व सफलता और अपनी भूमिका को मिली तारीफ पर वे कहते हैं, प्रशंसा और एप्रिसिएशन तो हमेशा मिलता रहा है। मगर जहां तक बॉक्स ऑफिस की बात है, तो मेरे करियर में ऐसी कमाई करने वाली ब्लॉक बस्टर आज तक हुई नहीं है। तो यकीनन इससे मेरा प्रोफाइल काफी स्ट्रॉन्ग हुआ है और जो आगे खिड़कियां और दरवाजे मेरे करियर के लिए खुलेंगे, वो भी अहम होंगे। हमारी इंडस्ट्री में ये जरूर देखा जाता है कि किसकी फिल्म ने कितनी कमाई की है? मुझे लगता है, अब मेरा रेट बढ़ेगा। हां, व्यक्तिगत रूप से कोई फर्क नहीं पड़ा है। मगर मैं इसे इंजॉय कर रहा हूं।

हिट एंड रन केस में पिता की कमर टूटना, बहुत बुरा दौर

कला गुलशन को माता–पिता से विरासत में मिली। वे कहते हैं, मेरे माता–पिता दोनों कलाकार हैं। संगीत, नाटक और पेंटिंग की विरासत मुझे उन्हीं से मिली। आज मेरी उलब्धियों पर वे खुश होते हैं, मगर मुझे अफसोस है कि वे कांतारा चैप्टर वन नहीं देख पाए। कुछ दिनों पहले एक सड़क हादसे में मेरे पिता की कमर टूट गई थी। वे बेंगलुरू में हिट एंड रन केस के शिकार हो गए। उनकी सर्जरी और ट्रीटमेंट के दौरान मैं उन्हीं के साथ था। जहां तक मेरी मम्मी की बात है, तो वे थिएटर नहीं जा पातीं, वे हैंडीकैप्ड हैं। कई चीजें वे नहीं कर पातीं, तो मुझे उनको नहलाना पड़ता है, बाल संवारने पड़ते हैं। वे बहुत सालों से बीमार हैं। मम्मी को मैं स्पेशल स्क्रीनर या फिर जब ओटीटी पर फिल्म आती है, तब दिखा पाता हूं। मेरी मां 1984 से बीमार रही हैं। उनकी इम्यूनिटी हमेशा लो रही है। मम्मी की हालात हमेशा से बुरी रही है। बीमारी में भी वे ऑफिस जाती थीं। पापा तब दूसरी चीजें संभाला करते थे। 2019 से तो वे बिस्तर पर ही हैं, इसके बावजूद जब मैं 2008 में अभिनय के लिए घर से निकला, तो मम्मी–पापा ने एक बार नहीं कहा कि उनका क्या होगा? किसी ने भी मुझे नहीं रोका। मेरी मां 77 साल की हैं और पिता 89 के, मगर मेरी मम्मी मुझसे एक रुपया भी नहीं लेतीं। मैं उन्हें जब भी पैसे देता हूं, वे लौटा देती हैं। मुझे अपनी ख्वाहिशें पूरी करने के लिए उन्होंने कभी नहीं रोका, तो आज माता–पिता की सेवा करना मेरा फर्ज है।

मेरी पहली फिल्म रिलीज ही नहीं हुई

अपने संघर्ष के बारे में वे कहते हैं, मैं अपने स्ट्रगल का रोना नहीं रोना चाहता, क्योंकि यह इस जर्नी का हिस्सा होता है। मैंने रिजेक्शन भी सहा, तो अपनापन भी मिला। मैं गंभीर रूप से चोटिल होकर घुटने की सर्जरी से भी गुजरा। मगर मुझे अच्छे लोग भी मिले। मैं किसी को गॉडफादर नहीं मानता। आपको अपना रास्ता खुद ढूंढना होता है। अपनी पहली फिल्म टीना की चाबी में मेरा महज 3 दिन का काम था और मैंने इम्प्रोवाइज करके तीन लाइनें बोली थीं। उस फिल्म में मेरे कई दोस्त थे और डायरेक्टर भी परिचित ही थे। उस फिल्म के हीरो रणवीर शौरी थे। वो फिल्म रिलीज नहीं हो पाई थी। टेक्निकली रिलीज हुई मेरी पहली फिल्म दैट गर्ल इन येलो बूट थी। बस उस फिल्म के बाद मेरे करियर की गाड़ी चल निकली।

कांतारा - चैप्टर वन का रोल मुझे ध्यान में रखकर लिखा गया

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, साल 2019 में के डी सतीश चंद्र ने मेरी मुलकात रिषभ शेट्टी से करवाई थी। तब रिषभ ने मुझसे कहा था कि वे हंटर के बहुत बड़े फैन हैं। उस वक्त ही मैं समझ गया था कि अपने क्राफ्ट और काम के लिए इनमें अलग तरह का जुनून है। हमने एक साथ एकाध और फिल्म भी अनाउंस की थी, मगर वो वर्कआउट नहीं हो पाई। फिर एक दिन इनका कॉल आया और अपनी राइटर टीम के साथ उन्होंने बताया कि मुझे ध्यान में रखकर एक भूमिका लिखी गई है। हालांकि शूटिंग आसान नहीं थी। मौसम बहुत खराब था, सड़कें और पुल नहीं थे। रिषभ ने पुल बनवाया, जब गाड़ियां जा नहीं पा रही थी। तमाम चुनौतियों के बावजूद मुश्किल हालातों में भी फिल्म को उत्कृष्ट ढंग से पूरा करने का जुनून उत्कृष्ट रहा।

बारिश ने रोका रोमांच, भारत ने 2-1 से जीती टी20 सीरीज

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले गए पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में बारिश ने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही रोमांचक भिड़ंत को अधूरा छोड़ दिया। मुकाबला रद्द होने के साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली और दौरे का समापन विजयी अंदाज में किया। ओपनर अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल ने भारतीय पारी की शानदार शुरुआत की थी, लेकिन मौसम ने खेल में खलल डाल दिया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने तेजी से रन जुटाने शुरू किए। अभिषेक शर्मा ने 13 गेंदों पर नाबाद 23 और शुभमन गिल ने 16 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए। दोनों ने मात्र 4.5 ओवरों में 52 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था। गिल के क्लासिक शॉट्स और अभिषेक के आक्रामक अंदाज ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर दबाव बना दिया।

ऑस्ट्रेलिया की फील्डिंग निराशाजनक रही। ग्लेन मैक्सवेल और बेन ड्वारशुइस ने अभिषेक शर्मा के दो आसान कैच छोड़ दिए, जिनका भारतीय बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। गिल ने खास तौर पर ड्वारशुइस की गेंदबाजी पर हमला करते हुए लगातार तीन चौके जड़े और पावरप्ले में टीम को तेज शुरुआत दिलाई। लेकिन जैसे ही भारत का स्कोर 4.5 ओवर में बिना किसी नुकसान के 52 रन पहुंचा, मैदान पर बिजली गिरने की चेतावनी मिली और कुछ ही देर में तेज बारिश शुरू हो गई। इसके बाद हालात खेल के लायक नहीं रहे और अंपायरों ने मैच रद्द करने का फैसला लिया।

इस परिणाम के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दूसरा मैच चार विकेट से जीता था, जबकि भारत ने तीसरे और चौथे मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की थी। सीरीज के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने न केवल संतुलित टीम संयोजन दिखाया बल्कि नई पीढ़ी की

बल्लेबाजी ताकत का भी परिचय कराया। बारिश ने भले आखिरी मैच का मजा किरकिरा कर दिया, लेकिन सीरीज जीत के साथ टीम इंडिया ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखा।

सबालेंका ने अनिसिमोवा को हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल में बनाई जगह

-खिताबी जंग में भिड़ेंगी रयबाकिना से

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने दमदार प्रदर्शन करते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से पराजित कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। तीन सेट तक चले इस रोमांचक मैच में शुरुआती दौर में अनिसिमोवा ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्णायक पलों में सबालेंका का अनुभव भारी पड़ा।

पहले सेट में सबालेंका ने अपने पावरफुल सर्व और आक्रामक ग्राउंडस्ट्रोक्स की बदौलत 6-3 से जीत दर्ज की। हालांकि, दूसरे सेट में उनकी लय बिगड़ गई और अनिसिमोवा ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार गेम जीतकर 4-0 की बढ़त बना ली। सबालेंका ने कोशिश की, लेकिन यह सेट 6-3 से अनिसिमोवा के नाम रहा। निर्णायक तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर नियंत्रण हासिल किया। उन्होंने ऐस की झड़ी लगाकर स्कोर 3-3 से बराबर किया और फिर एक बेहतरीन बैकहैंड विनर से ब्रेक हासिल करते हुए मैच का पासा पलट दिया। आखिरकार उन्होंने तीसरा सेट भी 6-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

दूसरी ओर, कजाखस्तान की एलेना रयबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका की जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ रयबाकिना का अपराजेय क्रम जारी रहा और वह भी फाइनल में पहुंच गईं। दोनों के बीच अब तक खेले गए 13 मैचों में सबालेंका 8-5 से आगे हैं, जिसमें 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में उनकी यादगार जीत भी शामिल है। मुकाबले से पहले सबालेंका ने कहा, 'यह एक और शानदार जंग होगी। एलेना शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन मैं भी इस खूबसूरत ट्रॉफी के लिए आखिरी मैच में पूरी ताकत झोंकने को तैयार हूं।'

ऋषभ पंत के मोरेकी की गेंदों पर तीन बार चोट लगी, दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ रिटायर हर्ट हुए

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दक्षिण अफ्रीका ए दूसरे अनाधिकृत टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को चोट लगने के बाद रिटायर हर्ट होकर वापस लौटना पड़ा। आज यहां बेंगलुरू के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जा रहे मैच के तीसरे दिन के पहले सत्र में पंत को तेज गेंदबाज शेपो मोरेकी की गेंदों पर तीन बार चोट लगी। यह चोट उनके शरीर और हेलमेट पर लगी, जिसके बाद उन्हें 34वें ओवर में रिटायर हर्ट होना पड़ा।

पंत तीसरे ओवर में नंबर पांच पर बल्लेबाजी के लिए आए थे, जब ओवरनाइट बल्लेबाज केएल राहुल को ओकुह्ले सेले ने 27 रन पर बोल्ड कर दिया। पंत ने शुरुआत में तेजी से रन बनाए और उनके पहले तीन शॉट्स 4, 4 और 6 रन थे। लेकिन शॉर्ट गेंदों पर उनके शरीर पर लगे प्रहारों से उन्हें दर्द महसूस होने लगा।

पंत आगे बल्लेबाजी जारी रखना चाहते थे, लेकिन भारत ए के कोच हृषिकेश कानितकर और फिजियो ने एहतियातन उन्हें रिटायर हर्ट होने को कहा। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। इसे देखते हुए उन्हें एहतियातन मैदान से वापस बुलाया गया है।

पहली चोट उन्हें तब लगी, जब उन्होंने मोरेकी की शॉर्ट गेंद पर रिवर्स पिक अप शॉट खेलने का प्रयास किया और गेंद सीधे हेलमेट पर लगी। वह संतुलन खो बैठे और जमीन पर गिर गए। फिजियो ने तुरंत कन्कशन टेस्ट किया और क्लियरेंस मिलने के बाद उन्होंने फिर बल्लेबाजी शुरू की। दूसरी चोट उनके दाहिने कोहनी पर लगी। फिजियो ने इसके बाद उन्हें स्प्रे किया और कोहनी पर टेप भी बांधा। तीसरी चोट उनके पेट पर लगी। इससे उन्हें बेहद तकलीफ हुई, जिसके बाद टीम प्रबंधन ने उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 14 नवंबर से कोलकाता और 22 नवंबर से गुवाहाटी में दो टेस्ट खेले जायेंगे।

अभिषेक शर्मा ने रचा इतिहास, सबसे कम गेंदों में पूरे किए टी20 इंटरनेशनल के 1000 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। उन्होंने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 1000 रन पूरे कर लिए, और यह उपलब्धि उन्होंने सबसे कम गेंदों में हासिल की। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने भारत के विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अभिषेक ने 528 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया, जबकि सूर्यकुमार यादव ने 573 गेंदों में 1000 रन पूरे किए थे। इस तरह वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। दुनिया के फुल मेंबर देशों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले बल्लेबाजों में अभिषेक अब शीर्ष पर हैं। उनके बाद फिल सॉल्ट (599 गेंद), ग्लेन मैक्सवेल (604 गेंद) और आंद्रे रसेल व फिन एलन (609 गेंद) का नाम आता है।

अभिषेक शर्मा ने अब तक 28 पारियों में 189.51 के स्ट्राइक रेट से एक हजार से अधिक रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 6 अर्धशतक और 2 शतक लगाए हैं। वह दुनिया में सबसे कम पारियों में एक हजार रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने हैं। इंग्लैंड के डेविड मलान ने केवल 24 पारियों में यह आंकड़ा पार किया था। भारतीय बल्लेबाजों में यह रिकॉर्ड पहले विराट कोहली के नाम था, जिन्होंने 27 पारियों में 1000 रन पूरे किए थे। अभिषेक ने यह उपलब्धि सिर्फ एक पारी पीछे रहकर हासिल की और कोहली के बाद भारत के लिए यह मुकाम छूने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज बन गए।

गाबा में खेले जा रहे इस मैच में अभिषेक को शुरुआती ओवरों में ही दो जीवनदान मिले, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया और एक बार फिर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए शानदार शुरुआत दिलाई। जारी टी20 सीरीज में वह अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिससे टीम इंडिया को निर्णायक मुकाबले में मजबूत स्थिति मिली है।

सबसे कम गेंदों में 1000 अंतरराष्ट्रीय टी20 रन बनाने वाले खिलाड़ी

528 अभिषेक शर्मा
573 सूर्यकुमार यादव
599 फिल साल्ट
604 ग्लेन मैक्सवेल
609 आंद्रे रसेल/ फिन एलन

टी20 सीरीज जीत पर सूर्यकुमार यादव बोले - सभी खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

ब्रिस्बेन । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया पांचवां और आखिरी टी20 मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया, जिसके साथ ही भारत ने पांच मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। मैच रद्द होने के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम की जीत का श्रेय अपने सभी खिलाड़ियों को दिया। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पिछड़ने के बाद टीम ने जिस तरह वापसी की, वह काबिले तारीफ है। सूर्यकुमार यादव ने कहा, 'यह जीत हर खिलाड़ी के सामूहिक प्रयास का नतीजा है। हम सीरीज में 0-1 से पीछे थे, लेकिन उसके बाद टीम ने जिस आत्मविश्वास और जज्बे के साथ वापसी की, वह शानदार रही। चाहे बल्लेबाजी हो, गेंदबाजी हो या फील्डिंग सभी विभागों में हमने शानदार खेल दिखाया।' कप्तान ने अपनी तेज़ गेंदबाज़ी जोड़ी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ' 'बुमराह और अर्शदीप एक घातक जोड़ी बन चुके हैं। वहीं, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने भी अपनी जिम्मेदारी को शानदार ढंग से निभाया। वॉशिंगटन सुंदर ने पिछले मैच में शानदार योगदान दिया। अब ये खिलाड़ी काफी टी20 क्रिकेट खेल चुके हैं और खुद पर भरोसा करना सीख गए हैं।' सूर्यकुमार ने आगे कहा कि भारतीय टीम के लिए आने वाले महीने बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उसे तीन मजबूत टीमों ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना है।

आईसीसी ने बढ़ाई महिला वनडे विश्व कप की टीमों की संख्या, 2029 में 10 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बड़ा फैसला लिया है। आईसीसी ने हाल ही में घोषणा की कि महिला वनडे विश्व कप 2029 में अब आठ नहीं, बल्कि 10 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत द्वारा 2 नवंबर को नवी मुंबई में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पहली बार वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह निर्णय लिया गया। इस मैच में स्टेडियम खचाखच भरा था, जिसने महिला क्रिकेट की लोकप्रियता के नए आयाम स्थापित किए।

आईसीसी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'बोर्ड इस टूर्नामेंट की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित है। इसलिए 2029 विश्व कप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या को बढ़ाकर 10 किया गया है।' आईसीसी ने बताया कि इस बार के टूर्नामेंट ने दर्शकों की संख्या के मामले में नया इतिहास रचा करीब 3 लाख लोगों ने मैच स्टेडियम में देखा, जबकि भारत में लगभग 50 करोड़ दर्शकों ने इसे टीवी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर देखा। यह अब तक किसी भी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए रिकॉर्ड है। महिला क्रिकेट के समान विकास को बढ़ावा देने के लिए आईसीसी ने अपने सहयोगी सदस्य देशों के लिए वित्तीय सहायता में 10 प्रतिशत वृद्धि की भी मंजूरी दी है। यह कदम खेल के वैश्विक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके अलावा आईसीसी ने 'प्रोजेक्ट यूएसए' पर भी पहली रिपोर्ट पेश की। यह योजना अमेरिकी क्रिकेट बोर्ड के निलंबन के बाद शुरू की गई थी ताकि खिलाड़ियों के विकास और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनकी निरंतर भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। यह प्रोजेक्ट लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को सफलतापूर्वक शामिल करने और अमेरिकी टीमों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने पर केंद्रित है।

मिताली और मजूमदार को आईसीसी महिला क्रिकेट समिति में शामिल किया गया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट के लिए गौरव का क्षण है। पूर्व कप्तान मिताली राज और मौजूदा टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की महिला क्रिकेट समिति में शामिल किया गया है। यह निर्णय उस समय आया है जब कप्तान हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय टीम ने इतिहास रचते हुए पहली बार वनडे विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम किया। भारत ने मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर महिला क्रिकेट में अपना पहला वैश्विक खिताब जीता था। इस मुकाबले को लगभग 3 लाख दर्शकों ने स्टेडियम में देखा, जो किसी भी महिला क्रिकेट इवेंट के लिए अब तक की सबसे बड़ी उपस्थिति रही। आईसीसी के आधिकारिक बयान में कहा गया, 'आईसीसी बोर्ड ने महिला क्रिकेट समिति के कई नए सदस्यों की नियुक्ति को मंजूरी दी है, जिनमें एश्ले डी सिल्वा, मिताली राज, अमोल मजूमदार, बेन सॉयर, शार्लोट एडवर्ड्स और साला स्टेला सियाले-वैआ शामिल हैं।' आईसीसी महिला क्रिकेट समिति का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर महिला क्रिकेट के विकास, प्रगति और प्रचार को बढ़ावा देना है। यह समिति महिला क्रिकेट से जुड़े सभी मामलों पर सलाह देती है और खेल की शर्तों, नियमों तथा विनियमों की समीक्षा करके सुधारों की सिफारिश करती है ताकि सभी फॉर्मेट में निष्पक्षता और स्थिरता सुनिश्चित की जा सके। समिति महिला विश्व कप और टी20 विश्व कप जैसे आईसीसी टूर्नामेंटों की संरचना, योग्यता प्रक्रिया और शेड्यूलिंग पर भी इनपुट प्रदान करती है। इसके अलावा, यह प्रतिभा विकास और खिलाड़ियों के करियर मार्गदर्शन से जुड़ी नीतियां बनाने में मदद करती है तथा समानता, समावेशिता और दृश्यता को बढ़ाने के लिए भी काम करती है।

सुल्तान अजलान शाह कप के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, सीनियर खिलाड़ियों को आराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंडर संजय 31वें सुल्तान अजलान शाह कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को 23 से 30 नवंबर तक मलेशिया के इपोह में होने वाले प्रतिष्ठित आमंत्रण टूर्नामेंट के लिए आराम दिया गया है।

भारत की पहली पसंद के दोनों गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और सूरज करकेरा को आराम दिया गया है। उनकी जगह पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार को टीम में चुना गया है। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह, अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह और स्ट्राइकर मनदीप सिंह भी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। संजय, जुगराज सिंह और अमित रोहिदास तीन सीनियर खिलाड़ी हैं जिन्हें रक्षात्मक पंक्ति में रखा गया है।

उनके अलावा पूवन्ना चंदूरा बॉबी, नीलम संजीप जेस और यशदीप सिवाच भी रक्षापंक्ति में शामिल हैं। मध्य पंक्ति की जिम्मेदारी राजेंद्र सिंह, राजकुमार पाल, नीलकांत शर्मा,

रविचंद्रन सिंह, विवेक सागर और मोहम्मद रहीम मोसीन के कंधों पर होगी। सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी संभालेंगे।

टूर्नामेंट के लिए स्टैंडबाय में वरुण कुमार, विष्णु कांत सिंह, हार्दिक सिंह और अंगद बीर सिंह शामिल हैं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'सुल्तान अजलान शाह कप हमेशा से ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट रहा है और हम एक संतुलित टीम के साथ इसमें भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। हमें इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है।'

भारत अपने अभियान की शुरुआत 23 नवंबर को कोरिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद वह बेल्जियम (24 नवंबर), मेजबान मलेशिया (26 नवंबर), न्यूजीलैंड (27 नवंबर) और कनाडा (29 नवंबर) के खिलाफ मैच खेलेगा। यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें शीर्ष दो टीमें 30 नवंबर को होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत ने आखिरी बार 2010 में सुल्तान अजलान शाह कप का खिताब जीता था और 2019 में उपविजेता रहा था।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर : पवन, मोहित शशिकुमार

डिफेंडर : चंदूरा बॉबी, नीलम संजीप जेस, यशदीप सिवाच, संजय, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास

मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, नीलकांत शर्मा, मोइरांगथेम सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोहम्मद राहील मौसीन

फॉरवर्ड : सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सेल्वम कार्थी, आदित्य अर्जुन लालगे, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक

स्टीव वॉ, सचिन नहीं विराट को मानते हैं एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ की नजर में सचिन तेंदुलकर नहीं बल्कि विराट एकदिवसीय क्रिकेट के सबसे महान खिलाड़ी हैं। वॉ के अनुसार कोहली को वह सचिन के मुकाबले अधिक नंबर इसलिए देते हैं क्योंकि विराट ने सीमित ओवर के क्रिकेट में बल्लेबाजी की एक नई ही परिभाषा ही विकसित कर दी। उनके जैसा बल्लेबाज कभी-कभी ही होता है। कोहली के अलावा उन्होंने रोहित शर्मा को भी सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में शामिल किया है। वॉ ने कहा, 'विराट और रोहित दो महानतम खिलाड़ी हैं। विराट एकदिवसीय का सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं। आप उन्हें हर जगह खेलते देखना चाहते हैं पर हर मैच खेलना संभव नहीं है।' वॉ ने आगे कहा, इन सर्वकालिक महान खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना हमेशा ही काफी सुखद होता है। विराट कोहली जैसा खिलाड़ी तो किसी पीढ़ी में एक बार पैदा होने वाला खिलाड़ी है। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें खेलते हुए देखना सभी।

विराट एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 2008 में डेब्यू करने वाले कोहली के नाम अब तक 305 एकदिवसीय मैचों में 14,255 रन दर्ज हैं, जिनमें 51 शतक शामिल हैं। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत दिलाने में कोई उनका सानी नहीं है। एकदिवसीय के इतिहास में 8 हजार से लेकर 14 हजार रन तक सबसे तेजी से बनाने के रिकॉर्ड उनके ही नाम हैं। वहीं सचिन टेस्ट ओर एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 18 हजार से अधिक रन हैं।

ECB ने काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंद का प्रयोग किया समाप्त

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने काउंटी निदेशकों और पेशेवर खेल समिति से मिली प्रतिक्रिया के बाद, 2026 सीजन से काउंटी चैंपियनशिप में कूकाबुरा गेंदों के इस्तेमाल को समाप्त करने का फैसला किया है। काउंटी क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुकूल कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए तीन साल पहले शुरू किया गया यह परीक्षण, अधिकांश मैचों में बिना किसी घटना के होने के कारण असफल माना गया है। इस सीजन में सरे और डरहम के बीच ओवल में खेला गया मैच, जहां मेजबान टीम ने 9 विकेट पर 820 रन बनाकर पारी घोषित की, इसका एक उदाहरण है। कूकाबुरा गेंद का इस्तेमाल पहली बार 2023 सीजन में दो राउंड के मैचों के लिए किया गया था, जिसे 2024 और 2025 में चार-चार राउंड तक बढ़ा दिया गया।

पाकिस्तानी क्रिकेटर आजम खान ने माना, भारतीय टीम के सामने कहीं नहीं टिकता पाक

नई दिल्ली । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव के बाद अब पाकिस्तान के ही एक क्रिकेटर आजम खान ने भी माना है कि पाक टीम भारत के सामने कहीं नहीं ठहरती। सूर्या ने एशिया कप के दौरान पाकिस्तान को चिर-प्रतिद्वंद्वी बताए जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि भारतीय टीम ने हमेश उसे हराया है। ऐसे में वह प्रतिद्वंद्वी कैसे हुई ? इसलिए इस प्रकार की बातें नहीं होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि टक्कर जैसी कोई बात भी तो होनी चाहिए। पाकिस्तान अब टक्कर तक नहीं दे पाता। विकेटकीपर बल्लेबाज आजम ने माना है कि भारतीय कप्तान ने सही बात कही है। दोनो टीमों में अब बराबरी का मुकाबला नहीं होता। आजम ने हालांकि जिस प्रकार से से बात स्वीकार की है। उससे उनका करियर तक मुश्किल में पड़ सकता है। इससे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी उनसे नाराज हो सकते हैं। नकवी एशिया कप के बाद से ही भारतीय टीम से खार खाये बैठे हैं। यहां तक कि एशिया कप ट्रॉफी पर भी उन्होंने कब्जा कर रखा है। आजम ने कहा कि भारत-पाकिस्तान में अब टक्कर जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, अगर आप आईसीसी टूर्नामेंट्स को देखेंगे तो मुझे लगता है कि मुझे नहीं पता कि मुझे ये कहना चाहिए या नहीं, लेकिन यही सही है। आजम ने पाकिस्तान के लिए 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। वह आखिरी बार पाकिस्तान के लिए टी20 वर्ल्ड कप में खेलते हुए दिखे थे। उसके बाद से ही वह राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं। अब इस बयान के बाद उनकी पाक टीम में वापसी और भी कठिन हो जाएगा।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ताई जु यिंग ने बैडमिंटन से संन्यास लिया, सिंधू ने दी मार्मिक विदाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे की महिला बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी ताई जु यिंग ने खेल से संन्यास ले लिया है जिसके साथ उनके शानदार करियर का अंत हो गया है, जिसमें उन्होंने 17 BWF विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं। अपनी कलात्मकता और कलाई के जादू के लिए मशहूर 31 वर्षीय शटलर ने कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें संन्यास का फैसला करना पड़ा। उन्होंने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ खिताब 2024 में इंडिया ओपन में जीता था।

ताई जु ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'एक खूबसूरत अध्याय समाप्त हो गया है। बैडमिंटन, आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आभार।' उन्होंने कहा, 'आखिरकार मेरी चोटों ने मुझे कोर्ट छोड़ने पर मजबूर कर दिया। मैं अपने करियर का अंत उस तरह नहीं कर पाई जैसा मैंने सोचा था और मुझे यह बात स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा।'

दक्षिणी ताइवान के शहर काऊशुंग में जन्मी ताई जु पिछले साल से चोटों से जूझ रही थी और अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर वापसी नहीं कर पाई। विश्व चैंपियनशिप दो बार की पदक विजेता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान कुछ समय शांति के साथ बिताने पर है। उन्होंने लिखा, 'मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं आगे क्या करूंगी, लेकिन फिलहाल मैं अलार्म घड़ियों के बिना जीवन का आनंद लेने जा रही हूं।'

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ताई जु को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक मार्मिक संदेश लिखा। सिंधू ने कहा, 'पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक आप मेरी ऐसी प्रतिद्वंद्वी रही जिन्होंने मुझे हर बार मेरी सीमा तक धकेला। मेरे जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण पदक रियो 2016 ओलंपिक में रजत और 2019 विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण मैंने आपके साथ उन मैराथन और सांस थाम देने वाले मुकाबलों के बाद हासिल किए।'

उन्होंने कहा, 'रियो में हमारे बीच प्री-क्वार्टर फाइनल में मुकाबला हुआ था और बासेल में क्वार्टर फाइनल में। इन दोनों अवसरों पर मुझे हमेशा की तरह कड़ी मेहनत करनी पड़ी। और हां, आपने 2021 में मुझे सेमीफाइनल में हरा दिया था और यही नहीं मुझे एशियाई खेलों में मुझे स्वर्ण पदक जीतने से रोक दिया था। इन पलों को याद करके मैं आज भी मुस्कुरा जाती हूं।'

सिंधू ने लिखा, 'मैं इस बात नहीं छिपाऊंगी, मुझे आपके साथ खेलना बिल्कुल पसंद नहीं था। आपकी कलाई की कला, आपका चालाकी भरा खेल, आपकी शांत प्रतिभा ने मुझे उससे भी ज्यादा गहराई तक जाने के लिए प्रेरित किया, जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। आपका सामना करने से एक खिलाड़ी के रूप में मैं बदल गई।'

भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन प्रतिद्वंद्विता से परे हमारे बीच अच्छी दोस्ती और एक दूसरे के प्रति सम्मान था। आपके संन्यास लेने से ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने सफर का एक हिस्सा को दिया हो। खेल को और मुझे आपके जादू की कमी खलेगी। मुझे अब यह एहसास होने लगा है कि मेरी पीढ़ी के खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल को अलविदा कहने लगे हैं और कोई भी चीज आपको इसके लिए तैयार नहीं करती।'

संक्षिप्त समाचार

हंगरी को रूस से तेल-गैस खरीदने की मिली छूट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने हंगरी को रूस से तेल और गैस खरीदने पर लगी पाबंदियों से पूरी तरह छूट दे दी है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के बाद लिया गया। इस बैठक के दौरान ट्रंप और ऑर्बन ने एक-दूसरे की जमकर तारीफ की। ऑर्बन ने कहा कि यूक्रेन के लिए रूस को हराना चमत्कार जैसा होगा, जिससे यह साफ दिखा कि उनका रुख बाकी यूरोपीय नेताओं से अलग है। ट्रंप ने हंगरी के प्रवासन नीति की भी प्रशंसा की और कहा कि यूरोपीय यूनियन को ऑर्बन का अधिक सम्मान करना चाहिए। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने इस छूट को ऊर्जा सुरक्षा की गारंटी बताया। ट्रंप ने कहा कि हंगरी समुद्र से घिरा देश नहीं है और तेल-गैस पाइपलाइन पर निर्भर है, इसलिए उसे छूट दी गई। ऑर्बन ने पहले ट्रंप और पुतिन की मुलाकात के लिए बुडापेस्ट में शिखर सम्मेलन की पेशकश की थी, लेकिन ट्रंप ने बाद में यह बैठक रद्द कर दी थी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मुलाकात ऑर्बन के लिए प्रतीकात्मक जीत है, खासकर तब जब वे अगले साल के चुनावों से पहले आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

भूकंप के झटकों से फिर दहला अफगानिस्तान, एक हफ्ते में तीसरी बार हिली धरती

काबुल, एजेंसी। शनिवार सुबह अफगानिस्तान में 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप 180 किलोमीटर की गहराई पर आया। इससे पहले शुक्रवार को भी अफगानिस्तान में 4.4 तीव्रता का एक और भूकंप दर्ज किया गया था, जो सिर्फ 10 किलोमीटर की गहराई पर था। इतनी कम गहराई वाले भूकंप आम तौर पर ज्यादा खतरनाक माने जाते हैं, क्योंकि इनके झटके सतह तक अधिक ताकत से पहुंचते हैं। 4 नवंबर को उत्तरी अफगानिस्तान में आए 6.3 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 27 लोगों की मौत हुई थी और 950 से अधिक घायल हुए थे। यह भूकंप मजार-ए-शरीफ शहर के पास उथली गहराई में आया था और इससे शहर की मशहूर ऐतिहासिक मस्जिद को भी नुकसान पहुंचा था। रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान का हिंदू कुश पर्वतीय इलाका भूगर्भीय रूप से बेहद सक्रिय है, जहां भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव से हर साल भूकंप आते रहते हैं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय ने कहा है कि देश पहले से ही दशकों के संघर्ष और अविकास से जूझ रहा है।

ट्रंप प्रशासन को 60 मिलियन डॉलर का भुगतान करेगी कॉर्नेल यूनिवर्सिटी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रतिष्ठित कॉर्नेल यूनिवर्सिटी ने 60 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने और ट्रंप प्रशासन द्वारा दी गई नागरिक अधिकार कानूनों की व्याख्या को स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय को उसकी फेडरल फंडिंग बहाल हो जाएगी। कॉर्नेल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष माइकल कोटलिकॉफ ने शुक्रवार को इस समझौते की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शैक्षणिक स्वतंत्रता को बरकरार रखते हुए सरकार द्वारा रोकी गई 250 मिलियन डॉलर से अधिक की शोध फंडिंग को फिर से चालू करेगा।

एक और बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा , एजेंसी। इस्राइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि एक बंधक के अवशेष गाजा में रेड क्रॉस को सौंप दिए गए हैं। मौजूदा युद्धविराम की शुरुआत के बाद से हमास ने 22 बंधकों के शव लौटा दिए हैं। अगर यह पुष्टि हो जाती है कि ये शव किसी और बंधक के हैं, तो गाजा में अभी भी पांच अन्य बंधकों के अवशेष बचे रहेंगे। 10 अक्तूबर से शुरू हुए युद्ध विराम का उद्देश्य इस्राइल और फलिस्तीनी उग्रवादी समूह के बीच अब तक लड़े गए सबसे घातक और विनाशकारी युद्ध को समाप्त करना है।

माली में अल-कायदा और आईएसआईएस का आतंक

बंदूक की नोक पर पांच भारतीयों को उठा ले गए आतंकी

बमाको , एजेंसी।
पश्चिमी अफ्रीकी देश माली में जिहादियों का आतंक चरमसीमा पर पहुंच गया है। अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों से जुड़े समूहों ने यहां दहशतगर्दी की हदें पार कर दी हैं। गुरुवार को यहां कम से कम पांच भारतीय नागरिकों को भी किडनैप कर लिया गया। माली के सुरक्षाबलों के मुताबिक कोबरी के पास एक हथियारबंद आतंकी ने कम से कम पांच भारतीयों का अपहरण कर लिया। ये इलेक्ट्रिफिकेशन करने वाली एक कंपनी में काम करते थे।

आतंकी के डर की वजह से बाकी कर्मचारियों को माली की राजधानी बामाको में शिफ्ट किया गया है। अभी तक किसी भी संगठन ने इस अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। बता दें कि माली में फिलहाल सेना का ही शासन है। अल-कायदा और आईएसआईएस की वजह से यहां आतंकी घटनाएं हुआ करती हैं। माली इस समय आर्थिक संकट से जूझ रहा है। कट्टरपंथी इस्लामिक संगठनों और आतंकियों ने यहां फ्यूल ब्लॉकेड लगा दिया है।

माली में विदेशों को टारगेट करना आम बात है। अक्सर कट्टरपंथी संगठन विदेशियों की हत्या कर देते हैं या फिर उनका अपहरण कर लेते हैं। 2012 में यहां तख्तापलट हुआ था और इसके बाद से ही कभी शांति नहीं रही। बीते महीने ही आतंकियों ने दो अमीराती और एक ईरानी नागरिक को किडनैप कर लिया था। 5 करोड़

डॉलर की फिरौती के बाद उन्हें छोड़ा गया था।

माली में अक्सर आतंकी और जिहादी समूह फिरौती के लिए लोगों को अगवा करते हैं। वे विदेशी इंजीनियरों और कर्मचारियों को निशाना बनाते हैं और फिर कंपनी से मोटी रकम की मांग करते हैं। जेएनआईएम के आतंकियों का यही काम हो गया है। माली में आतंकियों की इन हरकतों की वजह से विदेशी कंपनियों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में जी20 समिट का किया बहिष्कार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह इस महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी20 सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे। इसके बाद अब ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की है कि जी20 शिखर सम्मेलन में कोई भी अमेरिकी अधिकारी हिस्सा नहीं लेगा। उन्होंने इसके पीछे का कारण वहां श्वेत किसानों के साथ किए जा रहे दुर्व्यवहार को बताया है। दक्षिण अफ्रीका से नाराज चल रहे डोनाल्ड ट्रंप ने जी20 समिट के बहिष्कार का एलान किया है। ट्रंप पहले ही कह चुके थे कि वे खुद इस महीने के आखिर में होने वाले जी-20 सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को भेजे जाने की योजना थी, लेकिन अब वे भी दक्षिण अफ्रीका नहीं जाएंगे। जेडी वेंस भी नहीं जाएंगे दक्षिण अफ्रीका ट्रंप ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह 22-23 नवंबर को दुनिया की अग्रणी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के राष्ट्राध्यक्षों के वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। इसके बाद ट्रंप की जगह उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन वेंस की योजनाओं से परिचित एक व्यक्ति, जिन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि वेंस अब शिखर सम्मेलन के लिए वहां नहीं जाएंगे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, यह एक पूरी तरह से अपमानजनक है कि जी-20 शिखर सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में अफ्रीकानर समुदाय (दक्षिण अफ्रीका के श्वेत किसान) के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया, जिसमें हिंसा, हत्या के साथ-साथ उनकी जमीन और खेतों की जब्ती जैसी घटनाएं हो रही हैं।

अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पूर्व अधिकारी ने खोली पाकिस्तान की पोल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसी छद्म के पूर्व अधिकारी रिचार्ड बार्लो ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों को लेकर बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति 1989 तक दावा करते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। यही नहीं, अमेरिका ने जानबूझकर पाकिस्तान को एफ-16 लड़ाकू विमान दिए, जबकि उन्हें पता था कि पाकिस्तान इनपर परमाणु हथियार तैनात कर सकता है। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ इंटरव्यू के दौरान रिचार्ड बार्लो ने कई सनसनीखेज खुलासे किए हैं। उनके अनुसार, छद्म भी पाकिस्तान के परमाणु संपन्न देश बनने से खुश नहीं था, मगर इसमें वो कुछ नहीं कर सके। रिचार्ड का कहना है, 1989 तक सभी राष्ट्रपति कहते रहे कि पाकिस्तान परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। छद्म भी इससे खुश नहीं था, लेकिन हम सुझाव देने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकते थे। हम निर्वाचित नहीं थे। हमारा काम सिर्फ वरिष्ठ अधिकारियों को खुफिया जानकारी देना है, वहां हमारा काम खत्म हो जाता है।

अफगान-पाक वार्ता भी नाकाम, तालिबान ने दिखा दिया ठेंगा, भड़के ख्वाजा आसिफ

ढाका, एजेंसी।
अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पार आतंकवाद के मुद्दे पर चली शांतिवार्ता एक बार फिर बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। दो दिनों तक चली इस तीसरे दौर की वार्ता में तालिबान सरकार से लिखित प्रतिबद्धता नहीं मिल सकी कि वह पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो अफगान भूमि का उपयोग कर पाकिस्तान पर हमले कर रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शुक्रवार रात एक निजी टीवी चैनल से बातचीत में कहा, वार्ता पूरी तरह ठप हो चुकी है। अब चौथे दौर की कोई योजना नहीं है। आसिफ ने बताया कि मध्यस्थ देश तुर्की और कतर ने दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने के लिए पूरी कोशिश की,वे हमारी बात से सहमत थे, यहां तक कि अफगान प्रतिनिधिमंडल ने भी हमारी स्थिति को समझा, लेकिन वे किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा कि अफगान पक्ष मौखिक आश्वासनों की बात कर रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने लिखित समझौते की मांग पर जोर

दिया। अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में केवल मौखिक भरोसे पर निर्णय नहीं होते, आसिफ ने कहा। मंत्री ने चेतावनी दी कि अगर अफगान भूमि से कोई हमला हुआ तो पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक कोई आक्रामकता नहीं होगी, युद्धविराम बरकरार रहेगा। इसी बीच पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तारार ने कहा कि अफगान तालिबान पर यह जिम्मेदारी है कि वह आतंकवाद नियंत्रण को लेकर अपनी अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करे, जिसमें अब तक वह विफल रहा है। उन्होंने कहा,पाकिस्तान को अफगान जनता से कोई दुश्मनी नहीं है, लेकिन वह तालिबान शासन के उन कदमों का समर्थन नहीं करेगा जो अफगान जनता या पड़ोसी देशों के हितों के खिलाफ हों इन वार्ताओं की शुरुआत 29 अक्टूबर को दोहा में हुई थी, जबकि पिछली बैठकें 25 अक्टूबर को इस्तांबुल में हुई, जो भी निष्फल रही थीं। 11 से 15 अक्टूबर के बीच दोनों देशों में हुई झड़पों में कई लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद यह बातचीत शुरू की गई थी।

वह आपको कभी निराश नहीं करेंगे, ट्रंप ने ओहायो गवर्नर के लिए किया भारतवंशी विवेक का किया समर्थन

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ओहायो के गवर्नर पद के लिए भारतीय मूल के कारोबारी विवेक रामास्वामी का समर्थन कर दिया है। ट्रंप ने विवेक रामास्वामी की बुद्धिमत्ता, ताकत और कंजर्वेटिव वैल्यू को लेकर उनकी प्रतिबद्धता की तारीफ करते हुए कहा कि विवेक एक युवा, मजबूत और समझदार नेता हैं, जो सचमुच हमारे देश से प्यार करते हैं।

दरअसल, विवेक रामास्वामी ट्रंप की अक्सर तारीफ करते रहते हैं। अब वो ओहायो गवर्नर की रेस में हैं। इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने उनका समर्थन किया है। ट्रंप ने इनके नेतृत्व करने की क्षमता पर पूरा भरोसा जताया और उन्हें एक विशेष उम्मीदवार बताया।

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने कहा, विवेक रामास्वामी महान राज्य ओहायो के गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, एक ऐसी जगह जिसे मैं प्यार

करता हूं और जहां मैंने 2016, 2020 और 2024 में तीन बार बड़ी जीत हासिल की है। मैं विवेक को अच्छी तरह जानता हूं, उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर चुका हूं, और वह वाकई खास हैं। वह युवा, मजबूत और होशियार हैं। विवेक एक बहुत अच्छे इंसान भी हैं, जो हमारे देश से सच्चा प्यार करते हैं।

आपके अगले गवर्नर के रूप में, विवेक अर्थव्यवस्था को बढ़ाने, करों और नियमों में कटौती करने, मेड इन द यूएसए को बढ़ावा देने, अमेरिकी ऊर्जा प्रभुत्व को बढ़ावा देने, हमारी अब तक की सबसे सुरक्षित सीमा को सुरक्षित रखने, प्रवासी अपराध रोकने, हमारी सेना/पूर्व सैनिकों को मजबूत करने, कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने, चुनावी ईमानदारी को बढ़ावा देने और हमेशा घेरे में रहने वाले हमारे दूसरे संशोधन की रक्षा करने के लिए अथक संघर्ष करेंगे।

रामास्वामी ओहायो के एक महान गवर्नर होंगे: ट्रंप ने आगे कहा कि विवेक रामास्वामी ओहायो के एक महान गवर्नर होंगे, और मेरा पूरा समर्थन है - वह आपको कभी निराश नहीं करेंगे। इस समर्थन पर प्रतिक्रिया देते हुए, रामास्वामी ने ट्रम्प को धन्यवाद दिया और उनके अभियान के प्रति आशा व्यक्त की। रामास्वामी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि धन्यवाद, राष्ट्रपति ट्रम्प! आइए ओहायो को पहले से कहीं अधिक महान बनाएं। द हिल के अनुसार, रामास्वामी ने 5 नवंबर को कहा था कि अगर रिपब्लिकन भविष्य में चुनाव जीतना चाहते हैं, तो उन्हें सामर्थ्य के संदेशों को प्राथमिकता देनी चाहिए और पहचान की राजनीति पर बात करने से बचना चाहिए।

तुर्किये की अदालत ने इस्राइली नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया गिरफ्तारी वारंट

तेल अवीव , एजेंसी। तुर्किये के इस्तांबुल मुख्य अभियोजक कार्यालय ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत 37 लोगों के खिलाफ जनसंहार के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। इन आरोपों का संबंध गाजा में चल रहे युद्ध से है, जिसे इस्राइल ने अक्तूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद शुरू किया था। इस्तांबुल अभियोजन कार्यालय के बयान के मुताबिक, जिन लोगों पर गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है, उनमें इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री इस्राइल कैट्ज, आईडीएफ के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जमीर, राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतमार बेन-गवीर के शामिल हैं। तुर्किये के अभियोजकों ने दावा किया है कि इस्राइल गाजा में नागरिकों को जानबूझकर निशाना बना रहा है, और यह कार्रवाई जनसंहार की श्रेणी में आती है। उन्होंने 17 अक्तूबर 2023 की अल-अहली बैपटिस्ट हॉस्पिटल की घटना को भी अपने आरोपों का हिस्सा बनाया है। हालांकि, इस्राइल और अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने बाद में यह निष्कर्ष निकाला था कि यह विस्फोट फलस्तीनी आतंकी संगठन इस्लामिक जिहाद के रॉकेट की विफल लॉन्चिंग से हुआ था, न कि इस्राइल के हमले से। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन लंबे समय से हमास के समर्थक माने जाते हैं। इसी के साथ, तुर्किये की न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर भी सवाल उठते रहे हैं। अतीत में तुर्किये के कई पत्रकारों और विपक्षी नेताओं, जैसे कि एकरेम इमामओग्लू (जो इस्तांबुल के मेयर और एर्दोआन के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं), के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा चुके हैं। बता दें कि 1915 से 1923 के बीच तुर्किये पर अपने ही देश में 15 लाख आर्मेनियाई लोगों के जनसंहार का आरोप है। अमेरिका, कनाडा, रूस और यूरोपीय संघ के अधिकांश देश इस आर्मेनियाई जनसंहार को आधिकारिक रूप से मान्यता देते हैं। तुर्की के साथ उनके राजनयिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं।

विदेश मंत्री लावरोव के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मतभेद नहीं

मॉस्को, एजेंसी। क्रेमलिन ने शुक्रवार को उस दावे को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के अब राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मतभेद चल रहे हैं। लावरोव को पुतिन के सबसे वफादार नेताओं में से एक माना जाता है। आज एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग में राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, इस तरह की रिपोर्ट में कोई सच्चाई नहीं है कि लावरोव अब पुतिन की पसंद से बाहर हो गए हैं। बेशक, लावरोव अब भी विदेश मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। पांच नवंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की टेलीविजन प्रसारित बैठक में लावरोव गैरहाजिर रहे। जिसके बाद इस तरह के दावे किए जाने लगे किए पुतिन के उनके साथ मतभेद चल रहे हैं। ड्यूमा स्पीकर की पहल पर क्रेमलिन की शीर्ष समिति ने इस संभावना पर चर्चा की कि अगर अमेरिका परमाणु परीक्षण पर प्रतिबंध वाले समझौते से बाहर निकलता है, तो रूस फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने पर विचार कर सकता है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि 20 अक्तूबर को लावरोव और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच बातचीत के बाद रूस-अमेरिका शिखर बैठक और रूस-यूक्रेन के बीच की वार्ताएं रद्द कर दी गई। रूस के कोमर्सांट बिजनेस डेली अखबार ने पेस्कोव के हवाले से कहा, यूक्रेन और यूरोप की तरफ से की गई उकसाने वाली कार्रवाइयों के कारण बातचीत की प्रक्रिया में बाधा आई है, जिससे समाधान की गति धीमी पड़ गई है। रूस और यूक्रेन के बीच भरोसे की कमी साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि हंगरी में रूस-अमेरिका शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए गहन और सावधानीपूर्वक तैयारी की जरूरत है।

अमेरिकी चुनाव 2016 विवाद: रूसी दखलअंदाजी मामले में नई जांच

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़ी रूस जांच को लेकर एक नई जांच शुरू की है। इस जांच के तहत विभाग ने बड़ी संख्या में समन जारी किए हैं। ये समन उस सरकारी जांच से संबंधित हैं जो 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में रूस की दखलअंदाजी को लेकर की गई थी।

2016 के चुनाव में रूस पर आरोप था कि उसने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की थी, ताकि डोनाल्ड ट्रंप को जीत मिल सके और हिलेरी क्लिंटन को नुकसान पहुंचे। इस आरोप की जांच ओबामा प्रशासन के दौरान अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने की थी और जनवरी 2017 में एक रिपोर्ट जारी की थी। अब ट्रंप प्रशासन उसी रिपोर्ट की दोबारा पड़ताल करवा रहा है। इस बार समन फ्लोरिडा के सदर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से जारी हुए हैं। इनका मकसद यह पता लगाना है कि 2017 की

उस रिपोर्ट की तैयारी में किन बातों को आधार बनाया गया था और क्या उसमें किसी तरह की राजनीतिक पक्षपात की भूमिका रही थी।

हालांकि सभी नाम अभी सामने नहीं आए हैं, लेकिन सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों को समन मिले हैं उनमें जॉन ब्रेनन, पूर्व सीआईए निदेशक; पीटर स्ट्रजक, एफबीआई के पूर्व काउंटर इंटेलिजेंस अधिकारी; लिसा पेज, एफबीआई की पूर्व वकील शामिल हैं। पीटर स्ट्रजक और लिसा पेज, दोनों रूस जांच में शामिल थे और बाद में ट्रंप के खिलाफ निजी संदेशों के कारण विवादों में आए थे। स्ट्रजक को बर्खास्त किया गया था जबकि पेज ने इस्तीफा दे दिया था। बताया जा रहा है कि करीब 30 समन जारी किए जाने की योजना है।

ट्रंप पहले भी बार-बार इस जांच को राजनीतिक साजिश करार दे चुके हैं। वे मानते हैं कि यह जांच उनके खिलाफ बनाई गई साजिश थी। म्यूलर रिपोर्ट और अन्य कई सरकारी जांचों में यह पाया गया कि रूस ने अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी, लेकिन ट्रंप या उनके सहयोगियों का रूस के साथ सीधा साजिशी संबंध साबित नहीं हुआ। अब, व्हाइट हाउस में दोबारा लौटने के बाद ट्रंप प्रशासन इस पुराने मामले को फिर से खंगाल रहा है। वर्तमान एफबीआई निदेशक काश पटेल, सीआईए प्रमुख जॉन रैटक्लिफ और राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस जांच से जुड़े पुराने दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के पक्ष में हैं। जुलाई में जारी सीआईए रिपोर्ट में कहा गया था कि 2017 की मूल रिपोर्ट में कुछ तकनीकी खामियां थीं, और स्टील डॉसियर को शामिल करने से विश्लेषण की निष्पक्षता प्रभावित हुई थी।

माली में पांच भारतीयों का अपहरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफ्रीकी देश माली में पांच भारतीय नागरिकों को किडनैप कर लिया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। पश्चिमी माली के कोबरी इलाके में गुरुवार को कुछ हथियारबंद लोगों ने भारतीयों को अगवा कर लिया। ये सभी एक बिजली कंपनी में काम करते थे। कंपनी के एक प्रतिनिधि ने बताया कि 5 भारतीयों का अपहरण कर लिया गया है। कंपनी के बाकी भारतीय कर्मचारियों को सुरक्षित राजधानी बमाको पहुंचा दिया गया है। अभी तक किसी समूह ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। माली में सैन्य शासन है और 2012 से ही देश में अस्थिरता, तख्तापलट और जिहादी हमले बढ़ते जा रहे हैं। अल-कायदा से जुड़ा छुहड्डरू समूह ईंधन की सप्लाई रोककर आर्थिक संकट बढ़ा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मणिपुर के कुकी-जोसमुदाय के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 6 और 7 नवंबर 2025 को मणिपुर के कुकी-जोसमुदाय के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक पहले से चल रहे शांति समझौते (एसओओ-संचालन निलंबन समझौता) के तहत हुई, जिसमें सरकार और कुकी-ज़ो समूहों के बीच जारी संवाद का हिस्सा है। बैठक में कुकी-जो प्रतिनिधियों ने केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मांग की, जिसमें एक विधानमंडल भी शामिल हो। उन्होंने अपनी मांग को संवैधानिक और ऐतिहासिक आधार बताया। लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय ने साफ कहा कि भारत सरकार उनकी कठिनाइयों को समझती है, लेकिन वर्तमान नीति नई केंद्र शासित प्रदेशों के निर्माण का समर्थन नहीं है। गृह मंत्रालय ने कहा कि किसी भी फैसले से पहले मणिपुर के अन्य समुदायों से भी व्यापक परामर्श ज़रूरी है। मंत्रालय ने फिर कहा कि राज्य में स्थायी शांति और आपसी विश्वास स्थापित करना ही सरकार का मुख्य उद्देश्य है, इसलिए संवाद जारी रहेगा। यह वार्ता पिछले समझौते का हिस्सा है, जो 2008 में हुआ था। तब से वार्ता जारी है, और इस बार भी सभी पक्ष शांति और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हैं। कुकी-ज़ो समुदाय की मांग को लेकर सरकार ने साफ कर दिया कि नई नीति की वजह से नया केंद्र शासित प्रदेश बनाने का समर्थन फिलहाल संभव नहीं है। केंद्र सरकार चाहती है कि सभी समुदायों की सहमति से ही कोई बड़ा कदम उठाया जाए।

दिल्ली में बढ़ रहा वायु प्रदूषण, सरकारी कर्मचारियों के कार्य समय में हुआ बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने वायु प्रदूषण समस्या के चलते सरकारी कर्मचारियों के कार्य समय में बदलाव करने की घोषणा की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह नया शेड्यूल 15 नवंबर से लागू किया जाएगा और 15 फ़रवरी 2026 तक लागू रहेगा। नए समय के मुताबिक दिल्ली सरकार के कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक खुलेंगे। वहीं नगर निगम के कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे। अभी तक दिल्ली सरकार के दफ्तर सुबह 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक और एमसीडी के दफ्तर सुबह 9 बजे से शाम 5:30 बजे तक खुलते थे। रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि वर्तमान समय-सारणी में सिर्फ 30 मिनट का अंतर है, जिसकी वजह से पीक टाइम में भारी ट्रैफिक जाम लगता है और शहर की वायु गुणवत्ता खराब हो जाती है। नई समय-सारणी 15 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दिल्ली में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। शुक्रवार सुबह राजधानी की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' थी, जहां एक्यूआई 312 रहा। गुरुवार को यह 600 तक पहुंच गया था। अधिकारियों का कहना है कि नई व्यवस्था से ट्रैफिक दबाव कम करने और प्रदूषण घटाने में मदद मिलेगी। दिल्ली और एनसीआर के शहरों में ठंड बढ़ने के साथ वायु गुणवत्ता बिगड़ गई है। एक्यूआई के आंकड़ों के मुताबिक शनिवार सुबह 7 बजे दिल्ली का एक्यूआई 566 दर्ज किया गया है, जो 'खतरनाक' श्रेणी में आता है। सुबह के दृश्य में पूरे शहर पर गहरी स्मॉग चादर दिखी और सड़कों व इलाकों में दृश्यता काफी घट गई।

गोरखधाम एक्सप्रेस का इंजन फेल, देर रात ठंड में यात्री हुए परेशान

हाथरस (एजेंसी)। कानपुर-दिल्ली रेलवे ट्रैक पर गोरखधाम एक्सप्रेस का इंजन फेल हो गया। शुक्रवार देर रात इसकी वजह से ट्रेन करीब 3 घंटे तक हाथरस जंक्शन पर खड़ी रही। रेलवे अधिकारियों ने दूसरे इंजन की मदद से ट्रेन को शनिवार सुबह 5:30 बजे अलीगढ़ रवाना किया। इंजन फेल होने के कारण जहां ट्रैक पर आने वाले कई ट्रेन प्रभावित हुईं, वहीं ठंड में यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गोरखपुर से बठिंडा की तरफ जा रही गोरखधाम एक्सप्रेस हाथरस जंक्शन स्टेशन को पार कर रही थी, इसी दौरान उसका इंजन फेल हो गया। शुक्रवार रात ढाई बजे ट्रेन हाथरस जंक्शन स्टेशन पर खड़ी हो गई। ट्रेन के चालक ने इंजन फेल होने की सूचना कंट्रोल रूम को दी। जानकारी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे। 3 घंटे बाद सुबह 5:30 बजे ट्रेन में दूसरा इंजन लगाया गया और ट्रेन को अलीगढ़ रवाना किया। इस दौरान अप ट्रैक की करीब 10 ट्रेनों को लूप लाइन में डाला गया जहां से धीमी गति के साथ अलीगढ़ की तरफ रवाना किया गया।

भूत भगाने की रस्म के नाम पर युवती को बीड़ी पीने और शराब पीने के लिए किया मजबूर

कोट्टायम (एजेंसी)। केरल के कोट्टायम जिले से हैरान कर देने वाला मामला आया है, जहां एक युवती को उसके साथी और परिवारवालों ने काला जादू के नाम पर शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी। इस दौरान बीड़ी और शराब पिलाकर अमानवीय तरीके से भूत भगाने की रस्म के तहत प्रताड़ित किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक अखिल दास (26), उसके पिता दास (54) और एक तांत्रिक शिवदास (54) को मामले में गिरफ्तार किया। घटना पिछले हफ्ते की है, जब युवती के साथी के परिवार ने एक तांत्रिक को घर बुलाकर झाड़-फूंक करने की योजना बनाई। आरोप है कि उन्होंने कहा कि युवती के शरीर में उसके मृत रिश्तेदारों की आत्मा प्रवेश कर गई है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि यह झाड़-फूंक सुबह 11 बजे शुरू होकर देर रात तक चलती रही। इस दौरान मुझे बीड़ी पीने और शराब पीने के लिए मजबूर किया। साथ ही भस्म (सिंदूर मिश्रित राख) खिलाई गई और जलते धूप से शरीर पर जलाने के निशान दिए गए। इसके बाद अंत में युवती बेहोश हो गई।

भारत की आपत्ति के बाद भी रूसी सेना में हो रही भारतीयों की भर्ती

जायसवाल ने रुसी अधिकारियों से जल्द कार्यमुक्त करने का किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आपत्ति के बाद भी रूसी सेना में भारतीयों को लगातार भर्ती किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब भी रूस की सेना में कम से कम 44 भारतीय हैं। भारत सरकार ने रूस से उन्हें तत्काल कार्यमुक्त करने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने इस मामले को उठाया है और उनसे रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती रोकने का आग्रह किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में हमें कई भारतीय नागरिकों के रूसी सेना में भर्ती होने की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि हमारी जानकारी के मुताबिक वर्तमान में 44 भारतीय नागरिक रूस की सेना में हैं। भारतीय अधिकारियों ने सितंबर में कहा था कि रूसी सेना में 27 भारतीय हैं। जायसवाल ने कहा कि भारत ने इस मामले को रूसी अधिकारियों के साथ उठाया है और उनसे भारतीयों को 'जल्द से जल्द कार्यमुक्त करने और इस प्रथा को खत्म करने' का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि हम रूसी पक्ष और सेना में भर्ती किए लोगों के परिवारों के भी संपर्क में हैं और उन्हें मामले की जानकारी दे रहे हैं। ऐसी खबरें सामने आई हैं कि छात्र और व्यावसायिक वीजा पर कुछ भारतीयों को यूक्रेन में युद्ध के अग्रिम मोर्चे पर तैनात रूसी सैन्य इकाइयों में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया है। भारत बार-बार रूस से रूसी सैन्य इकाइयों में रसोइये और सहायक जैसे सहायक कर्मचारियों के रूप में कार्यरत सभी भारतीयों को छोड़ने का अनुरोध करता रहा है।

पीएम मोदी ने भी पिछले साल अपनी रूस यात्रा के दौरान यह मुद्दा उठाया था। जायसवाल ने भारतीयों से रूसी सेना में सेवा करने के प्रस्तावों से दूर रहने का आह्वान किया क्योंकि ये 'जान के लिए खतरा' हैं। उन्होंने कहा कि हमने यह कई बार कहा है। हमारे बार-बार कहने के बावजूद लोगों की भर्ती की जा रही है। अगर कोई ऐसा करना चाहता है, तो हम उसे रोक नहीं सकते, लेकिन हम इस बात पर जोर देते रहेंगे कि इन नौकरियों के लिए आवेदन करने के बाद आपको इन खतरों के बारे में पता होना चाहिए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक रूसी सेना द्वारा भर्ती किए गए भारतीयों की संख्या अब करीब 170 है। रूसी अधिकारियों ने 96 लोगों को कार्यमुक्त कर दिया है, जबकि 16 अन्य को लापता घोषित किया है। यूक्रेन में संघर्ष के अग्रिम मोर्चे पर लड़ते हुए कम से कम 12 भारतीय मारे गए थे।

भारतीय जवानों ने सीमा पर घुसपैठ को किया नाकाम, 2 आतंकियों को कर दिया ढेर

जम्मू (एजेंसी)। भारतीय सीमा पर तैनात बहादुर जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर जवानों ने 2 अज्ञात आतंकवादियों को मारा गिराया है। सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने बताया कि खुफिया एजेंसियों से इनपुट मिला था। इसके आधार पर कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश को रोकने के लिए अभियान शुरू किया गया। सेना ने एक्स पर पोस्ट में कहा, सतर्क सैनिकों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दी। इस दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। फिलहाल इलाके की तलाशी जारी है। वहीं, श्रीनगर में पुलिस ने शुक्रवार को तीन संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद जब्त कर आतंकी साजिश नाकाम कर दी गई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि ममता चौक, कोनाखान डलगेट के पास नियमित वाहनों की जांच चल रही थी। इस दौरान पुलिस की टीम ने बिना पंजीकरण संख्या वाली काले रंग की मोटरसाइकिल को रोका। रुकने का इशारा करने पर मोटरसाइकिल सवार और पीछे बैठे दो लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उन्हें तुरंत पकड़ लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान शाह मुतैयब और कामरान हसन शाह के रूप में हुई है। ये दोनों कुलीपोरा खानयार श्रीनगर के निवासी हैं। मोहम्मद नदीम उत्तर प्रदेश के मेरठ का निवासी है और वर्तमान में कावा मोहल्ला, खानयार में रह रहा है। पुलिस ने बताया कि इनके पास से एक देसी कट्टा और 9 जिंदा कारतूस बरामद हुए। शुरुआती जांच से संकेत मिलता है कि आरोपी बरामद हथियार और गोला-बारूद का इस्तेमाल करके इलाके में किसी आतंकी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे थे।

तुष्टिकरण के आरोप पर रेवंत रेड्डी बोले- फोटो भेजूंगा, पीएम मोदी ने भी पहनी थी टोपी

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावा करते हुए कहा कि जो लोग बार बार मुस्लिम तुष्कीकरण की बात करते हैं उन्हे पता होना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अतीत में टोपी पहनी है। यदि यकीन न हो तो मैं फोटो भी भेज दूंगा। जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव प्रचार के दौरान टोपी पहनने को लेकर तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी निशाने पर हैं। इस पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि वे सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। टोपी वाले विवाद पर उन्होंने इशारा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अतीत में ऐसा किया है। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार की टिप्पणियों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा, नरेंद्र मोदी जी ने टोपी पहनी थी। मैं फोटो भेजूंगा। नरेंद्र मोदी जी की नीति क्या है, पहले वह (संजय कुमार) स्पष्ट करें।

रेवंत रेड्डी ने कहा, अगर भाजपा नेता मानते हैं कि देश में मुस्लिम अल्पसंख्यक नहीं रहने चाहिए, तो यह उनके विचारों की गरीबी है। बंडी संजय की सोच में खोट है। मैं उन्हें भाजपा नेताओं के टोपी पहनने की जानकारी भेजूंगा। उन्होंने कहा कि किसी भी धार्मिक स्थल पर जाने पर उसकी परंपराओं का सम्मान करना है। उनकी सरकार सभी धर्मों में समानता बनाए रखती है और सभी धर्मों का सम्मान करती है।कांग्रेस मतलब मुस्लिम और मुस्लिम मतलब कांग्रेस कहने के बाद सीएम रेड्डी पर मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोप लगे हैं। इस पर जवाब देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को कांग्रेस की दो आंखें बताया था। कांग्रेस सभी धर्मों और 140 करोड़ आबादी को समान मानती है। कांग्रेस पार्टी ने जब-जब सत्ता में रही, अल्पसंख्यकों को अवसर दिए। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति जाकिर हुसैन, सलमान खुरशीद और कई अन्य के उदाहरण भी दिए।

एक लाख रुपए के लालच में शादीशुदा महिलाएं बन गईं कुंवारी!

बागपत (एजेंसी)। पश्चिमी यूपी के बागपत जिले में शादीशुदा महिलाओं के कुंआरी लड़की बनने का एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है। ये महिलाएं एक-दो नहीं, बल्कि 69 हैं। मामला यह है कि यूपी में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए आवेदन मांगे गए थे। जब जांच की तो पता चला कि ऐसी 69 महिलाओं ने सामूहिक विवाह योजना के तहत आवेदन किया है, जो पहले से शादीशुदा हैं। ये पूरा खेल एक लाख रुपए के लालच में किया गया, जो कैश और सामान के रुप में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत दुल्हन को मिलता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन शादीशुदा महिलाओं ने लालच के लिए सरकारी सिस्टम को ही धोखा दिया। बता दें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ लेने के लिए जिले की 593 युवतियों ने आवेदन किया था लेकिन, विभाग की तरफ से की गई जांच में पोल खुली तो 6 ब्लॉक की 69 महिलाएं शादीशुदा निकली जो झूठे दस्तावेज पेश कर योजना के पैसे लेने कुंआरी कन्या बन गईं। अब इनके आवेदन रद्द करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

बागपत जिले के सभी ब्लॉक से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत ये आवेदन 1 अक्टूबर तक किए गए थे। योजना का लाभ देने से पहले जिला अधिकारी ने सभी आवेदकों का सत्यापन के निर्देश दिए। इसके बाद समाज कल्याण विभाग, राजस्व विभाग और विकास भवन की टीम ने सत्यापन की कार्यवाही की। अधिकारियों ने ग्राउंड जीरो पर जाकर देखा, तो उनके होश उड़ गए। अधिकारियों के सत्यापन में 69 युवतियां ऐसी पाई गईं, जिनकी शादी पहले ही हो चुकी थी। इनमें ज्यादातर ऐसी महिलाएं थी जिनकी शादी दो महीने के अंतराल में ही हुई थी।

अधिकारियों ने तुरंत एक्शन लेते हुए ऐसे सभी आवेदन निरस्त कर दिए। फर्जीवाड़ा कर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का लाभ लेने के लिए सबसे ज्यादा आवेदन बागपत शहर और बिनौली ब्लॉक से आए। बागपत शहर से आवेदन करने वाली ऐसी 16, बिनौली ब्लॉक से 12 और छपरौली ब्लॉक में 10 युवतियां शादीशुदा मिलीं। बता दें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार बेटियों की शादी के लिए एक लाख रुपए देती है। इसी रकम के लालच में इन युवतियों ने शादीशुदा होने के बाद भी आवेदन किए। अब इनकी जांच की जा रही है। इन युवतियों के खिलाफ विभाग एक्शन लेता है या नहीं यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा।

अगर बिहार में घुसपैठिए मौजूद हैं... इसके लिए पीएम मोदी, शाह और नीतिश जिम्मेदार

-एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद ओवैसी ने एनडीए पर बोला हमला

सीवान (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्ष के आरोप को सिरे से खारिज किया है कि विपक्षी दल घुसपैठियों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पर आरोप लगाया कि वह मुसलमानों की प्रगति को नजरअंदाज करने के बाद अब उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। सांसद ओवैसी ने तर्क दिया कि घुसपैठ के आरोपों को तब स्वीकार करते है, जब बिहार में सोने की खदान जैसा कोई कोई बड़ा आकर्षण होता। औवैसी ने कहा, क्या यहां सोने की खान मिल गई है? अगर तेल के भंडार खोजे जाते, तब मैं समझता कि लोग इस राज्य की ओर भाग रहे हैं। युवा भारतीय पूरे देश में प्रवास करते हैं, लेकिन आप उन्हें रोकने के बजाय घुसपैठिया कहकर उन्हें बदनाम कर रहे हैं। सीमांचल के मुसलमानों ने विभाजन के दौरान बांग्लादेश जाना पसंद नहीं किया और भारत को अपना देश चुना।

ओवैसी ने कहा कि अगर घुसपैठिए मौजूद भी हैं, तब इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को दोषी ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि वे कई सालों से केंद्र और बिहार की सत्ता में हैं। ओवैसी ने कहा, मुख्यमंत्री आपके हैं, नीतीश, केंद्रीय गृह मंत्री आपके हैं शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। आपकी निगरानी में घुसपैठिए कैसे आ रहे हैं? अगर घुसपैठिए हैं, तब इसका मतलब है कि आप विफल रहे हैं। आपके पास बीएसएफ और सीमा सुरक्षा बल है। आप राज्य सरकार की आलोचना करते हैं, लेकिन वह भी आपकी ही है।

बीजेपी को बिहार विधानसभा चुनाव बाद मिलेगा नया राष्ट्रीय अध्यक्ष: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कब चुना जाएगा अब इससे पर्दा उठ चुका है। दरअसल रक्षा मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार विधानसभा चुनावों के बाद मिलने जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में किसी तरह की अंदरूनी कलह नहीं है और सभी नेता संगठन के निर्णयों के प्रति एकजुट हैं। राजनाथ सिंह ने इस आशय की जानकारी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष पद का चयन भाजपा की परंपरा और संगठनात्मक प्रक्रिया के अनुसार ही किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा, कि भाजपा एक अनुशासित राजनीतिक संगठन है। यहां फैसले सामूहिक रूप से होते हैं, किसी व्यक्ति विशेष के आधार पर नहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि संघ पार्टी के राजनीतिक फैसलों में कोई हस्तक्षेप नहीं करता। उन्होंने कहा, आरएसएस राजनीति में दखल नहीं देता, बल्कि देशभक्ति, अनुशासन और सेवा की भावना सिखाता है। भाजपा और संघ का संबंध वैचारिक है, राजनीतिक नहीं।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राजनाथ सिंह ने आत्मविश्वास जताया कि एनडीए गठबंधन एक बार फिर से सत्ता में लौटेगा। उन्होंने कहा कि जनता का रुझान स्पष्ट रूप से एनडीए के पक्ष में है और गठबंधन को दो-तिहाई बहुमत मिल सकता है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है और नतीजों के बाद भी वे ही मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

इसी दौरान उन्होंने चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जन सुराज पर भी निशाना साधा। राजनाथ ने कहा, प्रशांत किशोर कोई बड़ा फैक्टर नहीं हैं। जनता समझती है कि कौन वोट काटने के लिए चुनाव लड़ रहा है और कौन सरकार बनाने के लिए। उन्होंने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि जन सुराज पार्टी शायद एक भी सीट न जीत पाए।

राजनाथ सिंह के इस बयान से यह भी स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा संगठनात्मक बदलाव पर विचार कर रही है, लेकिन इसे बिहार चुनावों के बाद तक टालने का फैसला किया गया है, ताकि पूरा ध्यान चुनावी रणनीति पर केंद्रित रहे।

जब आप इन कुत्तों को हटाएंगे, तो आप इन्हें कहां पर रखेंगे?

बीजेपी नेता मेनका गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर उठाए सवाल

नई दिल्ली(एजेंसी)। बीजेपी की वरिष्ठ नेता और प्रसिद्ध एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट मेनका गांधी ने आवारा कुत्तों के सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि जब जस्टिस पारदीवाला की तरफ से आवारा कुत्तों को हटाने संबंधी फैसला दिया गया था, इसकी पूरे देश में आलोचना हुई थी। सभी ने फैसले पर सवाल उठाए थे। लेकिन अब जिस तरह का फैसला आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया है, वह जस्टिस पारदीवाला से भी ज्यादा हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि हमारा ध्येय क्या है? हमारा एकमात्र ध्येय सिर्फ आवारों कुत्तों की संख्या में कमी लाना है, ताकि काटने के मामलों में कमी आए, लेकिन सवाल यह है कि हमने इस दिशा में अब तक क्या कदम उठाया है? वैज्ञानिक अध्ययन में यह बात सामने आई है कि जब हम कुत्तों को एक जगह से उठाकर दूसरे जगहों पर स्थानांतरित करते हैं, तो वह कुत्ते निश्चित तौर पर काटेंगे। 90 फीसदी लोगों को वह कुत्ते काटते हैं, जिन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित किया जाता है। हमें समझना होगा कि आज सुप्रीम कोर्ट की तरफ से क्या फैसला आया है? कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अस्पताल, बस स्टॉप और कॉलेज से कुत्ते हटाएं, लेकिन, सवाल यह है कि जब आप इन कुत्तों को हटाएंगे, तो आप इन्हें कहां पर रखेंगे?

मेनका गांधी ने कहा कि जब आप इन कुत्तों को यहां से हटाएंगे, तो निश्चित तौर पर उन्हें सड़क पर रखेंगे, क्योंकि आज भी कुत्तों के लिए कोई आश्रय नहीं है। उन्होंने कहा कि हास्यास्पद स्थिति यह है कि इस पूरे मामले के संदर्भ में आरा और अररिया जैसे शहरों की बात कर रहे हैं। जब हमारे पास आश्रय नहीं है, तो भला उनके पास कहां से आएंगे? लेकिन जब इन शहरों के स्कूलों और अस्पतालों से कुत्तों को निकाला जाएगा, तो उन्हें कहां रखा जाएगा? निसंदेह ये कुत्ते सड़क पर ही रहेंगे। ऐसी स्थिति में लोग उन्हें डंडों से मारेंगे। ये कुत्ते फिर से सड़कों पर घूमेंगे। ऐसे में इस बात की प्रबल संभावना है कि कुत्ते सड़क पर आने-जाने वाले लोगों को काटेंगे। फैसले पर फिर से विचार करना होगा।

सरकारी जमीन के घोटाले में फंसे अजीत पवार के बेटे पार्थ, अन्ना बोले- ये दोनों जिम्मेदार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार एक सरकारी जमीन घोटाले के मामले में फंस गए है। करीब 300 करोड़ की यह बेचे जाने का मामला है और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता अन्ना हजारे साफ शब्दों में कह दिया कि ये घोटाले के लिए बाप यानी अजीत पवार और बेटा पार्थ पवार दोनों जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि अगर मंत्रियों के बच्चे गलत काम करते हैं, तो इसके लिए मंत्रियों को ही दोषी ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी पवार के बेटे की कंपनी से जुड़े जमीन सौदे को लेकर की। बता दें कि मुंधवा में 40 एकड़ सरकारी जमीन की बिक्री के लिए अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी के साथ तीन सौ करोड़ रुपये का सौदा हुआ था, जबकि यह जमीन सरकार की अनुमति के बिना नहीं बेची जा सकती थी। इस कंपनी में पार्थ पवार भी साझेदार हैं। इस लेन-देन पर स्टांप शुल्क माफ करने का भी आरोप है। राज्य सरकार ने मामले में अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे की अगुवाई में उच्च स्तरीय समिति गठित की है।

महाराष्ट्र के जॉइंट इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रेशन राजेंद्र मुथे ने शुक्रवार को कहा कि पुणे में 40 एकड़ जमीन राज्य सरकार की है और इसे किसी भी कीमत पर बेचा नहीं जा सकता है। इसी जमीन की बिक्री में कथित गड़बड़ियों की जांच चल रही है। मुथे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा घोषित एक जांच समिति की मदद कर रहे हैं। यह जमीन पुणे निवासी और पावर ऑफ अटॉर्नी धारक शीतल तेजवानी द्वारा राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार और दिग्विजय पाटिल के स्वामित्व वाली एक लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप को जमीन बेचने की जांच कर रही है।मुथे ने बताया, 7/12 दस्तावेज (जमीन के मालिकाना हक का दस्तावेज) में मुंबई सरकार (पहले की बॉम्बे सरकार) को मालिक दिखाया गया है। 2018 के बाद जारी किए गए प्रॉपर्टी कार्ड में भी यही दिखाया गया है। पावर ऑफ अटॉर्नी रखने वाला व्यक्ति किसी भी कीमत पर जमीन नहीं बेच सकता है। हम हर चीज की जांच कर रहे हैं और सात दिनों में राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंप देंगे। उनका ऑफिस प्रॉपर्टी डॉक्यूमेंट्स के रजिस्ट्रेशन और स्टाम्प ड्यूटी जमा करने के लिए जिम्मेदार है।

40 एकड़ जमीन की इस पूरी कहानी से पता चलता है कि पवार-पाटिल पार्टनरशिप वाली कंपनी अमाडिया एंटरप्राइजेज एलएलपी को 24 अप्रैल, 2024 को पुणे के डिस्ट्रिक्ट इंडस्ट्रीज सेंटर से लेटर ऑफ इंटेंट मिलने के 13 महीने से भी कम समय में उसने 19 मई, 2025 को तेजवानी के साथ 300 करोड़ रुपये की बिक्री का एग्रीमेंट किया। तेजवानी के पास महार समुदाय की 40 एकड़ जमीन के 272 मूल मालिकों की ओर से पावर ऑफ अटॉर्नी है। आजादी से पहले राज्य के गांवों में वतन सिस्टम चलता था, जिसके तहत कुछ खास जातियों या परिवारों को कुछ सेवाओं के बदले नकद के बजाय जमीन या रेवेन्यू के अधिकार मिलते थे।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार की कंपनी से जुड़े 300 करोड़ रुपये के भूमि सौदा घोटाले मामले में शुक्रवार को एक और प्राथमिक दर्ज की गई है। पुलिस ने पार्थ पवार के व्यावसायिक साझेदार दिग्विजय पाटिल, शीतल तेजवानी और निलंबित तहसीलदार सूर्यकांत येवाले के खिलाफ केस दर्ज किया है। इससे पहले मामले में गुरुवार को महानिरीक्षक रजिस्ट्रार कार्यालय ने दिग्विजय पाटिल, शीतल तेजवानी और उप-रजिस्ट्रार आर बी तारू के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया। जिला कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने बताया कि मामला आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को स्थानांतरित कर दिया गया है। इसी एफआईआर में पुणे के पास बोपोडी में जमीन से जुड़े एक अन्य विवादास्पद सौदे में छह अन्य लोगों के नाम भी दर्ज हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित

पवार ने शुक्रवार को कहा कि उनके बेटे पार्थ और उनके व्यापारिक साझेदार को जानकारी नहीं थी कि उनकी कंपनी द्वारा खरीदी गई जमीन सरकारी थी। अब पता चलने के बाद उन्होने यह सौदा रद्द कर दिया है। जांच के लिए गठित समिति एक माह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने के बाद उन्होंने यह बात कही। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे से जुड़ी एक कंपनी के अवैध जमीन सौदे में शामिल होने के आरोपों के एक दिन बाद शुक्रवार को वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिले। एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे भी उनके साथ थे। हालांकि, मुलाकात में हुई बातचीत की जानकारी नहीं मिली।